रांची

www.vananchaleye@gmail.com

हिन्दी दैनिक

वनांचल आई

हर खबर पर पहली नजर

₹5

PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 | वर्ष:01 | अंक:88 | गुरूवार,04 दिसंबर

Email:vananchaleye@gmail.com

ब्रीफ न्यूज

लोकसभा से केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक, 2025 पारित

एजेंसी

नई दिल्ली : लोकसभा ने बुधवार को केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक, 2025 को पारित कर दिया। यह विधेयक तंबाकू उत्पाद पर मौजूदा वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) कंपनसेशन सेस की जगह बढ़ी हुई सेंट्रल एक्साइज ड्यूटी लेगा। इसके साथ ही निचले सदन की कार्यवाही गुरुवार तक के लिए स्थगित हो गई। इससे पहले केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा के पटल पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक, 2025 को विचार और पारित करने के लिए रखा। सीतारमण ने सोमवार को निचले सदन में इस विधेयक को 1 दिसंबर को पेश किया था। वित्त मंत्री ने लोकसभा में केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक, 2025 पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि इस विधेयक का मकसद जीएसटी मुआवजा सेस खत्म होने के बाद तंबाकू और उससे जुड़े उत्पादों पर उत्पाद शुल्क को बदलना है। उन्होंने कहा कि भारत में भी वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) से पहले तंबाकू के रेट हर साल बढ़ाए जाते थे। यह मुख्य रूप से सेहत से जुड़ी चिंताओं के कारण था, क्योंकि ज्यादा कीमतें या टैक्स लोगों को यह आदत न लगाने के लिए रोकने के लिए थे। सीतारमण ने कहा कि यहां कई मंत्रियों ने कहा कि यह एक सेस है। उत्पाद शुल्क कोई सेस नहीं है, उन्होंने कहा ये शुल्क जीएसटी से पहले भी थी।

नौसेना को जल्द मिलेगा लड़ाकू विमान राफेल एम

एजेंसी

नई दिल्ली : फ्रांस और भारत के रिश्ते डील के बाद नई दिशा की ओर बढ़ते दिख रहे हैं। पहले भारतीय सेना ने अपनी स्कवाडन के लिए राफेल को चुना था, अब नौसेना ने भी राफेल को चुना है। भारतीय नौसेना के प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि भारत फ्रांस से 26 राफेल मरीन लड़ाकू विमानों की डील को अगले कुछ महीनों में फाइनल करेगा। नौसेना प्रमुख त्रिपाठी ने कहा है कि हमें उम्मीद है कि 2029 तक नेवी को चार राफेल का पहला सेट मिल जाएगा। जुलाई 2023 में ही रक्षा मंत्रालय ने इस खरीद को मंजूरी दे दी थी। पहले चार राफेल मरीन जेट 2029 के अंत तक मिल जाएंगे। इसके बाद 2030 में पांच और 2031 तक बाकी सभी 26 विमान नौसेना में शामिल हो जाएंगे। राफेल एम भारतीय नौसेना के युद्धपोत आईएनएस विक्रांत के लिए उपयुक्त होगा। राफेल एम का इस्तेमाल अभी ग्रीस, इंडोनेशिया और यूएई की सेनाएं कर रही हैं। दिलचस्प बात यह है कि भारतीय नौसेना ने अमेरिकी फाइटर जेट एफ/ए-18 सुपर हॉर्नेट को खारिज किया है। दोनों लड़ाकू विमानों का इस साल की शुरूआत में नौसेना ने परीक्षण किया था। नौसेना का मानना है कि राफेल उसकी जरूरतों को काफी हद तक पूरा करता है। नौसेना 43 पुराने रूसी फाइटर जेट मिग-29के और मिग-29केयूबी को अपने बेड़े से हटाना चाहती है।

स्मार्टफोन में पहले से 'संचार साथी' एप 'इंस्टॉल' करना नहीं होगा अनिवार्य

चौतरफा विरोध को देखते हुए केंद्र सरकार ने वापस लिया निर्देश

एजेंसी

- उपयोगकर्ता की निजता का उल्लंघनहोने के साथ निगरानी के उठ रहे थे सवाल
- स्टोर पर स्वैच्छिक रूप से डाउनलोड के लिए उपलब्ध रहेगा एप
- एप्पल और सैमसंग जैसे विनिर्माताओं ने भी पहले के आदेश पर जताई थी आपत्ति

नई दिल्ली:को केंद्र सरकार ने स्मार्टफोन विनिर्माताओं के लिए सभी नए मोबाइल फोन में साइबर सुरक्षा एप 'संचार साथी' को पहले से अनिवार्य रूप से लगाने के निर्देश को वापस ले लिया। यह कदम उन बढ़ती चिंताओं को दूर करने के लिए उठाया है, जिनमें कहा गया था कि इससे उपयोगकर्ता की निजता का उल्लंघन होने के साथ निगरानी का जोखिम हो सकता है। हालांकि, सरकार का संचार साथी एप के बारे में कहना है कि यह केवल चोरी हुए फोन का पता लगाने और ब्लॉक करने तथा उनके दुरुपयोग को रोकने में मदद करता है। एप स्टोर पर स्वैच्छिक रूप से डाउनलोड के लिए उपलब्ध रहेगा। संचार मंत्रालय ने एक बयान में कहा, सरकार ने मोबाइल विनिर्माताओं के लिए एप पहले से इंस्टॉल करने को अनिवार्य नहीं करने का फैसला किया है। यह कदम विपक्षी दलों और निजता का समर्थन करने वालों के विरोध के बाद उठाया गया है। उनका कहना था कि एप कॉल सुनने के साथ-साथ संदेश भी पढ़ सकता है। ऐसा कहा जा रहा है कि

रूस में पहले से लागू है अनिवार्यता का नियम

गौरतलब है कि दुनिया में शायद ही किसी देश ने सभी स्मार्टफोन पर साइबर सुरक्षा एप को पहले से लगाने को अनिवार्य किया हो। एकमात्र अपवाद रूस है, जिसने अगस्त में आदेश दिया था कि सरकारी संदेश सेवा 'मैक्स' सभी फोन और टैबलेट पर अनिवार्य रूप से इंस्टॉल हो। आलोचक इसे एक संभावित निगरानी उपकरण मानते हैं। सरकार ने एप का बचाव करते हुए कहा, यह सुरक्षित है और पूरी तरह से साइबर सुरक्षा के लिहाज सेनागरिकों की मदद के लिए है।

एप्पल और सैमसंग जैसे कुछ विनिमार्ताओं ने 28 नवंबर के आदेश पर अपनी आपत्ति जताई है। मंत्रालय के बयान के अनुसार, उपयोगकर्ताओं की संख्या तेजी से बढ़ रही है और एप इंस्टॉल करने का आदेश इस प्रक्रिया को तेज करने और कम जागरूक नागरिकों तक एप को आसानी से

डाउनलोड हो चुके हैं डेढ़ करोड़ एप

सिंधिया ने मंगलवार को कहा था कि उपयोगकर्ता एप को हटा सकते हैं। यह तभी चालू होता है जब कोई उपयोगकर्ता उस पर पंजीकरण करता है। उन्होंने बुधवार को लोकसभा में कहा कि अगर कोई उपभोक्ता ऐप पर पंजीकृत नहीं है, तो ऐप चालू नहीं होगा और कोई भी ऐप को हटा सकता है। मंत्री ने कहा कि अब तक लगभग 1.5 करोड़ एप डाउनलोड हो चुके हैं। पोर्टल और एप की मदद से 26 लाख चोरी हुए हैंडसेट का पता लगाया गया है, सात लाख चोरी हुए।

पहुंचाने के लिए दिया गया था। पिछले एक दिन में ही छह लाख नागरिकों ने एप डाउनलोड करने के लिए पंजीकरण कराया है, जो इसके उपयोग में 10 गुना वृद्धि है।मंत्रालय ने कहा कि यह उपाय अब जरूरी नहीं है, क्योंकि एप को अपने आप ही 'व्यापक रूप से उपयोगकर्ताओं की स्वीकृति'

एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट के समन की अवहेलना से जुड़ा मामला

हेमंत को हाईकोर्ट से राहत, ट्रायल कोर्ट में व्यक्तिगत पेशी से मिली छूट

संवादाता

बुधवार को झारखंड हाईकोर्ट में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट यानी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समन की अवहेलना से जुड़े मामले में सशरीर उपस्थिति (फिजिकल अपीयरेंस) से छूट दे दी है। हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस अनिल चौधरी की कोर्ट में इस मामले की सुनवाई हुई। अदालत ने मेरिट के आधार पर इस केस की सुनवाई करते हुए याचिका निष्पादित कर दी है। सीएम की ओर से वरीय अधिवक्ता अरुणव चौधरी और अधिवक्ता दीपांकर राय ने पक्ष रखा। गौरतलब है कि ईडी ने रांची के बड़गाईं क्षेत्र के लैंड प्लॉट से जुड़े मामले में कई समन जारी किए थे, जिनकी कथित अवहेलना के आरोप में विशेष एमपी-एमएलए कोर्ट में मुकदमा दर्ज है। ईडी ने फरवरी 2023 में मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (सीजेएम) की अदालत में शिकायत दायर की थी। इसमें 14 अगस्त 2023 से 27 जनवरी 2024 तक 10 बार समन भेजने का उल्लेख किया था। सीजेएम ने 4 मार्च 2024 को आईपीसी धारा 174 के तहत समन की अवहेलना मामले में संज्ञान लिया और मामला एमपी- एमएलए कोर्ट में भेज दिया। एमपी-एमएलए कोर्ट ने हेमंत सोरेन को व्यक्तिगत उपस्थिति का निर्देश दिया था। इस मामले में छूट से जुड़ी याचिका 5 जुलाई 2024 और फिर 11 नवंबर 2024 को खारिज कर दी गई थी।

जेएसएससी सीजीएल पेपर लीक मामले की नहीं होगी सीबीआई जांच

हाईकोर्ट में की गई थी अपील

की थी, जहां जस्टिस अनिल कुमार चौधरी की बेंच ने 4 दिसंबर 2024 को अंतरिम राहत देते हुए निचली अदालत की प्रक्रिया पर रोक लगाते हुए व्यक्तिगत पेशी से छूट प्रदान की थी। पिछले दिनों हाईकोर्ट ने प्रथम दृष्टया अवहेलना मानते हुए 25 नवंबर 2025 को यह राहत समाप्त करते हुए निचली अदालत को सुनवाई जारी रखने काआदेश दिया था।

बुधवार को झारखंड हाईकोर्ट ने जेएसएससी स्नातक स्तरीय संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा (जेएसएससी-सीजीएल) 2024 के कथित पेपर लीक मामले में सीबीआई जांच की मांग करने वाली जनहित याचिका को खारिज कर दिया है। अदालत ने आयोग को परीक्षा परिणाम शीघ्र जारी करने और नियुक्ति प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया है।

दिल्ली दौरे से लौटे सीएम हेमंत, झामुमो ने गठजोड़ की चर्चा को बताया अफवाह, मंत्री बोले- झारखंड झुकेगा नहीं

संवाददाता

रांची:मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पांच दिनों की दिल्ली यात्रा के बाद बुधवार शाम रांची लौट आए। वे अपनी विधायक पत्नी कल्पना सोरेन के साथ चार्टर्ड विमान से बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पहुंचे। सीएम का यह दौरा आधिकारिक रूप से निजी बताया गया है। अब मुख्यमंत्री चार दिसंबर को विधानसभा सत्र की तैयारियों को लेकर स्पीकर द्वारा बुलाई गई बैठक में हिस्सा लेंगे। इसके अतिरिक्त झामुमो विधायक दल की बैठक भी प्रस्तावित है। इधर, मुख्यमंत्री के दिल्ली प्रवास के दौरान झारखंड की राजनीति में हलचल तेज हो गई। सोशल मीडिया पर यह चर्चा जोर पकड़ गई कि झामुमो भाजपा के साथ नए राजनीतिक समीकरण तलाश रहा है। इन कयासों पर बुधवार को दिनभर नेताओं की प्रतिक्रियाएं आती रहीं झामुमो महासचिव मिथिलेश ठाकुर ने इन अटकलों को खारिज करते हुए कहा

56 विधायकों वाली महागठबंधन सरकार मजबूत

कि यह भाजपा का पुराना शिगूफा है। उन्होंने कहा कि 56 विधायकों वाली महागठबंधन सरकार मजबूत है और कहीं कोई संकट नहीं है। मंत्री दीपक बिरूआ ने सोशल मीडिया पर लिखा– 'झारखंड झुकेगा नहीं।' वहीं झामुमो प्रवक्ता कुणाल षाड़ंगी ने कहा कि घाटशिला उपचुनाव में पराजय के बाद भाजपा सरेंडर मोड में है।

भारत के कृषि क्षेत्र में प्राकृतिक खेती ला सकती है क्रांतिकारी बदलाव : प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री ने देशवासियों से प्राकृतिक खेती अपनाने की अपील की

एजेंसी

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को देशवासियों से प्राकृतिक खेती अपनाने और इसे बढ़ावा देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह न केवल कृषि की लागत में कमी लाता है, बल्कि मिट्टी की सेहत, पर्यावरण संरक्षण और किसानों की आय बढ़ाने में भी सक्षम है। प्रधानमंत्री ने अपने आधिकारिक लिंक्डइन पोस्ट में विस्तृत लेख साझा किया, जिसमें उन्होंने हाल ही में कोयंबटूर में आयोजित साउथ इंडिया नेचुरल फार्मिंग समिट 2025 में शामिल होने के अनुभव और भारत में प्राकृतिक खेती की संभावनाओं पर विचार प्रस्तुत किए। प्रधानमंत्री ने लेख में बताया कि उन्होंने कुछ माह पहले तमिलनाडु के किसानों के एक समूह ने उनसे मुलाकात की और प्राकृतिक खेती के अपने नवाचारी तरीकों के बारे में विस्तार से बताया। इसी दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री को कोयंबटूर में होने वाले प्राकृतिक खेती सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया था। प्रधानमंत्री ने किसानों का यह आमंत्रण स्वीकार करते हुए 19 नवंबर को इस सम्मेलन में भाग लिया। उन्होंने कहा कि परंपरागत रूप से एमएसएमई हब माने जाने वाले कोयंबटूर में प्राकृतिक खेती पर ऐसा बड़ा आयोजन होना, अपने आप में कृषि जगत की नई सोच, नए आत्मविश्वास और भविष्य की दिशा को दशार्ता है।अपने लेख में प्रधानमंत्री ने कहा कि प्राकृतिक खेती भारत की प्राचीन कृषि-ज्ञान परंपरा और आधुनिक पारिस्थितिक सिद्धांतों का समन्वित रूप है। इसमें बिना रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के फसलों की खेती की जाती है।

हमारा देश पूरे विश्व में अनेकता में एकता का एक उत्कृष्ट उदाहरण है : राज्यपाल

नागालैंड और असम का स्थापना दिवस लोक भवन में संयुक्त रूप से मनाया गया

संवाददाता

रांची : भारत विविधता में एकता का अनोखा उदाहरण है, जहां अलग-अलग भाषा, संस्कृति, परंपरा और जीवन-शैली के बावजूद सभी एक भावना के साथ जुड़े हैं। यह बातें झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने बुधवार को लोक भवन में आयोजित नागालैंड और असम राज्य स्थापना दिवस समारोह में कही। उन्होंने बताया कि नागालैंड का स्थापना दिवस 1 दिसंबर और असम का स्थापना दिवस 2 दिसंबर को था, किंतु उनके राज्य से बाहर रहने के कारण कार्यक्रम निर्धारित तिथि को आयोजित नहीं किया जा सका। इसलिए दोनों राज्यों का स्थापना दिवस संयुक्त रूप से लोक भवन में मनाया जा रहा है। राज्यपाल ने झारखंड में रह रहे नागालैंड और असम के लोगों की सराहना की और कहा कि उनकी मेहनत, समर्पण और प्रतिभा राज्य के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। उन्होंने कहा कि ये दोनों राज्य पूर्वोत्तर भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, प्राकृतिक सौंदर्य और कला का प्रतिबिंब हैं। पूर्वोत्तर भारत के महत्व पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण, सांस्कृतिक धरोहर और राष्ट्रीय एकता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यहां की जैव-विविधता, पारंपरिक ज्ञान, जनजातीय संस्कृति, संगीत, हस्तशिल्प और पर्यटन की अपार संभावनाएं देश की शान हैं। असम की संस्कृति का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने कहा कि लाल नदी और नीली पहाड़ियों की भूमि असम, अपनी लोककला, साहित्य, संगीत और इतिहास के लिए प्रसिद्ध है। कामाख्या मंदिर, ब्रह्मपुत्र नदी, बिहू नृत्य और चाय बागान इसकी विशिष्ट पहचान हैं।

मुठभेड़ | जेजेएमपी नक्सली संगठन हुआ ध्वस्त

मुठभेड़ में 12 नक्सली ढेर, तीन जवान शहीद

एजेंसी

दंतेवाड़ा अंतर जिला सीमा क्षेत्र के पश्चिम बस्तर डिविजन इलाके में मुठभेड़ के दौरान 12 नक्सली ढेर हो गए। इस दौरान तीन जवान शहीद हो गए तथा घायल दो जवान खतरे से बाहर हैं। मुठभेड़ स्थल से अब तक 12 नक्सली कैडरों के शव बरामद किए गए हैं। शव के साथ मुठभेड़ स्थल से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद हुए हैं। फिलहाल, मृतकों की पहचान की जा रही है। बस्तर आईजी सुंदरराज पट्टलिंगम ने बताया कि बुधवार को सुबह 9 बजे डीआरजी दंतेवाड़ा- बीजापुर, एसटीएफ एवं सीआरपीएफ कोबरा की संयुक्त टीम इलाके में सर्च ऑपरेशन के लिए रवाना हुई थी। अभियान के दौरान नक्सलियों के साथ हुई मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने आक्रामक कार्रवाई करते हुए 12 नक्सली कैडरों को ढेर कर दिया। इस मुठभेड़ में डीआरजी बीजापुर के तीन जवान प्रधान आरक्षक मोनू वडाड़ी एवं आरक्षक दुकारू गोंडे एवं रमेश सोड़ी शहीद हो गए। बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में बुधवार को हुई मुठभेड़ में कम से कम छह नक्सली मारे गए। अधिकारियों ने बताया कि नक्सल विरोधी अभियान के दौरान पुलिस के जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के दो जवान शहीद हो गए। एक पुलिस अधिकारी के अनुसार, छत्तीसगढ़ में दंतेवाड़ा-बीजापुर सीमा के पास वन्य गंगालूर क्षेत्र में नक्सल विरोधी अभियान के दौरान मुठभेड़ हुई। इस साल 268 नक्सली मारे गए हैं। जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी), स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) और कोबरा (सीआरपीएफ की एक विशिष्ट इकाई, कमांडो बटालियन फॉर रेजोल्यूट एक्शन) की एक संयुक्त टीम इस अभियान को अंजाम दे रही थी। दंतेवाड़ा के डीआईजी कमलोचन कश्यप ने बताया कि पिछले दो घंटों से मुठभेड़ जारी है। उन्होंने कहा कि अब तक छह माओवादी मारे गए हैं और उनके शव बरामद कर लिए गए हैं। मुठभेड़ में डीआरजी के दो जवान भी शहीद हुए हैं। मारे गएनक्सलियों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है। मुठभेड़ अभी भी जारी है और जवानों ने बड़ी संख्या में नक्सलियों को घेर लिया है। इस नवीनतम कार्रवाई के साथ,

जेजेएमपी के इनामी एरिया कमांडर समेत दो नक्सली गिरफ्तार

लातेहार। जिला पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए जेजेएमपी के दो नक्सलियों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार नक्सलियों में 2 लाख का इनामी एरिया कमांडर सुनील उरांव और मुकेश लोहरा शामिल है. दोनों लातेहार जिले के रहने वाले हैं. दरअसल लातेहार एसपी कुमार गौरव को गुप्त सूचना मिली थी कि जेजेएमपी नक्सली संगठन का एरिया कमांडर सुनील उरांव अपने गांव सदर थाना क्षेत्र के नवागढ़ के पास देखा गया है. वहीं दूसरा नक्सली मुकेश लोहरा मनिका थाना क्षेत्र पुरनी पल्हेया गांव के आसपास है. सूचना थी कि दोनों नक्सली पुलिस से बचने के लिए गांव में छुपे हुए हैं. इस सूचना के बाद एसपी कुमार गौरव के निर्देश पर डीएसपी अरविंद कुमार के नेतृत्व में पुलिस की टीम गठित की गई और नक्सलियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की गई.

झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र को लेकर रांची में निषेधाज्ञा लागू

संवाददाता

रांची : झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए रांची जिला प्रशासन ने विधानसभा (नया भवन) के 750 मीटर के दायरे में निषेधाज्ञा लागू की है। यह आदेश 5 दिसंबर सुबह 8:00 बजे से 11 दिसंबर रात 10:00 बजे तक प्रभावी रहेगा। इस क्षेत्र में झारखंड उच्च न्यायालय को प्रतिबंधित क्षेत्र से बाहर रखा गया है।

क्या-क्या रहेगा प्रतिबंधित?

रांची जिला प्रशासन की ओर से बुधवार को जारी निषेधाज्ञा के तहत- पांच या उससे ज्यादा लोग एक जगह इकट्ठा नहीं हो सकेंगे (सरकारी काम और शवयात्रा को छोड़कर)। किसी तरह के हथियार जैसे–बंदूक, राइफल, रिवॉल्वर, बम, बारूद आदि लेकर चलना पूरी तरह प्रतिबंधित है (सरकारी कर्मियों को छोड़कर)। लाठी-डंडा, तीर-धनुष, गड़ासा, भाला जैसे हथियार लेकर चलने की मनाही (सरकारी कार्य में लगे लोगों को छोड़कर)। धरना, प्रदर्शन, जुलूस, रैली या सभा का आयोजन भी नहीं किया जा सकेगा। लाउडस्पीकर या ध्वनि विस्तारक यंत्र के प्रयोग पर भी रोक रहेगी (सरकारी काम को छोड़कर)। झारखंड विधानसभा का शीतकालीन सत्र 5 से 11 दिसंबर तक चलना है। भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन ने यह कदम उठाया है।रांची जिला प्रशासन की ओर से बुधवार को जारी निषेधाज्ञा के तहत- पांच या उससे ज्यादा लोग एक जगह इकट्ठा नहीं हो सकेंगे (सरकारी काम और शवयात्रा को छोड़कर)।किसी तरह के हथियार जैसे–बंदूक, राइफल, रिवॉल्वर, बम, बारूद आदि लेकर चलना पूरी तरह प्रतिबंधित है

झारखंड के कई जिलों में 10 डिग्री से नीचे पहुंचा पारा, आने वाले दिनों में और सताएगी सर्दी, बरतें सावधानी

रांची, संवाददाता ।

झारखंड में मौसम ने रंग दिखाना शुरू कर दिया है. मौसम शुष्क है. ठंड में धीरे-धीरे बढ़ोतरी का दौर जारी है. कई जिलों का न्यूनतम पारा 10 डिग्री से नीचे जा चुका है. उत्तर-पश्चिमी ठंडी हवाओं के कारण सुबह और शाम के बाद ज्यादा सर्दी महसूस की जा रही है. अगले कुछ दिनों में न्यूनतम पारा में और गिरावट की संभावना है.

न्यूनतम पारा में आने लगी कमी

मौसम केंद्र द्वारा 3 दिसंबर को सुबह 8.30 बजे जारी रिपोर्ट के मुताबिक गुमला का न्यूनतम तापमान 7.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ है. इसके अलावा हजारीबाग में 9.2 जबकि डाल्टनगंज का न्यूनतम पारा 9.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ है. वहीं खूंटी में 10.1, लातेहार में 10.3 और लोहरदगा में 10.4 डिग्री रहा है. पिछले तीन दिनों में रांची के

न्यूनतम पारा में 2 डिग्री की कमी आई है. यहां न्यूनतम पारा 11.0 डिग्री रहा है. खास बात है कि पिछले तीन दिनों में ज्यादातर जिलों के अधिकतम तापमान में भी 2-3 डिग्री की कमी आई है. फिलहाल 14 जिले ऐसे हैं जहां का न्यूनतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस से नीचे रिकॉर्ड हुआ है. इस बीच सबसे ज्यादा तापमान चाईबासा में 29.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ है.

आने वाले दिनों में 3-4 डिग्री तक कम हो सकता है पारा

मौसम केंद्र के मुताबिक 3 दिसंबर से 6 दिसंबर तक आसमान साफ रहने की संभावना है. इस दौरान सुबह के वक्त धुंध और कोहरा देखने को मिलेगा. लेकिन 7 दिसंबर से आंशिक बादल छाए रह सकते हैं. मौसम केंद्र ने संभावना जताई है कि 6 दिसंबर तक न्यूनतम पारा में 3-4 डिग्री सेल्सियस की कमी आ सकती है. इसके बाद 7 और 8 दिसंबर को मौसम में कोई खास बदलाव नहीं होगा. इससे साफ है कि 8 दिसंबर तक सर्दी सताएगी.

स्वास्थ्य को लेकर सावधानी जरुरी

तापमान में आ रही कमी को देखते हुए विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है. ऊनी और गर्म कपड़े पहने बिना घर से बाहर न निकलें. गुनगुना पानी पीने की जरूरत है. बच्चों और बुजुर्गों को ठंडी हवा से बचाव जरूरी है. सुबह के वक्त धुंध और कोहरे को देखते हुए बाइक या गाड़ी चलाते समय विशेष सावधानी बरतें. बीपी बढ़ने, सिर में दर्द होने और दस्त या उल्टी होने पर फौरन चिकित्सक से मिलें.

झारखंड के जेलों में मैनपावर बढ़ाने की कवायद शुरू, सुरक्षा व्यवस्था पर उठ रहे थे सवाल

रांची, संवाददाता ।

झारखंड के तमाम जेल मैनपावर की कमी से जूझ रहे हैं. झारखंड के विभिन्न जिलों में 18000 से ज्यादा कैदी बंद हैं, लेकिन मैनपावर की कमी की वजह से जेलों की सुरक्षा पर लगातार सवाल उठ रहे हैं. मैनपावर की घोर कमी को देखते हुए बहाली की प्रक्रिया को तेज करने की कवायद शुरू की गई है.

जेलों में मैनपावर की वर्तमान स्थिति

झारखंड सरकार के गृह विभाग के आंकड़ों के अनुसार झारखंड के विभिन्न जेलों में स्वीकृत बल की तुलना में कार्यरत कर्मचारियों की संख्या चिंताजनक है. गृह विभाग से मिली जानकारी के अनुसार झारखंड के जेलों में अधिकांश पद रिक्त हैं. जिससे न केवल जेलों का सुचारु संचालन प्रभावित हो रहा है,

बल्कि सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं.

सबसे ज्यादा कक्षपाल की कमी

आंकड़े बताते हैं कि सबसे गंभीर कमी कक्षपालों की है. जबकि जेल की आंतरिक सुरक्षा, गश्ती और पूरी व्यवस्था कक्षपालों के ही जिम्मे होती है. कक्षपालों के लिए स्वीकृत पदों में 90% पद रिक्त हैं. इस तरह झारखंड में 6 जेलों में आईजी के पद स्वीकृत हैं, लेकिन सभी पद रिक्त हैं. आंकड़े बताते हैं कि उच्च और मध्य स्तरीय पदों पर भी स्थिति चिंताजनक है. कारा डॉक्टरों के 43 स्वीकृत पदों में से मात्र एक ही कार्यरत हैं, यानी डॉक्टर के 42 पद रिक्त हैं. जेलर के 31 पदों के मुकाबले केवल पांच काम कर रहे हैं, यानी 26 पद खाली हैं . यहां तक की जेल अधीक्षक के 21 स्वीकृत पद हैं, लेकिन मात्र 17 कार्यरत हैं. वहीं प्रोबेशन पदाधिकारी के 46 स्वीकृत पद हैं. जिसमें 36 ही कार्यरत हैं. आंकड़े बताते हैं कि सभी महत्वपूर्ण पदों पर रिक्तियां चिंताजनक स्थिति पर पहुंच चुकी हैं.

> **झारखंड के जेलों में कितना बल चाहिए और अभी क्या है स्थिति**
>
> आंकड़े बताते हैं कि झारखंड के विभिन्न जेलों में 1699 पुरुष कर्मचारियों के लिए स्वीकृत पद हैं, लेकिन वर्तमान में मात्र 46 पदों पर ही पुरुष जेलकर्मी कार्यरत हैं.
>
> झारखंड के विभिन्न जेलों में स्वीकृत महिला कक्षपालों की संख्या 104 है, लेकिन उनमें से 80 पद अभी भी रिक्त हैं.
>
> जेल आईजी के लिए छह स्वीकृत पद हैं, लेकिन सारे रिक्त हैं.
>
> तकनीकी नर्स स्टाफ के 51 पद रिक्त हैं.

जेलों में 18 हजार से ज्यादा कैदी

झारखंड में कुल 31 जेल हैं. जिनमें से सात सेंट्रल जेल , 16 जिला जेल और सात उपकारा शामिल हैं. इसके अलावा हजारीबाग में एक ओपन जेल भी है. हजारीबाग स्थित ओपन जेल में आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को रखा जाता है. सभी सेंट्रल जेल, जिला कारा और उपकारा में मैनपावर की भारी कमी है. जबकि इन जेलों में 18000 से ज्यादा कैदी बंद हैं. स्थिति यह है कि मैनपावर की घोर कमी के कारण जेलों की सुरक्षा सवालों को घेरे में है. हाल ये है कि जेल कर्मचारियों की कमी के चलते अनियमितता के आरोप में निलंबित कर्मियों और अफसरों को भी जल्द निलंबन मुक्त कर उनसे कार्य लेना पड़ रहा है. जेलों में मैनपावर की भारी कमी को देखते हुए कारा विभाग के द्वारा रिक्त पदों को भरने के लिए कार्रवाई शुरू की गई है. झारखंड के आईजी जेल सुदर्शन मंडल ने बताया कि होम सेक्रेटरी के लेवल पर एक मीटिंग कर जेलों में मैनपावर की कमी को दूर करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाने का निर्णय लिया गया है. जेल आईजी के अनुसार असिस्टेंट जेलर और कक्षपाल का ऑनलाइन फार्म भरने की तिथि एक दिसंबर तक थी.

सस्पेंडेड आईएएस विनय चौबे को बेल देने से एसीबी कोर्ट का इंकार

रांची, संवाददाता ।

हजारीबाग में वन भूमि घोटाला के आरोप में जेल में बंद कअर अधिकारी विनय चौबे की जमानत याचिका पर हजारीबाग एसीबी की स्पेशल कोर्ट ने फैसला सुना दिया है. कोर्ट ने उनकी जमानत याचिका खारिज करते हुए, उन्हें बेल देने से इंकार कर दिया है. जमानत याचिका खारिज होने से विनय चौबे को बड़ा झटका लगा है. सोमवार की सुनवाई के दौरान अदालत ने एसीबी के विशेष लोक अभियोजक अनुराग कुमार सिंह और विनय चौबे के अधिवक्ता शंकर बनर्जी की बहस एवं दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था. बुधवार को कोर्ट ने अपना फैसल सुनाया है. दरअसल चर्चित शराब घोटाला और हजारीबाग में खासमहल (सेवायत) जमीन

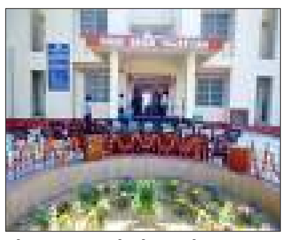

घोटाला मामले में आरोपी विनय चौबे को एसीबी (भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो) ने 10 नवंबर को हजारीबाग में उनके कार्यकाल में हुए वन भूमि घोटाला में भी अभियुक्त बनाया है. एसीबी ने इस मामले की प्राथमिक जांच (प्रीलिमिनरी इंक्वायरी) पहले ही कर ली थी. जिसके बाद रांची एसीबी ने कांड संख्या 11/2025 दर्ज की है. इस केस में विनय चौबे के करीबी विनय सिंह उनकी पत्नी स्निग्धा सिंह, हजारीबाग के विधायक प्रदीप प्रसाद, तत्कालीन सीओ शैलेश कुमार और ब्रोकर विजय सिंह समेत 73 लोगों को नामजद आरोपी बनाया गया है.

दिल्ली में बीएमएस की राष्ट्रीय बैठक सम्पन्न, एचईसी को बचाने के लिए बनेगी विशेष कमेटी

रांची, संवाददाता ।

हैवी इंजीनियरिंग कार्पोरेशन के पुनरुद्धार को लेकर लगातार उठ रही आवाजों के बीच भारतीय मजदूर संघ ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है. दिल्ली में तीन दिवसीय सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारी राष्ट्रीय परिसंघ की बैठक संपन्न हुई. इसमें देशभर की 72 विभिन्न इकाइयों से करीब 150 पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया. झारखंड की एचईसी इकाई से दो प्रतिनिधि रमा शंकर प्रसाद और रविकांत ने इसमें भाग लिया.

बैठक में एचईसी को लेकर जताई चिंता

बैठक में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की वर्तमान स्थिति, चुनौतियों और उनके समाधान पर व्यापक चर्चा की गई. इसी दौरान एचईसी की स्थिति को लेकर विशेष रूप से चिंता जताई गई. अधिकारियों ने स्पष्ट कहा कि एचईसी जैसे रणनीतिक और ऐतिहासिक संस्थान

को बचाना आवश्यक है. क्योंकि यह देश की औद्योगिक क्षमता और रक्षा क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. प्रतिनिधियों ने इसी उद्देश्य से एचईसी के लिए एक विशेष कमेटी गठित करने का निर्णय लिया है. यह कमेटी जल्द ही केंद्र सरकार के संबंधित मंत्रियों से मुलाकात कर संस्थान को पुनर्जीवित करने की दिशा में ठोस कदम उठाने की मांग करेगी.

केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री से हुई बैठक

बैठक के दौरान एचईसी को लेकर एक और बड़ा संवाद आयोजित हुआ. बीएमएस के वरिष्ठ पदाधिकारियों और केंद्रीय नेताओं ने रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ से विस्तृत बातचीत की. करीब दो घंटे चली इस बैठक में बीएमएस की ओर से बी सुरेंद्र (अखिल भारतीय संगठन मंत्री), अनुपम (क्षेत्रीय संगठन मंत्री उत्तर मध्य क्षेत्र एवं वरिष्ठ प्रचारक), अनिश मिश्रा (सह वित्त सचिव), रमा शंकर प्रसाद (महामंत्री, लएउ मजदूर संघ एवं प्रदेश मंत्री, झारखंड) और रविकांत (उपाध्यक्ष) उपस्थित थे.

मंत्री ने दिया सकारात्मक पहल का आश्वासन

संघ के अधिकारी रमाशंकर ने बताया एचईसी के वित्तीय संकट, कार्य संचालन में बाधा, पेंडिंग प्रोजेक्ट, कर्मचारियों के भविष्य और रक्षा उत्पादन से जुड़े संभावित अवसरों पर विस्तार से चर्चा हुई. मंत्री संजय सेठ ने प्रतिनिधियों की बातों को गंभीरता से सुना और आश्वासन दिया कि सरकार एचईसी के मसले पर सकारात्मक पहल के लिए तैयार है. बैठक में यह भी संकेत मिला कि जल्द ही एक उच्चस्तरीय बैठक बुलाई जाएगी. जिसमें एचईसी को मजबूत करने, कर्मचारियों को राहत देने और नए कामों के आवंटन को लेकर ठोस निर्णय लिए जा सकते हैं. भारतीय मजदूर संघ के प्रतिनिधियों ने उम्मीद जताई है कि सरकार के साथ होने वाली आगामी चचाओं में सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे और एचईसी एक बार फिर देश के औद्योगिक नक्शे पर मजबूती से स्थापित होगा.

जिला स्तरीय कार्यक्रम में 3000 से ज्यादा झारखंड आंदोलनकारियों को मिला प्रमाण-पत्र

रांची, संवाददाता ।

राज्य सरकार के निर्देश पर आज मोरहाबादी स्थित आर्यभट्ट सभागार में झारखंड आंदोलनकारियों के सम्मान में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया. कार्यक्रम में तीन हजार से अधिक अधिसूचित झारखंड आंदोलनकारियों को प्रमाण-पत्र दिए गए. उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री और वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन ने चयनित आंदोलनकारियों को सांकेतिक रूप से प्रमाण-पत्र सौंपे. दोनों अधिकारियों ने कहा कि झारखंड आंदोलनकारियों का संघर्ष और योगदान ही राज्य निर्माण की नींव है, और सरकार उनके सम्मान व सुरक्षा के लिए लगातार काम कर रही है. उपायुक्त ने अपने संबोधन में कहा कि आंदोलनकारियों का त्याग हमेशा याद रखा जाएगा. उन्होंने भरोसा जताया कि आंदोलनकारी आगे भी जिले और राज्य के विकास में सकारात्मक भूमिका निभाते रहेंगे. कार्यक्रम में अपर जिला दंडाधिकारी (विधि-व्यवस्था) राजेश्वरनाथ आलोक, नजारत उपसमाहर्त्ता सुदेश कुमार सहित कई अधिकारी उपस्थित थे.

झारखंड हाईकोर्ट की दो टूक, रिम्स कैंपस को 72 घंटे में करें अतिक्रमण मुक्त, बहाना या देरी स्वीकार नहीं

रांची, संवाददाता ।

झारखंड के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल 'रिम्स' यानी राजेंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के कैंपस में हुए अतिक्रमण पर हाईकोर्ट ने तल्ख टिप्पणी करते हुए सख्त आदेश दिए हैं. हाईकोर्ट ने 72 घंटे के भीतर पूरे अस्पताल परिसर से अतिक्रमण हटाने को कहा है. कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया है कि यदि तय समय सीमा के भीतर आदेश का पालन नहीं हुआ तो इसे कोर्ट की अवमानना यानी कंटेम्प्ट ऑफ कोर्ट माना जाएगा.

बहानेबाजी या देरी स्वीकार नहीं: हाईकोर्ट

झारखंड हाईकोर्ट के अधिवक्ता धीरज कुमार ने बताया कि मुख्य न्यायाधीश जस्टिस तरलोक सिंह चौहान की खंडपीठ ने जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान रिम्स प्रबंधन के रूख पर कड़ी नाराजगी जताई है. हाईकोर्ट ने कहा कि रिम्स

कैंपस में फैला अतिक्रमण मरीजों, छात्रों और अस्पताल की कार्यप्रणाली पर नकारात्मक असर डाल रहा है. लिहाजा इस गंभीर मामले में किसी तरह की बहानेबाजी या देरी को स्वीकार नहीं किया जाएगा. डपीठ ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि अगले आदेश तक रिम्स परिसर की सभी गतिविधियों की विशेष निगरानी रखी जाएगी. कोर्ट ने 72 घंटे बाद का रिम्स कैंपस का स्टेट्स रिपोर्ट पेश करने को कहा है. मामले की अगली सुनवाई 11 दिसंबर को होगी.

अतिक्रमणकारी नहीं हटे तो होगा बल प्रयोग

हाईकोर्ट ने रांची के एसएसपी को आदेश दिया है कि यदि 72 घंटे के भीतर अतिक्रमणकारी खुद नहीं हटते हैं तो हटाने के लिए पुलिस बल का सहारा लें. आज कोर्ट के आदेश पर झालसा (झारखंड लीगल सर्विस अथॉरिटी) के सदस्य सचिव ने अपनी रिपोर्ट पेश की. दरअसल, पिछली सुनवाई में हाईकोर्ट ने झालसा के सदस्य सचिव को निर्देश दिया था कि एक टीम बनाएं और रिम्स में दवा, पैथोलॉजी, ट्रॉमा सेंटर, पेयजल, मेंटेनेंस का निरीक्षण पर रिपोर्ट सौंपे.

पाबलो रेस्टोरेंट में पुलिस का छापा, अवैध नशा सेवन के आरोप में 10 से अधिक हिरासत में

रांची, संवाददाता ।

राजधानी रांची में अवैध रूप से संचालित हो रहे हुक्का बार और नशे के अड्डों के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है. एसएसपी राकेश रंजन को मिली गुप्त सूचना के आधार पर, कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मंगलवार की देर रात कोतवाली थाना क्षेत्र के लालजी हीरजी रोड स्थित पाबलो रेस्टोरेंट में छापा मारा. पुलिस की यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई, जब रेस्टोरेंट में अवैध तरीके से हुक्का बार संचालित किया जा रहा था और ग्राहकों को कथित तौर पर नशे का सेवन कराया जा रहा था. देर रात हुई इस छापेमारी से रेस्टोरेंट में हड़कंप मच गया. पुलिस ने मौके से दस से अधिक युवकों हिरासत में लिया है. इन सभी से कोतवाली थाना में पूछताछ की जा रही है. एसएसपी को इस संबंध में लगातार शिकायतें मिल

रही थीं कि शहर के कई रेस्टोरेंट और कैफे की आड़ में अवैध हुक्का बार चलाए जा रहे हैं, जहां युवा पीढ़ी को गुमराह कर नशे के जाल में फंसाया जा रहा है. सूचना की गंभीरता को देखते हुए, तत्काल कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय को कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया. पुलिस सूत्रों के अनुसार, रेस्टोरेंट युवाओं के बीच नशे के सेवन का एक प्रमुख केंद्र बना हुआ है. आने वाले दिनों में इस तरफ की और कार्रवाई होगी.

सेल, सेट में गुणवत्ता माह का आयोजन

रांची, संवाददाता ।

सेल, सेट, में नवम्बर माह को गुणवत्ता माह के रूप मे मनाया गया। इस दौरान गुणवत्ता के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से पूरे माह भर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गयोइसी क्रम मे दिनांक 13 नवंबर 2025 को श्री श्रवण कुमार वर्मा, ईडी (सेट)के द्वारा गुणवत्ता झंडोत्तोलन किया गया ` तत्पश्चात सेट के सभी उपस्थित कार्मिकों को गुणवत्ता शपथ दिलाई गई। गुणवत्ता माह के दौरान विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसी क्रम मे दिनांक 03दिसंबर 2025 को श्रवण कुमार वर्मा, ईडी (सेट)की अध्यक्षता मे गुणवत्ता माह के समापन समारोह का औपचारिक आयोजन किया गया। इसमे सेटरांची के सभी मुख्यमहाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष, पुरस्कार विजेताआदि उपस्थित थे सेट रांची के अन्य सभी कार्मिकतथा सेट के सभी उपकेन्द्रों के कार्मिकों ने ऑनलाइन माध्यम से जुड़कर कार्यक्रम मे भाग लियो कार्यक्रम का संचालन प्रमोद कुमार, सहायक प्रबंधक के द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान, एक संक्षिप्त प्रस्तुति के माध्यम से गुणवत्ता माह के दौरान संचालित विभिन्न गतिविधियों के बारे में अवगत कराया गया।

श्रवण कुमार वर्मा, ईडी (सेट)ने

टीम सेट को संबोधित करते हुए, सेल निगमित कार्यालय एवं इसके सभी एकीकृत इस्पात संयत्रों एवं अन्य इकाइयों के द्वारा टीम सेट के प्रति दशार्ये गए विश्वास पर खुशी जताई। साथ ही सेट मे व्याप्त गुणवत्ता संस्कृति पर विश्वास एवं संतुष्टि अभिव्यक्त करते हुए,टीम सेट के सदस्यों को अपने दैनिक गतिविधियों में गुणवत्ता को एक आदत बनाने पर जोर देते हुए, गुणवत्ता माह की थीम क्वालिटीः अलग ढंग से सोचें से आगे बढ़कर अपना योगदान देने एवं आज के प्रतिस्पर्धी और गतिशील माहौल मेंसंगठन की सतत और स्थाई मजबूती के लिए प्रेरित किया। उक्त समारोह मे गुणवत्ता माह के दौरान आयोजित गुणवत्ता नारा और ई-बैनर / ई- पोस्टर प्रतियोगिताओं के विजेताओं को श्रवण कुमार वर्मा, ईडी (सेट) एवम उपस्थित मुख्यमहाप्रबंधक गण द्वारा प्रमाण पत्र एवं उचित पुरस्कार देकर सम्मानित किया गयो गुणवत्ता नारा प्रतियोगिता मे प्रथम पुरस्कार मो. आलम, द्वितीय पुरस्कार शौर्यम चतुवेर्दी और तृतीय पुरस्कार सायन पॉल को मिलोगुणवत्ता ई-बैनर /ई-पोस्टर प्रतियोगिता मे प्रथमपुरस्कार नरेंद्र कुमार जैन, द्वितीय पुरस्कार सुजाता सुमन एवं तृतीय पुरस्कार सुमन कल्याण मेहर को मिलोनिर्णायक मंडली के सदस्य संजय कुमार, मुख्य महाप्रबंधक तथा गणेश कुमार, महाप्रबंधक को भी प्रविष्टियों के मूल्यांकन के लिए धन्यवाद किया गया।

पूरे कार्यक्रम का आयोजन एवं संचालनश्री प्रमोद कुमार, स.प्र.(बीईएवम्? आई पी एस एस)के द्वारा श्रीअभय कुमार, महाप्रबंधक एवं विभागधायक्ष (बीईएवम्? आई पी एस एस)के नेतृत्व संयोजन मे तथा श्री तथागत घोष, मुख्य महाप्रबंधक(बीईएवम्? आई पी एस एस एवं कच्चा माल प्रभाग) के मार्गदर्शन में और प्रशासन और सी&आईटी विभाग के सहयोग से किया गया।कार्यक्रम के अंत मे गुणवत्ता माह के सम्पूर्ण कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आयोजन एवं सम्पन्न करने मे,ईडी (सेट)एवं उनके सचिवालय के द्वारा प्रदत्त सहयोग एवं मार्गदर्शन के प्रति विशेष आभार जताया गयो

झारखंड के किसानों के लिए खुशखबरी! इस तारीख से बेच सकेंगे धान, अब 4जी पॉस मशीन का होगा इस्तेमाल, 72 घंटे में मिलेगी पूरी राशि

रांची, संवाददाता ।

झारखंड के किसानों के लिए अच्छी खबर है. इस साल धान बेचने पर तीन दिन के भीतर पूरी राशि मिल जाएगी. साथ ही पहली बार ऐसा होगा जब धान खरीद के लिए 4जी आधारित पॉस मशीन का इस्तेमाल होगा. लेकिन सवाल है कि 1 दिसंबर से धान की खरीद क्यों नहीं शुरू हो पाई. ब्लॉक स्तर पर लैम्पस की क्या तैयारी है. इस साल एक क्विंटल धान के कितने रुपए मिलेंगे. एक किसान अधिकतम कितना धान बेच सकेगा?

1 दिसंबर से क्यों शुरू नहीं हुई धान की खरीद

दरअसल, पिछले साल 15 दिसंबर से धान की खरीद शुरू हो गई थी.

इस साल 1 दिसंबर से शुरू करने की तैयारी थी. लेकिन खरीद में इस्तेमाल होने वाले 2जी पॉस मशीन के 4जी में कन्वर्ट नहीं होने पर तारीख टल गई. उम्मीद जतायी जा रही है कि 4जी पॉस मशीन मिलते ही एक सप्ताह के भीतर राज्य के सभी लैम्पस पर धान की खरीद शुरू हो जाएगी. दरअसल, अब तक 2ऋ पॉस मशीन से धान खरीद का डाटा तैयार करने, किसान का आधार नंबर और अंगूठे का निशान लेने की प्रक्रिया पूरी करने में काफी वक्त लगता था. क्योंकि 2ऋ पॉस मशीन की रफ्तार बहुत धीमी थी. इस बार विभाग के निर्देश पर 1 दिसंबर को पुरानी 2जी पॉस मशीन जमा कर दी गई हैं. नई 4जी पॉस मशीन के तीन से चार दिन में मिलने की उम्मीद है. लिहाजा, एक सप्ताह से भीतर धान खरीद की प्रक्रिया शुरू होने की संभावना है.

प्रति क्विंटल धान की कीमत क्या होगी

जहां तक प्रति किलो धान की कीमत की बात है तो पिछले साथ केंद्र सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य प्रति क्विंटल 2,369 रु. रखा था. इसपर 100 रु. बोनस जोड़ने पर राशि 2,469 हो जाती है. साथ ही ग्रेड-ए धान पर 2,489 रुपये प्रति क्विंटल मिले थे. इस साल अभी तक लैम्पस को नया दर नहीं मिला है. ऐसे में इस साल भी प्रति क्विंटल 2,469 की दर से धान खरीद की संभावना है.

एक किसान कितना बेच सकता है धान

नामकुम एमपीसीएस यानी मल्टी पर्पस को-ऑपरेटिव सोसायटी के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी नीरज कुमार के मुताबिक एक किसान अधिकतम 200 क्विंटल धान बेच सकता है. लेकिन इसके लिए एक मानदंड तय है. सरकार के मुताबिक एक एकड़ में 16 क्विंटल तक धान की पैदावार होती है. लिहाजा, एक किसान के पास 11 से 12 एकड़ जमीन होने पर ही 200 क्विंटल तक धान की पैदावार कर बेचने का दावा कर सकता है. इधर, किसानों में धान खरीद को लेकर उत्साह दिखने लगा है. नामकुम के हाहाप गांव की किसान अर्चना मुंडा अपना रजिस्ट्रेशन कराने एमपीसीएस यानी लैम्पस कार्यालय पहुंचीं थी. उन्होंने बताया कि ओपन मार्केट में धान की बहुत कम कीमत मिल रही है.

झारखंड थैलेसीमिया पीड़ितों एवं रक्तदान के मांगों पर अवश्य कार्रवाई सुनिश्चित होगी

संवाददाता । रांची

आज विश्व दिव्यांता दिवस के उपलक्ष्य में ₹लहू बोलेगा₹ रक्तदान संगठन रांची एवं झारखंड थैलेसीमिया पीड़ित एसोसिएशन₹ का संयुक्त प्रतिनिधिमंडल संपादक शाहनवाज अख़्तर के सहयोग से झारखंड विधानसभा के माननीय अध्यक्ष श्रीमान रवेंद्रनाथ महतो महोदय से झारखंड विधानसभा में प्रतिनिधिमंडल 14 सूत्री मांग थैलेसीमिया पीड़ितों/परिजनों के लिखित आवेदन,19 सूत्री रक्तदान के मुद्दों पर एवं 3 सूत्री दिव्यांता पर स्मार-पत्र दिया। प्रतिनिधिमंडल को माननीय अध्यक्ष झारखंड विधानसभा श्रीमान रवेंद्रनाथ महतो जी ने बेहद गंभीरतापूर्वक सुना और समझा उसके बाद माननीय अध्यक्ष ने कहा कि झारखंड थैलेसीमिया एवं रक्तदान पर आपके जो मांग है उस पर आवश्यक कार्रवाई जरूर सुनिश्चित होगी। मैंने भी आपने क्षेत्र में थैलेसीमिया पीड़ित एवं परिजनों का दर्द देखा है बल्कि बॉन मैरो ट्रांसप्लांट के लिए दिल्ली भेजा था ।सचिव से भी बात करूंगा।

वहीं से प्रतिनिधिमंडल झारखंड कांग्रेस के माननीय विधायक दल के नेता श्रीमान प्रदीप यादव जी से उनके रांची स्थित आवास पर स्मार-पत्र पर बातचीत के साथ मिला।

प्रतिनिधिमंडल में नदीम खान,पॉवेल कुमार, रोयान सुरंजन बाड़ा,रीना सुचित्रा टोप्पो, अजित कुमार मिश्रा,जयनाथ महतो,बिमला कच्छप,विनोद बैठा,जिलानी अंसारी, नईमउल्लाह खान,अकरम,बुलंद आदि शामिल थे।

मोदी सरकार 11 वर्षों में संस्थाओं का सिर्फ नाम बदलने का काम किया,

भाजपा अपनी पार्टी का नाम बदल कर भारतीय झांसा पार्टी कर दे : कैलाश यादव

- देश की अर्थव्यवस्था संकट में,निचले स्तर पर गिरा रुपया, डॉलर के मुकाबले गिरकर 90 रु पार हुआ,क्टऋकी रैंकिंग में भारतीय अर्थव्यवस्था उ' ग्रेड श्रेणी में, चिंतनीय विषय

संवाददाता । रांची

रांची प्रदेश राजद प्रवक्ता कैलाश यादव ने प्रेस ब्यान जारी कर कहा है कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीजेपी-जेडीयू एनडीए गठबंधन की सरकार 11 वर्षों से चल रही है लेकिन मोदी सरकार को देशवासियों को उपलब्धि बताने के बजाय सिर्फ देश के स्थापित संस्थाओं के नाम बदलने का काम किया है !

11 वर्षों बाद भी मोदी सरकार धार्मिक मठ मंदिरों के जीर्णोद्वार और मंदिर तोड़ने में व्यस्त है एवं धार्मिक ध्रुवीकरण की राजनीति कर रही है जबकि देश में बेरोजगारी पलायन महंगाई अंतराष्ट्रीय सुरक्षा उद्योग धंधा और कृषि विकास कालाधन जैसे अन्यान्य विषय बड़ी मुद्दा है क्योंकि इन सभी महत्वपूर्ण विषयों पर त्राहि त्राहि कर रहे हैं और बीजेपी इन सभी मुद्दों से

इतर नाम बदलने में कीमती समय बर्बाद कर रही है !यादव ने कहा कि भाजपा को नाम बदलने का इतना ही शौक है तो भाजपा को अपनी पार्टी का नाम बदल कर भारतीय झांसा पार्टी कर लेना चाहिए क्योंकि बीजेपी केंद्र एवं राज्यों के लोगों सिर्फ जुमला गढ़ने झूठे सपने दिखाने और झांसा देने का काम किया है !

विदित है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सत्ता में आने से पूर्व देशवासियों के हर लोगों के खाते में 15 लाख रु देने तथा युवाओं के लिए प्रति वर्ष 2 करोड़ नौकरी देने एवं विदेशों से कालाधन लाने का वादा किया था लेकिन तीसरी बार केंद्र में सत्तासीन 11 वर्षों के कार्यकाल में ये सभी मुद्दे जुमला साबित हुआ है इसलिए बीजेपी को भी अपनी पार्टी का नाम बदल लेना चाहिए !

यादव ने कहा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था की हालत बहुत खराब है ! अंतराष्ट्रीय मुद्रा कोष (क्टऋ) ने अपनी नवीनतम समीक्षा में भारतीय अर्थव्यवस्था की रैंकिंग उ ग्रेड श्रेणी में दिया है जो कि देश के लिए अत्यंत चिंता का विषय है !

ज्ञातव्य है प्रतिदिन रुपया गिर रहा है आज रिकॉर्ड निचले स्तर पर गिरा रुपया,डॉलर के मुकाबले रुपया गिर कर 90.14 रु पार हुआ ! यही स्थिति रहा तो कुछ ही दिनों में रुपया और डॉलर बराबरी पर आ जाएगा ! ऐसा होने पर देश में हाहाकार मच जाएगा क्योंकि इंपोर्ट की स्थिति महंगी हो जाएगी और विदेशी वस्तुएं और शिक्षा का स्तर खर्च दोगुना और अनियमित हो जाएगा !

विदित हो कि जब बीजेपी केंद्र में विपक्ष में थी तो तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी जी इन सभी विषयों पर तत्कालीन वढअ सरकार का विरोध कर कमजोर सरकार का संज्ञा देते नहीं थकते थे जबकि आज की स्थिति बेहद खराब है ! बीजेपी की कथनी और करनी में काफी फर्क है !

मो जावेद अख्तर अंजुमन इस्लामिया चुनाव 2025 को लेकर प्रेस कांफ्रेंस

संवाददाता । रांची

रांची : रांची अंजुमन इस्लामिया चुनाव 2025 को लेकर पिछले चुनाव के अध्यक्ष पद के उम्मीदवार मोहम्मद जावेद अख्तर ने प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले 2022 के इस्लामिया चुनाव में शहर के उलेमा और प्रबुद्ध लोगों जैसे मौलाना मुफ्ती तल्हा नदवी, मौलाना शरीफ हसन मजहरी,इजहार साहब, जुनैद, समेत कई लोगों ने मुझे कुछ हवाला देकर पिछले अंजुमन सदर चुनाव में बैठा दिया गया था. उस समय वादा किया गया था कि 2025 में मुख्तार अहमद अंजुमन इस्लामिया के चुनाव नहीं लड़ेंगे लेकिन इस चुनाव में भी मुख्तार अहमद अंजुमन इस्लामिया के चुनाव सदर पद के लिए चुनाव लड़ रहे हैं. मेरे साथ जो वादा किया गया था उसे वादा को शहर के लोगों के द्वारा तोड़ा जा रहा है मैं इस बार पूरी ताकत के साथ अंजुमन इस्लामिया चुनाव में लड़ूंगा मोहम्मद जावेद अख्तर ने कहा कि पिछले बार के चुनाव में अंजुमन इस्लामिया के सदर मुख्तार अहमद ने कहा था चुनाव नहीं लड़ूंगा तुम चुनाव 2025 में लड़ो तुम्हारी पूरी मदद करूंगा, लेकिन वह खूब चुनाव लड़ने के लिए तैयार है. इस मौके पर मोहम्मद जावेद अख्तर, मौलाना युसूफ मिफ्ताही, मोहम्मद आरिफ खान,मोहम्मद रिजवान, मोहम्मद परवेज अंसारी

पत्रकार रत्न सम्मान अवॉर्ड 2025 से युवा पत्रकार आदिल रशीद सम्मानित

इंडियन जर्नलिस्ट एसोसिएशन ने पत्रकारों को किया स्मृति चिन्ह भेंट

संवाददाता । रांची

रांची। शहर के उभरते युवा पत्रकार आदिल रशीद को इंडियन जर्नलिस्ट एसोसिएशन की ओर से सम्मानित किया गया। बुधवार 3 दिसंबर 2025 को कर्बला चौक स्थित होटल शाह रेसीडेंसी (कलाल टोली) में आयोजित एक सादे समारोह में इंडियन जर्नलिस्ट एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष देवानंद सिन्हा और राष्ट्रीय सचिव मधु सिन्हा ने संयुक्त रूप से उन्हें सम्मानित किया। पत्रकारिता के क्षेत्र में बहुत कम समय में अपना एक अलग पहचान रखने वाले सरल स्वभाव और सामाजिक कार्यों में भी आगे रहने वाले युवा पत्रकार मो आदिल रशीद को सम्मानित किया गया। दयानंद सिन्हा ने कहा कि आदिल रशीद 2011 से पत्रकारिता के क्षेत्र में काम कर रहा है। इनके नेक नीयती और उच्च सोच के कारण इन्हें हर लोग पसंद करते हैं। यही कारण है कि यह दर्जनों संस्था से जुड़ा है और अपनी सेवाएं प्रदान करता है। इस अवसर पर पत्रकार मो.आदिल रशीद के अलावा जमीयत उलेमा झारखंड के महासचिव हाजी शाह उमैर, पत्रकार गुलाम शाहिद, पत्रकार हाफिज दानिश अयाज शिबली, पत्रकार मो. इमरान, पत्रकार मुकर्रम हयात, पत्रकार रशीद इमरान, पत्रकार संजीत कुमार दीपक को भी स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

ठंड में महकती इंसानियत: माही ने बाँटी गर्माहट, बच्चियों को मिले स्वेटर

संवाददाता । रांची

राँची, 3 दिसंबर 2025 डोरंडा में बुधवार की सुबह कुछ अलग थी। सर्द हवा वही थी, लेकिन माहौल में गर्माहट जोड़ दी बच्चियों की मुस्कान ने। वजह थी – मौलाना आजाद ह्यूमेन इनिशिएटिव (टअल्क) की ओर से चलाया जा रहा विशेष जनझ्रसहभागिता अभियान – ळौं उङ्ग’।्२ इङ्ग’।,अल्ल्ल३ं३५ी ु८ टअल्कइस पहल के तहत डोरंडा स्थित इस्माइलिया मोमिन उर्दू बालिका उच्च व मध्य स्कूल के 50 बच्चियों को स्वेटर इनामस्वरूप दिए गए*, ताकि कोई भी बच्चा ठंड के कारण शिक्षा से दूर न हो।

अभियान: सिर्फ कपड़ा नहीं, भरोसा भी
हर वर्ष 11 से 18 नवंबर के बीच भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री भारत रत्न मौलाना अबुल कलाम आजाद की स्मृति में आयोजित होने वाला यह अभियान इस वर्ष जरूरत के मद्देनजर बढ़ाकर संपूर्ण नवंबर और फिर दिसंबर के पहले सप्ताह तक जारी रखा गया है।

माही की सोच स्पष्ट है–

किसी बच्चे की पढ़ाई सिर्फ इसलिए न छूटे कि उसके पास स्वेटर, जूता या यूनिफॉर्म नहीं है ।बच्चियों की खुशी ने बनाया दिन खास

स्वेटर पाकर बच्चियों की खिलखिलाहट ने कार्यक्रम को भावनात्मक रंग दे दिया। छोटे हाथ अपने नए स्वेटर हवा में लहरा रहे थे, और दोस्त, जैसे किसी अनमोल तोहफे को देखकर खुशियां बांट रहे हों। कार्यक्रम में उपस्थित रहेइस अवसर पर स्कूल के शिक्षक व शिक्षिका, स्थानीय नागरिक और माही के सहयोगी मौजूद रहे। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से– स्कूल के सदर एडवोकेट खैरुल्लाह साहब, मोमिन पंचायत हाथीखाना के सदर मोहम्मद शमीम, मनीटोला मोमिन पंचायत के सदर जुल्फेकार अली भुट्टो, अंजुमन इस्लामिया राँची के उपाध्यक्ष मो नौशाद, अंजुमन के कार्यकारिणी मोहम्मद वसीम अकरम, नदीम अख्तर, मोहम्मद सईद, मो बेलाल, मो इस्लाम, हाजी इमरान रजा, मोहम्मद जुबैर आदि उपस्थित थे।

इंसानियत वहीं है, जहाँ जरूरत है₹ झ इबरार अहमदमाही के संयोजक इबरार अहमद ने अपने संदेश में कहा:समाज की असली ताकत तब दिखाई देती है जब हम बिना किसी भेदभाव के एक-दूसरे के साथ खड़े हों।

फूट डालना गलत है, (रांची में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के संदर्भ में):आफताब नदवी धनबाद

संवाददाती

उसी हफ़्ते, रांची के एक अखबार में खबर छपी कि रांची के एक जाने-माने विद्वान मौलाना उबैदुल्लाह साहिब कासमी को एक ऑल इंडिया बैकवर्ड ऑर्गनाइजेशन ने झारखंड राज्य का प्रेसिडेंट बनाया है, लेकिन अखबार में बैकवर्ड मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के बारे में छपा था। इस खबर से मुसलमानों को चिंता हुई कि कहीं यह बोर्ड को कमजोर करने की साज़िश तो नहीं है, जो मुसलमानों का एक एकजुट प्लैटफॉर्म है। रांची में कई विद्वानों और एसोसिएशन के नेताओं ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की और मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड पर अपना भरोसा और विश्वास जताया और ऐसी कोशिशों को गलत बताया। यह आर्टिकल अखबार में हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस पर एक कमेंट्री और एनालिसिस के तौर पर लिखा गया है।

,,,,,,

मुसलमानों में एकता और समझ को बढ़ावा देने और प्यार और स्नेह फैलाने के लिए, न सिर्फ.देश के सभी देशों और वर्गों के बीच, बल्कि देश के सभी देशों और वर्गों के बीच भी, और अराजकता, विभाजन, सांप्रदायिकता और लड़ाई से बचने के लिए। समाज को बचाने की कोई भी कोशिश तारीफ के काबिल और तारीफ के काबिल है। जो लोग समाज को बांटकर और भाईचारे, पंथ और भाषा के मतभेदों को भड़काकर मुसलमानों और लोगों के बीच दूरियां पैदा कर रहे हैं, वे निंदनीय हैं। उनकी हिम्मत तोड़नी होगी। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में

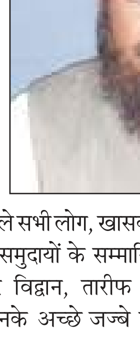

शामिल होने वाले सभी लोग, खासकर अलग-अलग समुदायों के सम्मानित प्रतिनिधि और विद्वान, तारीफ के काबिल हैं। उनके अच्छे जज्बे की तारीफ होनी चाहिए। इस्लाम एक यूनिवर्सल धर्म है। इसकी नजर में सभी इंसान एक ही परिवार के सदस्य हैं। सभी आदम और हव्वा की संतान और वंशज हैं। अल्लाह की नजर में सभी बराबर हैं। जाहिर है, जिस धर्म की मूल विचारधारा यही है, जिसकी मुख्य विचारधारा यही है, वह मुसलमानों में ऊंच-नीच और नीचता को कैसे बर्दाश्त कर सकता है? लेकिन दुख की बात यह है कि दूसरों से प्रभावित होकर इसके कीटाणु हमारे भीतर भी फैल गए हैं और हममें से हर कोई अपने आप को श्रेष्ठ और दूसरी सभी जातियों को हीन और तुच्छ समझने लगा है। यह कहानी बहुत ही हृदयविदारक और दुखद है। हम सभी इससे परिचित हैं। पति, पत्नी और उनके परिवारों में धर्म, शिक्षा और सामाजिक-आर्थिक स्थितियों में ऐसे मतभेद और मतभेद न हों कि उनमें सामंजस्य न हो सके, इसके लिए मुफ्तियों ने न्याय के तराजू के नाम से कुछ बातें बताईं। बाद में मुफ्तियों ने और भी बहुत सी बातें जोड़ीं और सभी चीजों को श्रेष्ठता और नीचता, बड़प्पन और तिरस्कार का मापदंड घोषित कर दिया। जिस तरह गैर-मुसलमानों में समाज में विभाजन था, लगभग उसी तरह मुसलमानों में भी कुलीनता और नीचता की बीमारी फैल गई। हमारे आदरणीय विद्वान भी सभी मुसलमानों की समानता की बात करते रहे और फतवे देते रहे कि फलां जाति फलां जाति से नीची है और जातियों का वर्गीकरण भी किया गया। यहीं से ऊंची जाति, नीची जाति और अभिजात वर्ग ने एक लाइलाज बीमारी का रूप ले लिया। कुछ राजनीतिक फायदे के लिए या बुरे इरादों से बने, समुदायों के अलग-अलग संगठन बने, और कुछ अच्छे इरादों वाले समुदायों के नाम पर बने। देश की आजादी के बाद पिछड़े राष्ट्रों, शूद्रों वगैरह के पिछड़ेपन को देखते हुए,

ब्रीफ न्यूज

जयंती पर याद किये गए राजेन्द्र बाबू

संवाददाता ।

रांची। देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेन्द्र प्रसाद जी की जयंती के अवसर पर डोरंडा स्थित राजेन्द्र चौक पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा (अभाकाम) की ओर से आयोजित कार्यक्रम में महासभा के अधयक्ष डॉ सी बी सहाय ने डॉ प्रसाद की जीवनी व उपलब्धियों के बारे में बताया। साथ ही हमें भी उनके दिखाये रास्तों पर चलने की सलाह दी। इस दौरान डॉ प्रसाद की मूर्ति पर फूल - माला चढाई गई। साथ ही 151 दीप प्रज्वलित किया गया। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार, महासभा के महामंत्री सुशील कुमार लाल, ए के लाल, राजेश कुमार, सदन सिन्हा, उमा सिन्हा, प्रीति सिन्हा, सत्या सिन्हा, स्मिता, ज्योति, ऐश्वर्य, रोहित श्रीवास्तव समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

उपायुक्त व वरीय पुलिस अधीक्षक ने डॉ. राजेंद्र प्रसाद को 141वीं जयंती पर दी श्रद्धांजलि

रांची : देश के प्रथम राष्ट्रपति और स्वतंत्रता संग्राम के महान नेता डॉ. राजेंद्र प्रसाद की 141वीं जयंती पर बधवार को रांची में श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन ने राजेंद्र चौक स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने इस मौके पर कहा कि डॉ. राजेंद्र प्रसाद भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के प्रमुख सेनानी और संविधान सभा के महत्वपूर्ण सदस्य थे। वे देश के पहले राष्ट्रपति बने और अपनी सादगी, ईमानदारी और सेवा भावना से सभी के लिए प्रेरणा स्त्रोत रहे। उन्होंने कहा कि डॉ. प्रसाद का जीवन संदेश देता है कि राष्ट्रहित सर्वोपरि है। वहीं, एसएसपी राकेश रंजन ने कहा कि डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने अपना पूरा जीवन राष्ट्र सेवा को समर्पित कर दिया। उनका त्याग, विचार और योगदान हमेशा राष्ट्र को प्रेरित करता रहेगा।

हेमंत सोरेन देश के सबसे मजबूत आदिवासी नेता : फुरकान अंसारी

रांची : झारखंड की मौजूदा राजनीतिक हलचल के बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद फुरकान अंसारी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पूरे भारत का सबसे मजबूत और बड़ा आदिवासी नेता बताया। बुधवार को जारी प्रेस बयान में फुरकान अंसारी ने कहा कि हेमंत सोरेन दिवंगत गुरुजी शिबू सोरेन की राजनीतिक विरासत के सच्चे उत्तराधिकारी हैं। गुरुजी ने संघर्ष और स्वाभिमान की राजनीति की नींव रखी थी और हेमंत सोरेन उसी रास्ते पर आगे बढ़ रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए अंसारी ने कहा कि भाजपा हेमंत सोरेन की लोकप्रियता और स्थिर सरकार से परेशान है, इसलिए लगातार राजनीतिक भ्रम और अफवाह फैलाने में जुटी है। उन्होंने कहा कि भाजपा हर हाल में सरकार को बदनाम करने की कोशिश कर रही है। भाजपा को झारखंड के आदिवासी स्वाभिमान से डर लगता है।

रांची के टैक्स विशेषज्ञों को एमएसएमई के डिजिटल परिवर्तन में योगदान के लिए किया

रांची : भारत की अग्रणी बिजनेस ऑटोमेशन सॉफ्टवेयर कंपनी टैली सॉल्यूशंस ने रांची के टैक्स और अकाउंटिंग पेशेवरों को माइक्रो, स्मॉल और मीडियम एंटरप्राइजेज में तकनीक अपनाने को बढ़ावा देने और लेखांकन व अनुपालन प्रक्रियाओं को सरल बनाने में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया। जीएसटी प्रैक्टिशनर्स, अकाउंटेंट्स, टैक्स एडवोकेट्स और अन्य विशेषज्ञों के उत्कृष्ट कार्य को मान्यता देते हुए टैली सॉल्यूशंस ने विशेष रूप से टैक्स एंड अकाउंटिंग टाइटन्स कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर तीन श्रेणियों में 21 उत्कृष्ट पेशेवरों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में 100 से अधिक टैक्स पेशेवर शामिल हुए, जिन्होंने अपने कार्यक्षेत्र में समर्पण और पेशेवर प्रतिबद्धता का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया। इस पहल के अंतर्गत सम्मान तीन श्रेणियों में प्रदान किए गए। अकाउंटिंग मेस्ट्रो श्रेणी के तहत उन अनुभवी पेशेवरों को सम्मानित किया गया जिन्होंने पिछले 15 वर्षों से एमएसएमई का निरंतर समर्थन किया है। अर्चन मुखर्जी, जनरल मैनेजर- ईस्ट जोन, टैली सॉल्यूशंस ने कहा, ह्लहमें रांची के टैक्स और अकाउंटिंग समुदाय के उल्लेखनीय योगदान का जश्न मनाते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। तकनीक अपनाने की उनकी प्रतिबद्धता ने एमएसएमई को चुनौतियों को पार करने और आज के निरंतर बदलते व्यापारिक वातावरण में सफल होने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। टैक्स एंड अकाउंटिंग टाइटन्स पहल के माध्यम से, हम केवल व्यक्तिगत उत्कृष्टता का सम्मान नहीं करते, बल्कि उस सामूहिक योगदान को भी मान्यता देते हैं, जो उद्योग में प्रगति का मार्ग प्रशस्त करता है।

संयुक्त मोर्चा द्वारा प्रबंधन को सौपा गया ज्ञापन।

बेरमो :- संयुक्त मोर्चा के द्वारा अपनी विभिन्ना मांगों को लेकर कथारा वासरी के परियोजना पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में मांग की गई कि विगत कई वर्षों से लंबित ओटी एरिया की राशि का भुगतान शीघ्र किया जाए। ज्ञापन में कहा गया है कि विगत 9 वर्षों से प्रबंधन द्वारा काम लेने के बाद भी ओटी एरिया भुगतान अभी तक नहीं किया गया है उक्त एरियर का भुगतान में काफी समय हो चुका है। संयुक्त ट्रेड यूनियन का कहना है, कि बकाया एरियर का भुगतान कर्मचारियों को अतिशीघ्र करने का कष्ट करें, अन्यथा हमें आगामी कार्यवाही के लिए बाध्य होना पड़ेगा। ज्ञापन सौंपे जाते समय। संयुक्त ट्रेड यूनियन के रामेश्वर कुमार मंडल,रंजय कुमार सिंह,दयाल यादव,एसके पांडेय,अरविंद कुमार सिंह,उदय कुमार,कृष्ण बहादुर,कमलकांत सिंह,हरमन सोए सहित दर्जनों यूनियन प्रतिनिधि उपस्थित थे।

सांसद बिद्युत बरन महतो ने केंद्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर विभिन्न सड़क निर्माण को लेकर सौंपा ज्ञापन

जमशेदपुर, संवाददाता

सांसद बिद्युत बरन महतो ने बुधवार केंद्रीय सड़क एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर जमशेदपुर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत सड़क निर्माण से सम्बंधित विभिन्न ज्ञापन सौंपा। इस दौरान सर्वप्रथम सांसद ने कहा कि एनएच-33 के समीप जमशेदपुर के पारडीह काली मंदिर से पटमदा, कटिन, बंधवान, झिलमिली होते हुए बांकुड़ा तक एक नया सड़क मार्ग प्रस्तावित होना अत्यंत आवश्यक है। यह सड़क मार्ग पश्चिम बंगाल के दुगार्पुर स्टील सिटी और टाटा स्टील (जमशेदपुर) के मध्य कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करेगा। जिससे टाटा स्टील (जमशेदपुर) से दुगार्पुर स्टील प्लांट तक सड़क परिवहन एवं यातायात सुविधाओं में सुधार होगा। साथ ही एनएच 220 चाईबासा से हाता का विस्तार बॉम्बे चौक तक करने का प्रस्ताव देते हुए सांसद ने कहा कि वर्तमान में एनएच 220 चाईबासा से हाता तक विकसित है। परंतु क्षेत्रीय विकास, खनन एवं औद्यो गिक गतिविधियों तथा निरंतर बढ़ते आवागमन को ध्यान में रखते हुए इस मार्ग को आगे जादूगोड़ा, मुसाबनी, गुड़ाबांदा होते हुए ओडिशा राज्य के बंबई चौक तक विस्तारित करना अत्यंत आवश्यक हो गया है। इस विस्तार से इसे एनएच-18 से सुगमता से जोड़ा जा सकेगा। जिससे झारखंड और ओडिशा के बीच परिवहन नेटवर्क और अधिक मजबूत होगा। लोकसभा क्षेत्र के विभिन्न जर्जर सड़कों एवं पुलों के निर्माण के लिए सांसद ने सेंट्रल रोड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड से करवाने का प्रस्ताव दिया है। जिसके तहत 1. पूर्वी सिंहभूम जिला अन्तर्गत एनएच-6 कालियाडिंगा से चित्रेश्वर, रांगुनिया, कुम्हारडुबी होते हुए एनएच-6 जगन्नाथपुर पश्चिम बंगाल सीमा तक पथ निर्माण।

2. पूर्वी सिंहभूम जिला अन्तर्गत एनएच-18 महेशपुर से ज्योति पहाड़ी पुलिया, जामबनी, आंगारपाडा, आदिवासी टोला होते हुए माकडी, बालीजुड़ी, पहाडपुर उड़िसा सीमा तक पथ निर्माण। 3. पूर्वी सिंहभूम जिला अंतर्गत पटमदा प्रखंड के बेलटांड चौक से कुलटांड, चुडदा बांसगड होते हुए लछीपुर, मुकरुडीह पश्चिम बंगाल सीमा तक पथ निर्माण।

4. उडिसा राज्य को जोड़ने के लिए पूर्वी सिंहभूम जिला अन्तर्गत बामडोल घाट पर स्वर्णरेखा नदी में पुल का निर्माण। 5. पूर्वी सिंहभूम जिला अंतर्गत धालभूमगढ़-नरसिंहगढ़ रेलवे फाटक से भैरवपुर, छोड़िया, छब्बीसा, धड़ासाई, पम्पुघाट बालियागोडा होते हुए मुसाबनी प्रखंड के मुसाबनी-डुमरिया मुख्य पथ जो उड़िसा सीमा को जोड़ता है का पथ निर्माण शामिल है। वहीं लोकसभा क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर विशेष कर घाटशिला के फुलडुंगरी और बहरागोड़ा के पीडब्लूडी चौक के पास निरंतर हो रही दुर्घटना को रोकने के लिए अंडरपास के निर्माण कार्य को तीव्र गति से सम्पन्न करने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि 1. घाटशिला के फुलडूंगरी में बहुत अधिक ट्रैफिक होने के कारण यहां प्रतिदिन अत्यधिक दुर्घटनाएं हो रही है। जिससे लोगों की जान हानी भी हो रही है। इसको रोकने के लिए अंडरपास का निर्माण अत्यंत आवश्यक है। इस संबंध में पहले आपके द्वारा आश्वासन मिला था। परंतु उचित कार्रवाई नहीं हो पाई है। इस निर्माण कार्य के लिए निविदा भी हो चुकी है। परंतु अब तक निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं हो सका है। जिससे स्थानीय लोगों में चिंता और असुरक्षा का माहौल बना हुआ है। 2. बहरागोडा के पीडबल्यूडी चौक (ओम होटल क्रासिंग) अंतराज्यीय बस पड़ाव के सामने अंडरपास नहीं होने के कारण स्थानीय लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़क पार करते समय जल्दबाजी के कारण कई लोगों की जान जा चूकी है और यह इस क्षेत्र की ज्वलंत मुद्दा रहा है। इस स्थान पर प्रतिदिन हो रही सडक दुर्घटनाओं को रोकने के लिए ओवरब्रिज/अंडरपास का निर्माण कराना जनहित में अतिआवश्यक है। 3. एनएच-6 में बहरागोड़ा के खांदामौदा में दोनों छोर में घनी आबादी है और वहां हाई-स्कूल कॉलेज इत्यादि भी स्थित है। जिसके कारण आए दिन कई सड़क हादसे हो रहे है विशेषकर छात्र-छात्राओं को सड़क क्रासिंग में काफी कठिनाई होती है। यहां एक अंडरपास या ओवरब्रिज का निर्माण होने से सड़क क्रासिंग में होने वाली समस्या का निवारण हो सकेगा। वहीं केन्द्रीय मंत्री ने सांसद के प्रस्ताव पर अपनी सहमति देते हुए सबंधित पदाधिकारियों को निर्देश देकर सभी परियोजनाओं के लिए प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करने को कहा।खासकर खंडामौदा में फूट ओवर ब्रिज और कालियाडांगा चौक, फुलडूंगरी चौक पर चल रहे कार्य की गति को तेज करने का निर्देश दिया।बामडोल में सुवर्णरेखा पर सीआरआईएफ से पुल निर्माण के संबंध में उन्होंने कहा कि इस संबंध में प्राक्कलन बना कर राज्य सरकार से प्रस्ताव अपेक्षित है।

कर्णधार सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था द्वारा वृद्धाश्रम में कंबल एवं खाद्य पदार्थ वितरण

रामगढ़। कर्णधार सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था रामगढ़ के तत्वाधान में आज शीतलहर को देखते हुए स्थानीय वृद्धाश्रम में कंबल एवं खाद्य सामग्री का वितरण किया गया। संस्था की टीम ने वृद्धजनों को सर्द मौसम से राहत देने के लिए कंबल भेंट किए तथा उनके लिए भोजन की विशेष व्यवस्था भी की गई। इस दौरान संस्था के संस्थापक एवं सचिव विक्रांत गुप्ता ने कहा कि – आज के युवा पढ़–लिख कर भी अपने ही माता–पिता को घर से बेघर कर रहे हैं, जबकि अनपढ़ संतान भी ऐसा नहीं करती। बुजुर्ग घर की रीढ़ होते हैं। उन्हें घर से निकालकर अपने परिवार को कमजोर न करें। जब तक भगवान की कृपा रहेगी, हम इसी प्रकार सेवा करते रहेंगे। मैं सिर्फ एक जरिया हूं – देने वाला ऊपर वाला है। मैं सागर जी और जीतेंद्र जी का विशेष आभार व्यक्त करता हूं, जो जरूरत के समय हमेशा साथ खड़े रहते हैं। कार्यक्रम का संचालन संस्था के अध्यक्ष जयदीप सोनी के नेतृत्व में किया गया। साथ ही अनिल महतो, पवन कुमार, आशीष साहू सहित कर्णधार टीम के अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे।

रामगढ़ जिला के गोला प्रखंड में नई चेतना 4.0 जेंडर अभियान के तहत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

रामगढ़, संवाददाता

ग्रामीण विकास विभाग के निदेर्शानुसार पलाश, झारखण्ड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी द्वारा रामगढ़ जिले में एक माह का नई चेतना 4.0 जेंडर अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में गोला प्रखंड में आज एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिला समूह की दीदियों, सामुदायिक कार्यकताओं एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।कार्यशाला में जेंडर समानता, महिला सशक्तिकरण, लैंगिक भेदभाव उन्मूलन तथा समाज में महिलाओं की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रतिभागियों ने समानता एवं जागरूकता को बढ़ावा देने का संकल्प भी लिया।जेंडर अभियान 4.0 के जागरूकता कार्यक्रम के सुचारू संचालन हेतु व्यापक कार्ययोजना तैयार की गई तथा कैलेंडर में निर्धारित दिवस-वार गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा की गई। यह अभियान 25 नवम्बर 2025 से 23 दिसंबर 2025 तक संचालित किया जाएगा।अभियान के दौरान जेंडर प्रशिक्षण, रैली, रंगोली प्रतियोगिता, खेल-कूद कार्यक्रम, जेंडर शपथ, तथा सांप-सीढ़ी खेल के माध्यम से लैंगिक समानता की जानकारी सहित अनेक गतिविधियाँ आयोजित की जाएँगी। साथ ही महिला हिंसा की रोकथाम एवं लैंगिक समानता के प्रसार हेतु सांप-सीढ़ी खेल के माध्यम से जागरूकता गतिविधि का संचालन किया गया। इस कार्यक्रम में जिला प्रबंधक सामाजिक विकास सौरभ प्रसाद, प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक बिपिन सिंह, संकुल संगठन समन्वयक, ब्लॉक एंकर पर्सन, बैंक सखी एवं जेंडर CRP आदि उपस्थित रहे।

झारखंड के पूर्व न्यायाधीश डॉक्टर एस एन पाठक ने कार्यक्रम का किया उद्घाटन

रामगढ़, संवाददाता

बुधवार को राधा गोविन्द विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम हॉल में विधि विभाग द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ। राष्ट्रीय संगोष्ठी का विषय एक राष्ट्र एक चुनाव था कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि झारखंड उच्च न्यायालय रांची के पूर्व न्यायधीश माननीय जस्टिस डॉ एस एन पाठक ,ब्ल्यू फाउंडेशन रांची के चेयरमैन डॉ पंकज सोनी , झारखंड उच्च न्यायालय प्रवक्ता विनोद कुमार, विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बी एन साह,सचिव प्रियंका कुमारी, कुलपति प्रो (डॉ) रश्मि, कुलसचिव प्रो (डॉ) निर्मल कुमार मंडल, वित्त एवं लेखा पदाधिकारी डॉ संजय कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो (डॉ) अशोक कुमार, प्रबंध समिति सदस्य अजय कुमार, समाजसेवी सी पी संतन एवं मीडिया प्रभारी डॉ संजय कुमार उपस्थित थे। संगोष्ठी का उद्घाटन मुख्य अतिथि पूर्व न्यायधीश डॉ एस एन पाठक, कुलाधिपति बी एन साह, एवं गणमान्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से विश्विद्यालय के संस्थापक स्व गोविंद साह एवं स्व राधा देवी के चित्रों पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलित कर किया। उसके बाद सभी अतिथियों को पुष्पगुच्छ, प्रतीक चिन्ह और अंगवस्त्र भेट कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम की शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो(डॉ) रश्मि के स्वागत भाषण से हुआ। उन्होंने सभी अतिथियों और वक्ताओं का स्वागत करते हुए कहा कि राष्ट्र निर्माण और राष्ट्रीय विकास में विश्विद्यालयों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। एक राष्ट्र की सफलता के लिए शोध का मजबूत होना आवश्यक है, क्योंकि यह आर्थिक विकास, तकनीकी विकास और शिक्षा में उन्नति को बढ़ावा देता हैं।

डॉ एस एन पाठक ने अपने संबोधन में कहा कि

वन नेशन,वन इलेक्शन विषय पर आधारित इस राष्ट्रीय सेमिनार के अवसर पर सभी प्रतिभागियों, विशेषज्ञों, अध्यापकों और विद्यार्थियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि एक देश एक चुनाव के लिए मजबूत सरकार को लोकतंत्र के तीन अंगों को मूल सिद्धांत पर आकर संविधान के दायरे में काम करना होगा और मूलभूत सिद्धांतों के लिए संविधान में संशोधन करने के बाद ही एक देश एक चुनाव मजबूत होगा। दूसरे वक्ता चेयरमैन ब्ल्यू फाउंडेशन, रांची के डॉ पंकज सोनी कहा कि अत्यधिक चुनाव व्यय से देश के आर्थिक विकास पर प्रभाव पड़ता है। विभिन्न वक्ताओं ने संगोष्ठी के विषय को भावी पीढ़ी के विकास और उत्थान के लिए आवश्यक बताया और विषय की महत्ता पर प्रकाश डाला। चिव प्रियंका कुमारी ने राष्ट्रीय संगोष्ठी की प्रशंसा की और उन्होंने सभी शिक्षकों, शोधार्थियों एवं छात्रों को आलोचनात्मक सोच और अनुसंधान के माध्यम से समाज में सकारात्मक योगदान देने के प्रेरित किए। यह संगोष्ठी चेयरपर्सन के उपस्थिति के साथ समांतर चार सत्रों में चला। पहले सत्र में सभी मुख्य वक्ताओं ने एक राष्ट्र एक चुनाव पर विस्तार पूर्वक चर्चा किया। तकनीकी सत्र के दौरान सभी शोधार्थियों ने अपने -अपने विषय पर शोध प्रस्तुत किया। इस संगोष्ठी कार्यकम में 510 प्रतिभागियों ने पंजीकरण किया। कार्यक्रम का नेतृत्व विधि विभाग के व्याख्याता महेंद्र मंडल एवं आलोक आंबेडकर ने किया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षा विभाग के व्याख्याता डॉ रंजना पांडेय और डॉ अमरेश पांडेय ने किया। विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रो (डॉ) निर्मल कुमार मंडल धन्यवाद ज्ञापन करते हुए सभी का आभार व्यक्त किया।उन्होंने कहा कि आज के संगोष्ठी का उद्देश्य विद्यार्थियों को चुनावी व्यवस्था , प्रशासनिक चुनौतियों और संवैधानिक पहलुओं की समझ प्रदान करेगा। राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन राष्ट्रगान गाकर किया गया। मौके पर विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष , कर्मचारीगण , विभिन्न राज्यों के शोधार्थी एवं छात्र- छात्राएं उपस्थित रहे।

एसडीपीओ ने सभी थाना प्रभारी के साथ की अहम बैठक, दिए के दिशा निर्देश

क्षेत्र में शांति आपराधिक गतिविधियों को लेकर चौकन्ना रहने की दी सलाह

रामगढ़, संवाददाता

पतरातू एसडीपीओ गौरव गोस्वामी ने अंचल के सभी थाना प्रभारियों के साथ आवश्यक बैठक की। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र में विधि व्यवस्था बनाए रखने के लिए कई निर्देश दिया। साथ ही पतरातू अनुमंडल क्षेत्र के सभी थाना एवं ओपी से संबंधित लंबित कांडों की समीक्षा की गई। वहीं पुलिस पदाधिकारी को क्षेत्र में सक्रीय आपराधिक गिरोहो से जुड़े लोगों पर पैनी नजर बनाए रखने का निर्देश दिया। साथ ही समय समय पर एंटी क्राइम चेकिंग करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने आम लोगों से अपील किया कि लंबे समय के लिए पूरे परिवार सहित कहीं जाते हैं तो इसकी सूचना स्थानीय क्षेत्र के मुखिया व स्थानीय पुलिस को दें। साथ उन्होंने कहा कि क्षेत्र में गहने जेवरात की साफ सफाई के नाम पर अज्ञात लोग घर पर पहुंचते है व लोग ठगी का शिकार हो जाते हैं। इसीलिए किसी भी अनजान व्यक्ति को अपने कीमती जेवरात व घर के सामानों की जानकारी देने से बचें तथा इसकी सूचना अविलंब थाने को दे। मौके पर इंस्पेक्टर सत्येंद्र कुमार सिंह, पतरातू थाना प्रभारी शिवलाल कुमार गुप्ता, बासल थाना प्रभारी कैलाश कुमार, भूरकुंडा उपेंद्र कुमार, बरकाकाना उमाशंकर वर्मा, भदानी नगर अख्तर अली शामिल थे।

श्री गुरु तेग बहादुर जी का 350वां शहीदी दिवस श्रद्धा व सम्मान के साथ मनाया गया

बोकारो, संवाददाता

गुरु गोबिंद सिंह एजुकेशनल सोसाइटी टेक्निकल कैंपस, कांड्रा, चास, बोकारो में सिखों के नवें गुरु श्री गुरु तेग बहादुर जी का 350वाँ शहीदी दिवस अत्यंत श्रद्धा, गरिमा और आध्यात्मिक वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर गुरु जी के अद्वितीय बलिदान, त्याग, सेवा और मानवता के लिए दिए गए अमर संदेश को स्मरण किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत शब्द-गान से हुई, जिसका नेतृत्व प्रो. डॉ. ए. पी. बर्णवाल ने किया। समारोह में संस्थान के अध्यक्ष माननीय तरसेम सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। साथ ही सचिव सुरेंद्र पाल सिंह तथा GGSESTC के निदेशक प्रो.डॉ. प्रियादर्शी जरूहार भी उपस्थित थे। अपने वक्तव्य में अध्यक्ष तरसेम सिंह ने इतिहास के संदर्भों के माध्यम से गुरु तेग बहादुर जी द्वारा भारतीय संस्कृति और धर्म की रक्षा के लिए दिए गए सर्वोच्च बलिदान की गहरी जानकारी छात्रों को प्रदान की। सचिव महोदय ने गुरु जी की निस्वार्थ सेवा, अटूट संकल्प और संस्कृति-संरक्षण के विशेष विचारों पर प्रकाश डाला। निदेशक महोदय ने गुरु जी के व्यक्तित्व, कृतित्व और गुरु-शिष्य परंपरा को प्रेरक रूप में प्रस्तुत किया, जिससे छात्र एवं शिक्षक दोनों लाभान्वित हुए। कार्यक्रम के दौरान 350वें शहीदी दिवस पर आयोजित क्विज एवं भाषण प्रतियोगिता के 10 विजयी प्रतिभागियों को नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। साथ ही JUT रांची द्वारा आयोजित "Idea Thrive-2025 में पुरस्कृत दो टीमों को भी मंच पर सम्मानित किया गया। अंत में प्रो. डॉ. वैभव गुप्ता ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का समापन पवित्र कड़ाह प्रसाद के वितरण के साथ हुआ।

स्टेट हैंडलूम एक्सपो - 2025 : स्टॉल संख्या 128 में 'जगदीश हैंडीक्राफ्ट' में कच्छ, गुजरात की पारंपरिक हस्तकला उत्पाद

जमशेदपुर, संवाददाता

बिस्टुपुर स्थित गोपाल मैदान में झारक्राफ्ट द्वारा आयोजित स्टेट हैंडलूम एक्सपो-2025 में स्टॉल संख्या 128 जगदीश हैंडीक्राफ्ट कच्छ, गुजरात की पारंपरिक कला और बेजोड़ हस्तकला का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। इस स्टॉल पर कच्छ क्षेत्र के दक्ष शिल्पकारों द्वारा बनाए गए रंग-बिरंगे होम फर्निशिंग एवं डेकोर आइटम प्रदर्शित किए गए हैं। जिनमें उनकी समृद्ध कला, बारीकी और उत्कृष्ट फिनिशिंग स्पष्ट झलकती है। एक्सपो में आने वाले लोग 100 रुपए से शुरू होने वाली किफायती एवं उच्च गुणवत्ता वाली वस्तुओं को पसंद कर रहे हैं। जिससे स्थानीय शिल्पकार समुदाय को भी सशक्त समर्थन मिल रहा है। स्टॉल संचालकों के अनुसार सभी उत्पादों को पारंपरिक तकनीकों से तैयार किया जाता है और इनके निर्माण में स्थानीय शिल्पकारों की मेहनत एवं कौशल का सुंदर मेल देखने को मिलता है। साथ ही ग्राहकों की सुविधा के लिए डिजिटल भुगतान की व्यवस्था भी उपलब्ध है। आगंतुक नागरिकों से आग्रह है कि एक्सपो के दौरान स्टॉल संख्या 128 जगदीश हैंडीक्राफ्ट अवश्य जाएं और कच्छ की पारंपरिक कला को नजदीक से जानने, समझने एवं प्रोत्साहित करने का अवसर प्राप्त करें।

प्रदर्शित प्रमुख उत्पाद :-
- गुजराती डिजाइनर बेडशीट्स एवं कुशन कवर
- हैंडक्राफ्टेड रनर एवं वॉल हैंगिंग्स
- आकर्षक एवं दमकते डिजाइनर बैग्स
- पारंपरिक एवं प्रामाणिक कच्छ हस्तशिल्प
- 100 से 2000 रुपए की किफायती मूल्य में उपलब्ध उत्पाद

कोयला ढुलाई ट्रेक्टर चालक की मौत, मासुम बच्चा हुआ डेयरी दूध से भी लालाइत

छः दिन की थी तब सर से उठा मां का साया अब, छः माह में पिता के छत्रछाया से हुई मरहूम चार नन्हे-मुन्ने बच्चे

बोकारो, संवाददाता

बेरमो अनुमंडल अंतर्गत नावाडीह प्रखंड के ऊपरघाट स्थित पेंक नारायणपुर थाना क्षेत्र बरई पंचायत के गरडीह निवासी चुरामन गंझू(ट्रेक्टर चालक) कि मौत बड़े चक्का में दबने से हो गयी। उक्त घटना रविवार कि सुबह (भोर) कि है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि चुरामन गंझू अन्य ट्रेक्टरों के साथ बेरमो थाना क्षेत्र के ताराबेड़ा जंगल में अवस्थित अवैध खनन स्थल से कोयला लेने अपने ट्रेक्टर मालिक के कहने से गया था ,लोडकर लोटने के क्रम में चालक चुरामन गंझू अनियंत्रित होकर गिर गया जिससे सिने से होकर चढ गया जिससे घटना स्थल पर मौत हो गयी। इसका सूचना परिजनो को सोमवार को दोपहर को दिया गया ,यानि बारह घंटा के बाद जबकि घटना स्थल से मृतक के घर के दूरी महज 7 किलो मीटर होगी। मृतक अपने पिछे छः माह का लड़का अविनाश कुमार सहित सलोनि (6वर्ष) ,चांदनि (4वर्ष) ,रेशमा (2वर्ष) सहित बहन सरस्वति कुमारि(14वर्ष) ,भाई जागेश्वर गंझू (16वर्ष) छोड़ गया है। बिड़बना यह है कि मासुम परिजन मुआवजे कि मांग को लेकर 48 घंटे शव घर में रखे रहा लेकिन किसी सकारात्मक कदम नही उठा बल्कि दबाव में अंतिम संस्कार कर दिया। मृतक कि बहन सरस्वती कुमारी ने बताया की मेरा भैया कि कमाई से घर का चुल्हा जलता था ,अब कैसे जलेगा चिंता सता रही है। ऐसा लगता है हम सब कुछ दिनों के बाद भुख से काल के मुंह में समा हि जायेगें। नन्हे सा अविनाश के लिए पाउडर दुध कौन ला देगा। इधर पेंक-नारायणपुर थाना प्रभारी नितिश कुमार से पुछे जाने पर कहा कि घटना कि जानकारी है लेकिन मेरा क्षेत्र का नही है।

राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत तनाव मुक्ति शिविर का आयोजन

रामगढ़, संवाददाता

राज्य नोडल पदाधिकारी, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम, झारखण्ड, रांची के निदेर्शानुसार रामगढ़ जिला में दिनांक 03.12.2025 से 17.01.2026 तक ₹तनाव मुक्ति शिविर₹ का आयोजन जिला के विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों, स्कुल एवं कॉलेज में क्ए्उ के माध्यम से जागरूकता अभियान का आयोजन किया जाना है।इसी क्रम में आज दिनांक 03.12.2025 को राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अन्तर्गत तनाव मुक्ति शिविर का आयोजन डॉ० महालक्ष्मी प्रसाद, सिविल सर्जन, रामगढ़ एवं डॉ० तुलिका रानी, जिला कुष्ठ निवारण सह नोडल पदाधिकारी, रामगढ़ के अध्यक्षता में सदर अस्पताल, रामगढ़ के परिसर में किया गया। उक्त शिविर में सी०आई०पी०, कांके, राँची के विशेषज्ञ चिकित्सक दल से डॉ बुद्धायन रॉय, डॉ सेंथिल एम, डॉ अर्चना कुमारी दास सहित अन्य के द्वारा मानसिक स्वास्थ्य रोग से संबंधित एवं नशा मुक्ति से संबंधित जानकारी लोगो के बीच में दिया गया, साथ ही साथ विशेष रूप से जाँच, उपचार के साथ दवा वितरण किया गया। इस आयोजन में मुख्य रूप से चिकित्सा पदाधिकारी, रामगढ़, जिला कार्यकम प्रबंधन ईकाई, श्री आमोद कुमार, जिला कार्यक्रम सहायक, जिला एन०सी०डी० एफएलसी०, STT, BTT एवं सहिया, सभी कर्मचारी उपस्थित हुऐं।

शताब्दी स्थापना सप्ताह के उद्घाटन दिवस पर आईआईटी (आईएसएम) धनबाद में भव्य सांस्कृतिक संध्या का आयोजन

धनबाद, संवाददाता

६आईआईटी (आईएसएम) धनबाद में शताब्दी स्थापना सप्ताह के उद्घाटन दिवस पर बुधवार की शाम पेनमैन ऑडिटोरियम में एक शानदार सांस्कृतिक संध्या आयोजित की गई। कार्यक्रम ने पूरे माहौल को उत्साह, संगीत, नृत्य और साहित्यिक रंगों से भर दिया। यह सांस्कृतिक प्रस्तुति शताब्दी समारोहों की शुरूआत को और भी यादगार बनाने वाला साबित हुआ।

कार्यक्रम में दीप्ति लेडीज क्लब की अध्यक्ष श्रीमती शकुंतला मिश्रा बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहीं। बड़ी संख्या में संस्थान के शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी, पूर्व छात्र और परिवारजन भी मौजूद रहे। पूरे कार्यक्रम का संचालन प्रो. रजनी सिंह, डीन (कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस) ने किया, जिनकी सहज और आकर्षक एंकरिंग ने दर्शकों की खूब सराहना हासिल की। सांस्कृतिक संध्या की शुरूआत गणेश वंदना से हुई, जिसे रिद्धि और सिद्धि ने प्रस्तुत किया। इसके बाद गौरी द्वारा प्रस्तुत गिरि नंदिनी वंदना ने मंच पर शांत और भावपूर्ण माहौल बनाया। इसके बाद मंच पर आया शानदार नृत्य-नाटक प्रह्लाद चित्रम, जिसने भक्ति, साहस और सत्य की कहानी को जीवंत अंदाज में दशार्या। कलाकारों की अभिव्यक्ति और प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

फिर प्रस्तुत हुआ जोहाड़ झारखंड–एक जोशीला जनजातीय नृत्य, जिसने झारखंड की लोक संस्कृति और ऊर्जा को मंच पर बखूबी उतारा। इसके बाद नमामि नमामि भक्ति गीत पर आधारित शिव वंदना ने पूरे ऑडिटोरियम को आध्यात्मिकता से भर दिया। संध्या को और रंगीन बनाया श्यामला और समूह के ग्रुप डांस ने, जिसमें आधुनिक ताल और उत्साह का सुंदर मेल दिखाई दिया। कार्यक्रम के अंतिम चरण में आयोजित कवि सम्मेलन ने साहित्यिक माहौल पैदा किया, जहाँ कवियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से हास्य, भावनाओं और सामाजिक संदेशों का खूबसूरत समन्वय पेश किया। दर्शकों ने कविता-संध्या का भरपूर आनंद लिया। यह सांस्कृतिक संध्या आईआईटी (आईएसएम) की उस समृद्ध परंपरा को दशार्ती है जिसमें शिक्षा के साथ-साथ कला, संस्कृति और सामुदायिक जुड़ाव भी महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं।

अतिक्रमण हटाओ अभियान के दूसरे दिन सड़कों पर उतरे लोग, बीएसएल के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन

बोकारो, संवाददाता

बोकारो में अतिक्रमण हटाओ अभियान के दूसरे दिन हालात गरमा गए। बुधवार को सेक्टर-4 सिटी सेंटर में उस समय तनाव बढ़ गया, जब बड़ी संख्या में लोग बीएसएल प्रबंधन के खिलाफ सड़कों पर उतर आए और जोरदार विरोध प्रदर्शन करने लगे। यह विरोध उस जगह पर हुआ, जहाँ मंगलवार को अभियान चलाकर लगभग 400 से अधिक अवैध दुकानों को बुलडोजर चलाकर हटाया गया था। बीएसएल द्वारा फेंसिंग कार्य शुरू किए जाने के बाद प्रभावित व्यापारी और स्थानीय लोग नाराज हो गए। उनका आरोप है कि बिना किसी वैकल्पिक व्यवस्था और पूर्व सूचना के दुकानों को तोड़ा गया, जिससे उनका रोजगार खतरे में पड़ गया। प्रदर्शनकारियों ने फेंसिंग कार्य रोकने और उचित समाधान की मांग की। सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस टीम मौके पर पहुंची और प्रदर्शनकारियों को शांत कराने का प्रयास किया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि अतिक्रमण हटाओ अभियान आगे भी जारी रहेगा और शहर को व्यवस्थित तथा सुरक्षित बनाने के लिए यह आवश्यक कदम है। हालांकि प्रशासन बातचीत के जरिए समाधान निकालने की बात कर रहा है, लेकिन प्रदर्शन के बाद इलाके में तनाव बना हुआ है।

विधान मंडल में राज्यपाल बोले- सरकार एक करोड़ नौकरी-रोजगार देने के लिए प्रतिबद्ध है

पटना। 18वीं विधानसभा के शीतकालीन सत्र का आज तीसरा दिन है। आज राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने अभिभाषण दिया। उन्होंने बिहार विधान मंडल के दोनों सदनों को संयुक्त रूप से संबोधित किया। हालांकि, अभिभाषण की शुरूआत होते ही कुछ देर के लिए साउंड सिस्टम में खराबी आ गई थी। इस कारण किसी को उनकी आवाज ठीक से सुनाई नहीं रही थी। इसके बाद तकनीकी टीम ने इसे ठीक किया। राज्यपाल ने नई सरकार की आगामी योजना और नीतियों को सामने रखा। उन्होंने कहा कि मैं बिहार विधान मंडल के दोनों सदनों के संयुक्त अधिवेशन में आप सभी का स्वागत करता हूं तथा हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। मैं राज्य की खुशहाली एवं बहुआयामी विकास की कामना करता हूं। साथ ही मैं विधानसभा के सभी नवनिर्वाचित सदस्यों को बधाई भी देता हूं। मुझे विश्वास है कि नव गठित बिहार विधान सभा का कार्यकाल बिहार को विकसित बनाने एवं जन-जन तक खुशहाली लाने में अपनी रचनात्मक भूमिका निभायेगा।राज्यपाल ने आगे कहा कि अभी हमारे यहाँ शांतिपूर्ण, स्वतंत्र तथा निष्पक्ष चुनाव हुए है। राज्य की जनता ने विकास के एजेंडे को स्वीकार करते हुए सरकार को व्यापक समर्थन दिया है। इस चुनाव में बिहार के लोगों ने विशेषकर महिलाओं ने अभूतपूर्व मतदान किया है। मैं सभी मतदाताओं को इस लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेने के लिए बधाई देता हूं एवं इस प्रक्रिया को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने हेतु भारत निर्वाचन आयोग तथा निर्वाचन में संलग्न सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों को भी धन्यवाद देता हूं। विकास के प्रति राज्य के सभी वर्गों में विशेषकर महिलाओं एवं युवाओं में विशेष जागरूकता दिखाई दे रही है। सरकार द्वारा राज्य के विकास के लिए किये जा रहे प्रयासों के लिए आप सभी का सहयोग अपेक्षित है। राज्य सरकार आगामी पांच वर्षों में एक करोड़ नौकरी और रोजगार देने के लिए प्रतिबद्ध है। द्वितीय अनुपूरक बजट पेश किया गयाइधर, राज्यपाल के अभिभाषण से पहले सरकार वित्तीय वर्ष 2025-26 का द्वितीय अनुपूरक बजट भी पेश किया गया। वित्त मंत्री विजेंद्र यादव ने कहा कि इस अनुपूरक बजट में कुल 91,717.1135 करोड़ रुपये के अतिरिक्त व्यय का प्रावधान किया गया है। कुल 91,717.11 करोड़ रुपये के इस अनुपूरक बजट में शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला रोजगार, पेयजल, सड़क, ऊर्जा, पेंशन, सिंचाई, स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड, मेट्रो रेल और अन्य सामाजिक कल्याण योजनाओं पर विशेष ध्यान दिया गया है। यह प्रावधान राज्य की विकास परियोजनाओं और सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों को गति देने के उद्देश्य से किया गया है। इधर, दूसरे दिन भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. प्रेम कुमार ने विधानसभा अध्यक्ष के आसान पर बैठ गए। पहले दिन अनुपस्थित रहे चार विधायकों ने भी शपथ ले लिया। बाहुबली अनंत सिंह और अमरेंद्र पांडेय शपथ लेने के लिए नहीं पहुंच पाए। अनंत सिंह जेल में हैं और अमरेंद्र पांडेय अपने भतीजे का इलाज करवा रहे हैं। इधर, बिहार विधानसभा के अध्यक्ष का पद भाजपा के पास जाने के बाद उपाध्यक्ष पद जदयू के पास चला गया है। आज जनता दल यूनाइटेड के वरिष्ठ नेता और प्रोटेम स्पीकर नरेंद्र नारायण यादव ने उपाध्यक्ष पद पर नामांकन दाखिल कर दिया है। उनके अलावा किसी और ने इस पद के लिए नामांकन नहीं किया है इसीलिए उनका निर्विरोध उपाध्यक्ष चुना जाना तय है। हालांकि नरेंद्र नारायण यादव पहले भी उपाध्यक्ष थे।

समस्तीपुर में ललित उद्यान का शुरू हुआ जीर्णोद्धार

समस्तीपुर। रेलवेकर्मी के साथ ही शहर वासियों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा ललित उद्यान को एक बार फिर से पुनर्जीवित करने की कवायद शुरू हो गई है। पिछले दिनों दैनिक भास्कर में खबर प्रकाशित होने के बाद रेलवे प्रशासन की ओर से उद्यान का जीर्णोद्धार कार्य शुरू किया गया है। कार्य पूर्ण होने के बाद एक बार फिर से इस उद्यान को आम लोगों के लिए खोला जाएगा। जहां लोग फुर्सत का समय बिता सकेंगे।2018 में तत्कालीन पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक एसके द्विवेदी ने इस उद्यान का उद्घाटन किया था। उद्यान खोले जाने के पीछे का उद्देश्य था कि यहां पर रेलवे कर्मियों के अलावा शहर वासी फुर्सत के समय में यहां पर समय बिता सकेंगे।इसका उपयोग हर खास से लेकर आम तक कर सकेगा। शुरूआती दिनों में इसे आम लोगों के लिए भी खोला गया, लेकिन बाद के दिनों में इसे आम लोगों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई और सिर्फ रेलवे अधिकारी इसका उपयोग करने लगे। फिर धीरे-धीरे यह उद्यान रखरखाव के अभाव में जंगल झाड़ में तब्दील हो गया।रेलवे के इंजीनियरिंग विभाग के अधिकारियों का कहना है कि जीर्णोद्धार कार्य संपन्न होने के बाद इसे पुनः आम शहर वासियों के लिए भी खोला जाएगा। जहां पर सुबह में लोग मॉर्निंग वॉक कर सकेंगे, वहीं शाम के समय में अपने बच्चों के साथ वहां पर समय व्यतीत कर सकेंगे।उद्यान परिषद में झाड़ की कटाई की जा रही है। वॉक पथ की मरम्मत की जा रही है। इसके साथ ही बीच में आरामदायक घास लगाने की योजना बनाई गई है। लाइटिंग की व्यवस्था को ठीक किया जा रहा है। सीमेंटेड कुर्सियों को भी फिर से रंग रोगन कर उसे बैठने योग्य बनाया जा रहा है।

डॉ. राजेंद्र प्रसाद की जयंती, बच्चों ने निकाली प्रभात फेरी

समस्तीपुर। भारत के प्रथम राष्ट्रपति स्वर्गीय डॉ. राजेंद्र प्रसाद की 141वीं जयंती के मौके पर बुधवार सुबह स्कूली बच्चों ने शहर में प्रभात फेरी निकाली। इस दौरान बच्चे शहर के विभिन्न मार्गों का भ्रमण करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे। जहां डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद की प्रतिमा पर लोगों ने माल्यार्पण किया। मौके पर बच्चों द्वारा परेड का भी आयोजन किया गया। डॉ. राजेंद्र प्रसाद जयंती समारोह समिति के बैनर तले आयोजित कार्यक्रम में शहर के विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने भाग लिया। इस मौके पर समिति के सदस्य जाने-माने शिक्षाविद् एके लाल ने कहा कि डॉ राजेंद्र प्रसाद की जयंती के मौके पर विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने प्रभात फेरी निकाली। कलेक्ट परिसर स्थित उनके प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया है। इसके साथ ही आज दिनभर कार्यक्रमों का आयोजन है। दोपहर में बच्चों के बीच पेंटिंग प्रतियोगिता होगी। जिसमें डीआरएम समेत कई वरीय पदाधिकारी शामिल होंगे। शाम में प्रतिभागियों को शील्ड दिया जाएगा। एके लाल ने कहा कि इस मौके पर बच्चों के बीच डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला गया और उनके बताए रास्ते पर चलने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में आयोजन समिति के सदस्य शामिल हुए। जयंती समारोह को लेकर सरकारी संस्थाओं के साथ ही गैर सरकारी संस्थान और स्कूलों में भी कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। वीमेंस कॉलेज में भी इस मौके पर कार्यक्रम का आयोजन रखा गया है इसके अलावा डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय में भी कार्यक्रम हैं।

यूपी की टीचर की बिहार में गोली मारकर हत्या

शिवानी मृतका

अररिया। यूपी की टीचर की बिहार में गोली मारकर हत्या कर दी गई है। अररिया जिले के खावदा कन्हैली मध्य विद्यालय की टीचर शिवानी कुमारी (28) को बदमाशों ने स्कूल जाने के दौरान गोली मारी है। घटना सुबह करीब 8:30 बजे की बताई जा रही है। खेत में काम रहे किसान सुधीर यादव ने बताया कि वो स्कूटी से जा रही थीं। तभी बाइक से 2 लड़के आए और पास से गोली मार कर भाग गए। गोली लगते ही वो जमीन पर गिर पड़ी। इसके बाद मैंने आसपास के लोगों को बुलाया और सदर अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटनास्थल से अररिया सदर अस्पताल 70 किमी दूर है।शिवानी कुमारी कुछ महीने पहले ही इस स्कूल में नियोजित शिक्षिका के रूप में पदस्थापित हुई थीं। वे उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले की निवासी थीं और किराए के मकान में रहकर नरपतगंज में नौकरी कर रही थीं। ग्रामीण ने बताया कि शिक्षिका की कुछ दिन पहली ही सगाई हुई थी। कुछ दिन में उसकी शादी होनी थी।अररिया एसपी अंजनी कुमार ने बताया कि कटहल बारी विद्यालय में एक शिक्षिका थी जो यूपी की रहने वाली थी। वो फारबिसगंज में रहती थी। डेली स्कूल आती-जाती थी। इसी क्रम में आज सुबह जब वो स्कूल जा रही थी खवदा पंचायत में मंदिर के पास बदमाशों ने गोली मारकर उसकी हत्या कर दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है। आरोपियों को बख्शा नहीं जाएगा।

आग में जिंदा जलने से भाई-बहन की मौत

सुपौल। में घर में आग लगने से भाई-बहन की जिंदा जलकर मौत हो गई। आग ने आसपास के 6 घरों को भी अपनी चपेट में ले लिया। 18 मवेशी जिंदा जल गए। घरों में रखा सामान जलकर खाक हो गया। मृतकों की पहचान भीखन सरदार के पोते मानव कुमार (10) और पोती साक्षी कुमारी (12) के रूप में हुई है। घटना सरायगढ़ भपटियाही प्रखंड के मुरली वार्ड नंबर 6 की है। आग में बुचाय सरदार के दो घर, भीखन सरदार का एक घर, प्रेम सरदार उर्फ पप्पू सरदार का एक घर, चंद्रदेव सरदार और इंद्रदेव सरदार के एक-एक घर पूरी तरह जलकर राख हो गया। घटना की सूचना मिलते ही बुधवार सुबह BDO अच्युतानंद, CO धीरज कुमार और राजस्व कर्मचारी मोहम्मद इजराफिल घटनास्थल पर पहुंचे और नुकसान का जायजा लिया। मृतक बच्चों के दादा भीखन सरदार ने बताया, मेरी बहू ने मुझे सबसे पहले रात 10 बजे खाना खिलाकर सुला दिया। इसके बाद बहू-बेटे और बच्चों ने खाना खाया और अपने-अपने कमरे में रात 11 बजे तक सोने चले गए। रात 1 बजे के करीब मेरी अचानक नींद खुली।इस दौरान मैंने देखा की घर में आग लग गई है। मैंने चिल्लाना शुरू किया, इसपर बहू-बेटे जगे और बच्चों के कमरे की तरफ बढ़े।

पूरी कार जल गई, बाल-बाल बचा PMCH का डॉक्टर

पटना। में बुधवार को PMCH के हड्डी विशेषज्ञ डॉ. सौरव कुमार की बाल-बाल जान बची। वो अस्पताल से गाड़ी स्टार्ट कर के अपने घर बोरिंग रोड की ओर जा रहे थे। कार स्टार्ट करते ही उन्हें स्मेल आई। वो तुरंत गाड़ी से उतर गए। उनके उतरते ही गाड़ी धू-धू कर जल उठी। बताया जा रहा है कि गाड़ी से डीजल लीक हो रहा था। जिसकी वजह से गाड़ी स्टार्ट होते ही आग लग गई। ये घटना दरभंगा हाउस के पास जेपी गंगा पथ एलिवेटेड रोड पर हुई। आग लगने के बाद 30 फीट ऊपर तक काला धुआं उठा। अस्पताल की पूरी बिल्डिंग को काले धुएं ने घेर लिया। आग लगते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। गंगा पाथ वे पर 3 किलोमीटर जाम लग गया। इसके बाद फायर ब्रिगेड की टीम को सूचना दी गई। फायर ब्रिगेड की मदद से आग पर काबू पाया गया।इस गाड़ी के पीछे एक क्रेटा कार खड़ी थी। उस पर भारत सरकार का लोगो लगा था। गार्ड्स ने इस गाड़ी का शीशा तोड़कर कार का गेयर उतारा और गाड़ी को पीछे किया। नहीं तो और भी गाड़ियां इस आग की चपेट में आ सकती थीं। लोग बोले- जैसे ही वो कार से उतरे आग लग गई मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि मैंने गाड़ी को स्टार्ट करते तो नहीं देखा, लेकिन वो बहुत घबराकर गाड़ी से उतरे। जैसे ही नीचे आए गाड़ी में आग लग गई। 20 सेकेंड में ये सब हो गया। अगर वो गाड़ी में थोड़ी देर और रुक जाते तो बड़ा हादसा हो जाता। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मी भीम सिंह ने बताया कि, मैं PMCH के गेट पर खड़ा था तभी एकाएक देखा की 100 मीटर दूर खड़ी गाड़ी में भीषण आग लग गई। देखते-देखते लोग की भीड़ इकट्ठा हो गई। घटना करीब साढ़े 12 बजे की है, फिलहाल हालात सामान्य है। फायर ब्रिगेड के अधिकारी जितेंद्र कुमार ने बताया कि, सूचना मिली की एक डॉक्टर की गाड़ी में आग लगी है।अचानक गाड़ी से स्मेल आया और देखते ही देखते गाड़ी से धुआं निकलने लगा। आग इतनी भयावह थी काफी दूर तक इसकी लपटें दिखाई दे रही थीं। आग में जलने के कारण काफी पूरी तरह जलकर खाक हो गई है। फिलहाल डॉक्टर पूरी तरह से सही सलामत है।

बिहार के 7 जिलों में चला बुलडोजर

मोतिहारी में 6 पक्के मकान गिराए गए, नालंदा में हथौड़े से हटाया कब्जा; समस्तीपुर में माले का प्रदर्शन

पटना। बिहार में नई सरकार बनने के साथ बुलडोजर एक्शन जारी है। राज्य के 8 जिले पटना, गोपालगंज, छपरा, मोतिहारी, भागलपुर, समस्तीपुर, नालंदा और बेगूसराय में सुबह से बुलडोजर चल रहा है। मोतिहारी में 6 पक्के मकानों को गिराया गया है। नालंदा की बिहार शरीफ नगर निगम के सोहसराय इलाके से भी आज अतिक्रमण हटाया गया। सड़क पर लगे शेड और चबूतरों को हथौड़े से तोड़ा गया। भागलपुर में पुलिस ने माइकिंग कर दुकानदारों को खुद सड़कों से हटने को कहा। बेगूसराय में लोहिया नगर झोपड़पट्टी में अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलाया गया।इधर, पुलिस-प्रशासन की कार्रवाई के खिलाफ समस्तीपुर में माले ने प्रदर्शन किया है। बेगूसराय में अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन का ऑपरेशन बुलडोजर लगातार दूसरे दिन भी जारी है। प्रशासन की ओर से आज जिला प्रशासन और पुलिस टीम के सहयोग से लोहिया नगर झोपड़ पट्टी में अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलाया गया। इस दौरान बड़े पैमाने पर देसी शराब के कारोबार का खुलासा हुआ है। पटना के बाद में अतिक्रमण की कार्रवाई के डर से लोग अपने अवैध कब्जे को खुद हटा रहे हैं। मोतिहारी जिले में अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन की सख्त कार्रवाई जारी है। इसी कड़ी में केसरिया थाना क्षेत्र में सरकारी जमीन पर अवैध रूप से बने छह पक्के मकानों को ध्वस्त कर दिया गया। यह कार्रवाई अदालत के निर्देश पर की गई। जिन छह लोगों के पक्के मकान हटाए गए, उनमें इलमदार, शेख कसमदार, सैफुल्लाह, सफी अहमद, रुबैरा खातून और मन मंजूर आलम शामिल हैं। इन सभी ने सरकारी रास्ते को घेरकर पक्का निर्माण कर लिया था, जिससे आम लोगों को आने-जाने नमें समस्या हो रही थी। बिहार शरीफ में सड़क पर लगी गुमटियों को हटाया गया। पुलिस ने लोगों को हिदायत दी है कि आगे से इसे सड़क पर ना लगाएं। बिहार शरीफ में पुलिस के एक्शन के दौरान युवक ने कहा कि ये लोग कुछ भी तोड़ रहे हैं। अंदर की दुकानों में भी तोड़फोड़ की जा रही है। ये बिल्कुल गलत है। बिहार शरीफ में कार्रवाई के दौरान जहां बुलडोजर नहीं पहुंच पाया वहां हथौड़े से अवैध कब्जे को तोड़ा गया। बिहार शरीफ नगर निगम ने सोहसराय इलाके में अतिक्रमण हटाया। पिछले 27 नंवबर से यह कार्रवाई चल रही है। उपनगर आयुक्त शम्स रजा के नेतृत्व में 2 जेसीबी की मदद अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही है।

संक्षिप्त डायरी

हाजीपुर में युवक को लाठी-डंडों से पीटा, छत से फेंका

हाजीपुर। में भीड़ ने एक युवक की बेरहमी से पिटाई कर दी। छत पर 4 से 5 लड़कों ने घेरकर पीटा। इसके बाद उसे ऊपर से नीचे फेंक दिया। कुत्ते से कटवाया गया। गंभीर रूप से घायल युवक को पटना के एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसकी हालत स्थिर बनी हुई है। ये मारपीट एक दिसंबर को राजेंद्र चौक के पास हुई। इसका वीडियो आज सामने आया है। युवक की पहचान सुभाष चौक के रहने वाले सरोज कुमार के बेटे राहुल कुमार के रूप में हुई है। उस पर आरोप है कि उसने राजेंद्र चौक स्थित पातालेश्वर मिष्ठान का शीशा पत्थर मारकर तोड़ दिया और कुछ लोगों पर भी हमला किया। बताया जा रहा है कि आरोपी युवक मानसिक रूप से बीमार है।राहुल के 2 वीडियो वायरल हुए हैं। पहले वीडियो में छज्जे पर 4 युवक लाठी और लात से बेहरमी से उसकी पिटाई करते दिख रहे हैं। इसके बाद वे उसे छज्जे से नीचे फेंक दिया। इतना ही नहीं इसके बाद उन्होंने मानसिक रूप से कमजोर युवक को सड़क पर घसीटा फिर उसे कुत्ते से कटवा दिया। वहीं दूसरे वीडियो में युवक आतंक मचाते और ई-रिक्शा को नुकसान पहुंचाते दिख रहा है। दुकान के मालिक ने युवक के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। घटना की सूचना मिलते ही नगर थाना पुलिस और डायल-112 की टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस भीड़ के बीच से घायल युवक राहुल कुमार रंजन को सुरक्षित छुड़ाकर अस्पताल में भर्ती कराया। आरोपियों की पहचान में जुटी पुलिस सदर SDPO सुबोध कुमार ने बताया कि, हाजीपुर नगर थाना क्षेत्र से कल एक वीडियो सामने आया था। जिसमें एक युवक के साथ कुछ लोग मारपीट करते दिख रहे है। वो मानसिक रूप से विक्षिप्त है। वो लोहे की टांगिया लेकर शहर में आतंक मचाए हुए था। जिसे तुरंत पुलिस हिरासत में लेकर सदर अस्पताल हाजीपुर इलाज के लिए भेजा गया है। उन व्यक्तियों की पहचान की जा रही है जो उसे पीट रहे हैं। पहचान कर प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

शादी के मंडप से LLB का एग्जाम देने पहुंची दुल्हन

मुंगेर। में शादी के मंडप से दुल्हन एग्जाम सेंटर आर.डी. एंड डी.जे. कॉलेज पहुंची। परीक्षा खत्म होने के बाद दूल्हे के साथ दुल्हन ससुराल पहुंची। फिर शाम में रिसेप्शन का आयोजन किया गया। दरअसल, बांका जिले के राजपूत बुद्ध कॉलोनी निवासी मनोज कुमार शर्मा की बेटी संजना शर्मा (दुल्हन) LLB चौथे सेमेस्टर की छात्रा है। एक दिसंबर को उसकी शादी पटना जिले के खुसरूपुर निवासी जगन्नाथ शर्मा के बेटे सत्य प्रकाश से हुई। 2 दिसंबर को विदाई हुई तो वो ससुराल पहुंचने से पहले एग्जाम देने परीक्षा केंद्र पहुंची। संजना ने सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक परीक्षा दी। इसके बाद वह अपने पति के साथ पटना स्थित ससुराल पहुंची। मंगलवार को उनका रिसेप्शन था। संजना के पिता मनोज कुमार शर्मा ने बताया कि, बेटी की शादी सोमवार को धूमधाम से हुई थी। मंगलवार सुबह विदाई के बाद ससुराल पक्ष ने संजना की परीक्षा को प्राथमिकता दी और उसे पहले परीक्षा दिलाई, फिर अपने साथ घर ले गए। उन्होंने कहा कि, हमारी बेटी ऐसे परिवार में गई है, जहां उसकी इच्छाओं को महत्व दिया गया। ससुराल पक्ष के सहयोग की सराहना करते हुए कहा- हमारी बेटी वहां बहुत खुश रहने वाली है।आरडी एंड डीजे कॉलेज के प्रिंसिपल प्रो विजेंद्र कुमार ने बताया कि, संजना ने महिला सशक्तिकरण का उदाहरण पेश किया है। वो अपनी शादी समाप्त करने के बाद सीधे परीक्षा देने एग्जाम सेंटर पर पहुंची।अब महिला सिर्फ गृहिणी का काम नहीं संभालती है, बल्कि अपने करियर के उत्थान में आगे बढ़ रही है। संजना शर्मा एमए (इंग्लिश) की है और छात्र चौथे सेमेस्टर की स्टूडेंट है। वहीं संजना के पति सत्य प्रकाश शर्मा सॉफ्टवेयर इंजीनियर है।

समस्तीपुर में पैथोलॉजी लैब मालिक की मिली लाश

समस्तीपुर। के विथान थाना क्षेत्र के हसनपुर सखवा सड़क के गंगासागर पुल के पास बुधवार को पैथोलॉजी लैब के मालिक की लाश मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान विथान थाना क्षेत्र के सखवा गांव निवासी भिखु यादव के पुत्र अनीश कुमार 20 वर्ष के रूप में की गई है।घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए और सड़क पर शव रखकर सड़क जाम कर दिया। करीब 3 घंटे तक सड़क जाम के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई, जिससे राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा। मृतक के परिजन और स्थानीय लोगों ने इसे हत्या का मामला बताया और घटनास्थल पर एसपी को बुलाने की मांग की।परिजन के मुताबिक, अनीश करीब 2 सालों से हसनपुर बाजार में पैथोलॉजी लैब चला रहा था। मंगलवार को रात रोजाना की तरह बुलेट बाइक से घर की ओर लौट रहा था। रात करीब 9 बजे तक जब घर नहीं पहुंचा तो अनीश को कॉल किया गया, लेकिन उसका मोबाइल बंद था। परिवार के लोगों को चिंता हुई, उसके काफी तलाश की गई, लेकिन देर रात तक अनीश के बारे में कुछ जानकारी नहीं मिल पाई। बुधवार को गंगासागर पुल के पास झाड़ियों में अनीश की बुलेट लोगों ने देखी, जिसके बाद परिजन को भी इसकी जानकारी मिली। परिवार के लोग घटनास्थल पर पहुंचे और जहां बाइक पड़ी थी, उसके आसपास खोजबीन की जाने लगी। कुछ ही देर में बाइक से कुछ दूर झाड़ियों में ही अनीश की लाश भी मिली। शव मिलने की सूचना के बाद आसपास के लोग घटनास्थल पर जुट गए। अनीश की मौत को संदिग्ध बताते हुए हत्या का आरोप लगाया और झाड़ी से शव को लाकर सड़क पर रख दिया और सड़क जाम कर दिया। सड़क जाम की सूचना पर स्थानीय थाने की पुलिस मौके पर पहुंची तो लोगों के विरोध का उन्हें सामना करना पड़ा। सड़क जाम कर रहे लोगों ने मौके पर एसपी को बुलाने की मांग की। लोगों का कहना था कि ये हत्या का मामला है, दोषी की जल्द से जल्द गिरफ्तारी हो। हीं, घटनास्थल पर पहुंचे रोसड़ा के डीएसपी संजय सिन्हा ने कहा कि विथानथाना क्षेत्र में सड़क किनारे युवक की लाश मिली है। स्थानीय पुलिस पदाधिकारी को मौके पर भेजा गया है। लोगों ने सड़क जाम कर रखा है।

'2017 के पहले दिव्यांगों से बाबू कट मांगते थे'

लखनऊ में योगी बोले- अब सीधे अकाउंट में पैसा जाता है; बच्ची को ऑटोग्राफ दिया

लखनऊ। विश्व दिव्यांग दिवस पर आज राजधानी लखनऊ में आज राज्यस्तरीय सम्मान समारोह आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सुबह 10:30 बजे इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान पहुंचे। उन्होंने सम्मान समारोह का उद्घाटन किया। 500 दिव्यांगों को ट्राइसाइकिल, व्हीलचेयर, श्रवण मशीन, वॉकर और अन्य आवश्यक सहायक उपकरण बांटा। दिव्यांग बच्चों को पढ़ाई में मदद के लिए पाठ्य सामग्री भी दी। सर्वश्रेष्ठ दिव्यांग कर्मचारियों को राज्यस्तरीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। दिव्य कला प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया। कला प्रदर्शनी का अवलोकन किया। दिव्यांग बच्ची द्वारा बनाई गई अपनी पेंटिंग पर ऑटोग्राफ दिया। दिव्यांग कलाकारों की बेहतरीन कला, हस्तशिल्प और पेंटिंग्स की सराहना की। उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। योगी आदित्यनाथ ने कहा- 2017 के पहले उत्तर प्रदेश में 8 लाख के आसपास दिव्यांगजनों को पेंशन मिलती थी। वह भी 300 रुपये महीना। उसमें भी बहुत सारी जगह बाबू लोग कट भी मांगते थे। आज 11 लाख से अधिक दिव्यांगजनों को हम पेंशन दे रहे हैं। पेंशन राशि 300 रुपए प्रति माह से बढ़ाकर 1000 रुपए कर दी गई है। यह राशि सीधे उनके खाते में जा रही है। इसमें किसी प्रकार की कोई कट और घूसखोरी नहीं है। दिव्यांग अर्पित तिवारी के भाई गौरव ने बताया- अभी इनका रजिस्ट्रेशन कराया है। कहा गया है कि इंतजार करें व्हीलचेयर दी जाएगी। अर्पित के पिता श्रीकांत तिवारी ने बताया- अर्पित जब 2 साल के थे, तो पता चला कि वह बैठ नहीं सकते हैं। अपने से कुछ नहीं कर सकते हैं। ऐसे में हम लोग को ही इनका सब कुछ करना है। सरकार जो मदद कर रही है, उसी से हम लोग कर भी पा रहे हैं। अमेठी के महमूदाबाद के रहने वाले अरविंद को आज ट्राइसाइकिल मिली है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने उनसे बात की। कहा कि भविष्य में और भी योजनाएं हैं जो लाई जाएंगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा- भारत के ऋषि परंपरा ने हमेशा हमें इस बात के लिए प्रेरित किया है कि व्यक्ति की शारीरिक बनावट उसकी क्षमता का निर्धारण नहीं करती है। वास्तविक शक्ति संकल्प और आत्म बल में है। भारत ही नहीं पूरी दुनिया ने उसे संकल्प शक्ति को आत्म बल को वास्तविक जीवन में व्यावहारिक जीवन में दिव्यांगजन की सामर्थ्य से उद्घाटित होते हुए देखा है। उन्होंने कहा- अक्सर होता क्या है? एक परिवार यह मानता है कि अगर उनके परिवार में जाने-अनजाने में किन्हीं गलतियों के कारण कोई बच्चा दिव्यांगता का शिकार होता है, तो परिवार और समाज उसे अपेक्षित सा कर देता है । परिवार और समाज का संबल न मिलने के कारण यह अपेक्षा जीवन भर उसके मन को कुंठित करती है। अगर हम थोड़ा सा संबल दे दें, तो बहुत अच्छे परिणाम आ सकते हैं। उत्तर प्रदेश सरकार में ही खेल और युवा कल्याण विभाग के सचिव ओलंपिक में मेडल जीते हैं। ओलंपिक और पैरालंपिक के जिस टीम ने देश के लिए पैरालंपिक में सर्वाधिक मेडल जीते हैं वह उस टीम के हिस्सा रहे हैं। आपको अगर देखना है तो चित्रकूट में हमारे जो मंडल आयुक्त हैं वह दिव्यांगित हैं, लेकिन मंडल आयुक्त के रूप में वहां कार्य कर रहे हैं। एक आईएएस के रूप में भी काम कर रहे हैं। नरेंद्र कश्यप ने कहा- दिव्यांग दंपती को 35000 रुपये की धनराशि भी हमारे विभाग की तरफ से दी जाती है, जिससे उनके परिवार में खुशहाली आए। दुकान निर्माण और संचालन के लिए 20000 की धनराशि विभाग के द्वारा दी जाती है, जिससे हजारों लाखों दिव्यांग रोजगार से जुड़कर अपनी यात्रा को सुगम बनाने में कामयाब हो रहे हैं। उत्तर प्रदेश में 80% से ज्यादा दिव्यांगता रखने वाले को मोटर वाइसिकल भी दी जा रही है। पहले छात्रवृत्ति मार्च के महीने में वितरित होते थे, लेकिन इस बार हमने सितंबर के महीने से छात्रवृत्ति को भेजने का काम प्रारंभ किया है। आज भी सीएम योगी के द्वारा 5 लाख 35285 छात्र-छात्राओं को 134 करोड़ की धनराशि से धन छात्रवृत्ति आज वितरित करने वाले हैं। अभी तक हमने उत्तर प्रदेश में 12 लाख 76000 से भी अधिक छात्र छात्राओं को 323 करोड़ की धनराशि छात्रवृत्ति वितरित कर दी है। दिव्यांगजन विभाग के मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा- दिव्यांगजन लंबे समय से मंडल स्तरीय डीडीआरसी की मांग कर रहे थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की सभी 18 मंडलों में इसे बनाने का फैसला लिया है। इसके लिए मैं योगी आदित्यनाथ का आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा- 2017 तक दिव्यांगों को पेंशन के रूप में मात्र 300 रुपए मिलते थे। अब वह राशि 1000 प्रति माह कर दिया गया है। आज 500 से अधिक दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं। उन्होंने कहा- हमने दिव्यांगजन विभाग में बहुत सारे महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं, जिसमें खास तौर पर कृत्रिम अंग और सहायक उपकरण योजना के अंतर्गत जो 10000 रुपये तक की सीमा राशि होती थी, उसको विभाग ने बढ़ाकर 15000 रुपये कर दिया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने दिव्यांगों द्वारा बनाए गए पेंटिंग, हस्तशिल्प आदि को देखा। दिव्यांगों की बेहतरीन कला की तारीफ की। सम्मान समारोह स्थल पर दिव्य कला प्रदर्शनी लगी है। इसमें दिव्यांग कलाकारों की कला, हस्तशिल्प और पेंटिंग्स को प्रदर्शित हो रही है। प्रदर्शनी अब जनता के लिए भी खोली जाएगी, ताकि दिव्यांग कलाकारों की प्रतिभा को अधिक पहचान मिल सके।

प्रयागराज में घर में लगी भीषण आग : झुलसने से पिता की मौत, मां-बेटी की हलत गंभीर

अजय, मृतक

प्रयागराज। बुधवार सुबह चार बजे एक मकान में अचानक आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि कुछ ही मिनटों में घर का बड़ा हिस्सा लपटों में घिर गया। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। रेस्क्यू शुरू किया। जिस समय हादसा हुआ, उस समय घर में 15 लोग थे। जिस हिस्से में आग लगी, उसमें रहने वाले परिवार में पिता, मां और बेटी बुरी तरह झुलस गए। तीनों को फौरन अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान पिता की मौत हो गई। वहीं मां-बेटी की हालत गंभीर बनी हुई है। नगर निगम के सफाईकर्मी रह चुके स्वर्गीय पन्नालाल का राजापुर में गंगानगर की गली नंबर 2 में एक दो मंजिला मकान है। इस मकान में पत्नी शकुंतला देवी और उनके चार बेटे आनंद, विजय, अजय व अनूप अपने-अपने परिवार के साथ रहते है। सभी भाइयों का परिवार अपने-अपने कमरे में सो रहा था। इसी बीच बुधवार की सुबह चार बजे के करीब भूतल में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। थोड़ी देर में ही पूरा मकान धू-धूकर जलने लगा। गली से गुजर रहे दो छात्रों की नजर पड़ी, तो उन्होंने शोर मचाया। तब आसपास के लोग अपने-अपने घरों से निकलकर बाहर आ गए। मकान के कमरों के अंदर तक धुआं फैल जाने से चार भाइयों का 15 सदस्यीय परिवार फंस गया था। लोगों ने भूतल में किचन की खिड़की तोड़ कर और पड़ोसी के बाजरे से किसी तरह सभी लोगों को बाहर निकला गया। दम घुटने से झुलसे घायल अजय (35), उनकी पत्नी वंदना और बेटी श्रेया और छोटे भाई अनूप के चार माह की बेटी अयान को अस्पताल ले जाया गया। लोगों ने सभी को किसी तरह बाहर निकाला और तुरंत स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल पहुंचाया। इलाज के दौरान अजय आनंद की मौत हो गई। उनकी बेटी श्रेया और पत्नी वंदना की हालत गंभीर बनी है। घटना कैंट थाना क्षेत्र के राजापुर स्थित गंगानगर की गली नंबर-12 की है। जहां डॉक्टरों ने अजय को मृत घोषित कर दिया। इधर, आग लगने से मकान में गृहस्थी का सारा सामान, दो बाइक व दो स्कूटी समेत सबकुछ जलकर राख हो गया। छोटी गली होने की वजह से समय से फायर ब्रिगेड भी नहीं पहुंच सकी थी। हादसे के बाद पीड़ित परिवार का रो-रोकर बुरा हाल बना रहा। मृतक अजय के बड़े भाई विजय आनंद ने बताया- कल रात हम रात 12 बजे शादी से लौटे थे।

मार्गशीर्ष मेला : हाथों में दुंदुभी, त्रिशूल और फरसा... स्याही, शोभायात्रा में नागा साधुओं ने दिखाए ऐसे करतब

कासगंज। भगवान विष्णु के तृतीय अवतार भगवान वराह की भूमि तीर्थनगरी सोरोंजी में विभिन्न अखाड़ों से पहुंचे नागा साधुओं की परंपरागत रूप से स्याही शोभायात्रा निकाली गई। इसमें नागा साधुओं के हैरतअंगेज करतब देखकर श्रद्धालुओं हैरान रह गए। दुंदुभी, त्रिशूल, फरसा के साथ नागा साधुओं ने न केवल करतब दिखाए बल्कि ढोल मंजीरों, बैंड की धुन पर आस्था का नृत्य किया। बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर नागासाधुओं की शोभायात्रा देखी और स्वागत किया। नागा साधुओं की स्याही शोभायात्रा सुबह 11 बजे हरि की पौड़ी किनारे नागालैंड आश्रम से प्रारंभ हुई। शंभू पंच दशनाम आवाहन सरकार गणपति अखाड़े के नेतृत्व में निकाली गई शोभायात्रा में विभिन्न अखाड़ों के प्रमुख नागा साधु व महंत सजे हुए आकर्षक डोलों में विराजमान थे। शोभायात्रा के साथ चल रहे नागा साधु हाथों में दुंदुभी, त्रिशूल, फरसा आदि लिए हुए हैरतअंगेज करतब दिखा रहे थे। इनमें कुछ साधु शरीर पर भभूत लगाए हुए थे वहीं कुछ साधु रंग बिरंगे परिधान पहने हुए थे। शोभायात्रा ने योगमार्ग, चक्रतीर्थ, बाक बाजार, चौमल, चौढ़पोर, बड़ा बाजार, लहरा रोड, रामसिंहपुरा, कटरा बाजार, चंदन चौक, मेला क्षेत्र में भ्रमण किया। इसके बाद शोभायात्रा वापस हरि की पौड़ी के नागालैंड घाट पहुंची जहां साधु नागाओं ने सामूहिक स्नान किया। शोभायात्रा में जूना अखाड़ा, अटल अखाड़ा, निर्वाणी अखाड़ा, आनंद अखाड़ा, उदासीन अखाड़ा, अग्नि अखाड़ा, श्री पंचायती बड़ा उदासीन अखाड़ा, वैष्णव चतुर्संप्रदाय, खड्ग दर्शन संप्रदाय एवं नागालैंड आदि अखाड़ों के साधु शामिल रहे। बैंड की बजती धुनों पर गाए जा रहे भजन बांके बिहारी कजरारे तेरे.....,सजा दो घर और आंगन को..... ॐ जय गणि ॐ जय बराह आदि वातावरण में भक्ति रस घोल रहे थे। शोभायात्रा में ब्रह्मलीन गणेश महाराज की झांकी व अन्य झांकियों को देखकर श्रद्धालु पुष्प वर्षा कर श्रद्धा से उनको नमन कर रहे थे। वहीं जगह जगह समाजसेवी नागा साधुओं को गर्म दूध , हलवा आदि का वितरण कर रहे थे। शोभायात्रा में शामिल बाल नागा साधु भी अपने करतब से सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रहे थे। शोभायात्रा में महंत किशन गिरी, सोरोंमुनि, लच्छू बाबा, आकाश गिरी, अशोक गिरी,पर्वत गिरी, मलखान गिरी, प्रेमशंकर, महादेव गिरी, सूर्य गिरी, सीताराम दुबे,श्रीकांत तिवारी, सुनील तिवारी , अभिषेक दुबे, गनि मिश्रा आदि बड़ी संख्या में धर्मप्रेमी श्रद्धालु, महात्मा उपस्थित रहे। नागा साधु दिवंगत महंत काशी गिरि की समाधि पर पहुंचे जहां उनका भावपूर्ण स्मरण किया। साधुओं ने पूजा अर्चना की। इसी के साथ चिलम चढ़ाने की परंपरागत रस्म को पूरा किया। नागा साधु समाधि स्थल पर चिलम भी पीते हैं। इस परंपरा का निर्वहन करते नागा साधु नजर आए।

बलरामपुर में दिव्यांग छात्रों की जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता

बलरामपुर। विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर दिव्यांग छात्र-छात्राओं की जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। नगर के रमना पार्क में बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में छात्रों ने उत्साह और उमंग के साथ भाग लिया। जिला प्रचारक जितेंद्र कुमार ने इस अवसर पर कहा कि दिव्यांगता कभी किसी की प्रतिभा और हौसले को कम नहीं कर सकती। कार्यक्रम में बीएसए शुभम शुक्ला, बीईओ नगर राम कुमार, सदर बीईओ अशोक कुमार पाठक और डीसी आभा सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया, जिनमें बालक एवं बालिका वर्ग के प्रतिभागियों ने शानदार प्रदर्शन किया।गुब्बारा दौड़ में बालक वर्ग में शावाज ने प्रथम, सत्यम ने द्वितीय और आकाश ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग में मानसी पहले, शुभी दूसरे और माहिया तीसरे स्थान पर रहीं।मेहंदी प्रतियोगिता में नेहा ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि मानिया द्वितीय और रूबी तृतीय रहीं। चम्मच दौड़ में बालक वर्ग से मनोज ने पहला, सुहेल अख्तर ने दूसरा और आनंद ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग में विशांजलि, पिंका और अंशिका ने क्रमशः शीर्ष तीन स्थान हासिल किए। कुर्सी दौड़ में बालक वर्ग में मनोज विजेता बने, अंकित दूसरे और आकाश तीसरे स्थान पर रहे। बालिका वर्ग में रोली ने प्रथम, शुभी ने द्वितीय और पूर्णिमा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस कार्यक्रम के समापन पर जिला प्रचारक जितेंद्र कुमार ने सभी विजेता प्रतिभागियों को संघ की ओर से ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। इस आयोजन में सौरभ सिंह, सिद्धनाथ पांडेय, सुदीप सिंह, अश्विनी कुमार, अभिषेक पांडेय, अंकित सोनी, तान्या बाजपेई, रेशू पांडेय, आरिफ और यासमीन सहित अनेक शिक्षक उपस्थित थे।

महिला को शराब पिलाई, सेक्स करने के बाद मार डाला

लखनऊ में 2 युवक अरेस्ट, रिटायर्ड आईएएस के घर के बाहर लाश रखकर भागे

लखनऊ। गोमती नगर में सोमवार को रिटायर्ड आईएएस के घर के बाहर एक महिला की लाश मिली थी। पुलिस ने बुधवार को हत्या के आरोप में दो युवकों को विनीत खंड से गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने पहले महिला को शराब पिलाई। फिर उसके साथ सेक्स किया। महिला दोनों से जब पैसे मांगने लगी तो उसकी हत्या कर दी। आरोपियों ने महिला की लाश को रिटायर्ड अफसर के घर के बाहर पार्क की दीवार से सटाकर बैठा दिया। इसके बाद फरार हो गए। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास की सीसीटीवी फुटेज खंगाली तो दोनों की पहचान हो गई।

आरोपी देवेन्द्र सिंह कानपुर और सूरज पाल गोमती नगर के विशाल खंड-2 का रहने वाला है।लखनऊ के गोमतीनगर में सोमवार को रिटायर्ड अफसर के घर के बाहर अजीब ढंग से पड़ी महिला की लाश मिली। इसे सड़क के किनारे नाली के ऊपर दीवार के सहारे रखा गया था।

राहगीरों को घंटों तक यही लगता रहा कि कोई महिला बैठी है। जब वह दोपहर तक अपनी जगह से हिली नहीं तो लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर लाश की पहचान महिला के रूप में की। उसके शरीर पर चोट के कई निशान थे। पूरे बॉडी पर पसीटने की वजह से मिट्टी लगी हुई थी।

पैरों में भी पकड़े जाने के निशान बने थे। महिला अलीगंज सेक्टर- बी की रहने वाली थी। देवेन्द्र ने पूछताछ में पुलिस को बताया- सोमवार रात 8 बजे अपने ई-रिक्शा से नवाब पुरवा ठेके पर शराब लेने गया था। रेलवे स्टेशन गोमती नगर के पास महिला ने हाथ देकर रोका और ई रिक्शा में बैठ गई। रास्ते में उसने शारीरिक संबंध बनाने की बात कही। महिला ने कहा- हमको शराब पिलाओगे, तो साथ चलूंगी। यह बात अपने दोस्त सूरज को फोन कर बताई। सूरज ने कहा ठीक घर ले आओ। इस पर महिला को विशाल खंड- 2 पानी की टंकी के पास सूरज की झोपड़ी लेकर गया। वहां हम तीनों ने शराब पी, संबंध बनाए। इसके बाद महिला पैसे मांगने लगी, जबकि रुपयों की कोई बात नहीं हुई थी। महिला ने रुपए नहीं देने पर हंगामा शुरू कर दिया। आस-पास पॉश रिहायशी इलाका होने के कारण हम लोगों को गुस्सा आ गया। गुस्से में हम दोनों ने महिला को धक्का दे दिया, जिससे उसका सिर पीछे रखे तख्त में लड़ गया। वह बेहोश हो गई। काफी देर तक वह नहीं उठी, तो हम लोग डर गए। हम दोनों ने रात गहराने का इंतजार किया। रात करीब 3 बजे उसे हिलाकर देखा तो उसके शरीर में कोई हरकत नहीं हुई। हम दोनों ने बेहोश महिला को ई-रिक्शा में डाला और विशाल खंड-2 में एक मकान के पास दीवार से सटा कर बैठा दिया। उसके बाद फरार हो गए। देवेंद्र ने बताया- हम दोनों शराब के नशे में थे। ई-रिक्शा में महिला को डालकर 200 मीटर दूर एक जगह बैठा दिया था। उम्मीद थी जब होश आएगा तब वह घर चली जाएगी। हालांकि सुबह उसकी मौत की खबर से हम लोग घबराकर फरार गए।

संक्षिप्त डायरी

सहायक अध्यापक परीक्षा 2025: मुख्य सचिव ने की तैयारियों की समीक्षा, विशेष निगरानी के दिए निर्देश

लखनऊ। मुख्य सचिव एसपी गोयल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सभी मण्डलायुक्तों एवं जिलाधिकारियों के साथ उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सहायक अध्यापक (प्रशिक्षित स्नातक) (पुरुष/महिला शाखा) (प्रा0) परीक्षा-2025 की तैयारियों की समीक्षा की।मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि यह परीक्षा पूरी तरह से निष्पक्ष, नकलविहीन तथा पारदर्शी तरीके से सम्पन्न कराई जाए। परीक्षा प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी स्वयं व्यक्तिगत निगरानी करते हुए सभी परीक्षा केंद्रों पर आयोग के मानकों के अनुरूप व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराएं। नकल पर पूर्ण अंकुश लगाने के लिए सभी परीक्षा केन्द्रों पर प्रवेश के समय बायोमेट्रिक सत्यापन एवं फ्रिस्किंग की प्रक्रिया अत्यंत कड़ाई से लागू की जाए तथा समयबद्धता का पूर्ण रूप से पालन हो। परीक्षा से संबंधित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी एवं प्रशिक्षण समय से पूर्ण कर लिया जाए। यह भी निर्देश दिए कि सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे पूर्णतः क्रियाशील रहें तथा पेयजल, शौचालय, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध रहें। परीक्षा की शुचिता बनाए रखने हेतु एलआईयू और एसटीएफ की टीमें पूरी परीक्षा अवधि में सक्रिय रहें तथा संवेदनशील जनपदों में विशेष निगरानी रखी जाए। उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि प्रश्न पत्र लीक न हो और सही प्रश्न-पत्र निर्धारित समय पर परीक्षा केंद्र पर पहुंचे। परीक्षा दिवस पर प्रत्येक सत्र में प्राप्त एसएमएस (कलर एवं कोड) के आधार पर ट्रेजरी से गोपनीय ट्रंक की निकासी अत्यंत सावधानीपूर्वक की जाए और सेक्टर मजिस्ट्रेट के माध्यम से निर्धारित समय पर परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाया जाए। इससे पहले बैठक में बताया गया कि सहायक अध्यापक (प्रशिक्षित स्नातक) के 7466 (15 विषय) पदों पर भर्ती के लिए परीक्षा 06, 07 व 21 दिसम्बर, 2025 एवं 17, 18, 24 व 25 जनवरी 2026 को दो पालियों में आयोजित होगी। प्रथम सत्र सुबह 9:00 से 11:00 तक तथा द्वितीय सत्र दोपहर 3:00 से 5:00 तक है। इसमें कुल 12,36,239 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं। बैठक में प्रमुख सचिव नियुक्ति एम देवराज, सचिव गृह मोहित गुप्ता सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण आदि उपस्थित थे। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोग के अध्यक्ष संजय श्रीनेत, सचिव अशोक कुमार बैठक में उपस्थित थे।

यूपी: नोएडा में होने वाली मायावती की रैली हुई रद्द, 6 दिसंबर को होनी थी बड़ी जनसभा, पार्टी ने बताई वजह

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती आगामी 6 दिसंबर को संविधान के रचयिता डॉ. भीमराव अंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस के अवसर पर नोएडा में प्रस्तावित रैली को संबोधित नहीं करेंगी। वह अपने आवास पर ही डॉ. अंबेडकर को श्रद्धासुमन अर्पित करेंगी। बसपा सुप्रीमो का कहना है कि ऐसे आयोजनों में उनकी सुरक्षा व्यवस्था की वजह से कार्यकर्ताओं और उनके परिवारों को होने वाली असुविधा की वजह से यह फैसला लिया है। बसपा सुप्रीमो ने जारी अपने बयान में कहा कि महापुरुषों की जयंती व पुण्यतिथि के मौकों पर बहुजन समाज के संतों, गुरुओं व महापुरुषों स्मारक स्थलों पर भीड़ उमड़ती है।इस दौरान मेरा अनुभव रहा है कि मेरे जाने पर मेरी सुरक्षा प्रबंध के नाम पर जो सरकारी व्यवस्था की जाती है, जो जरूरी भी है, उससे लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर की पुण्यतिथि पर पार्टी के लोग व उनके अनुयायी लखनऊ के डॉ. भीमराव अंबेडकर सामाजिक परिवर्तन स्थल पर तथा पश्चिमी यूपी, दिल्ली व उत्तराखंड के लोग नोएडा में स्थित राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल पर अपने परिवार सहित पहुंचकर श्रद्धासुमन अर्पित करेंगे।

हैलो पापा...अब हम बचेंगे नहीं, हमारी चिंता मत करना... कह दवा व्यापारी की पत्नी ने दी जान

कानपुर। कल्याणपुर थाना क्षेत्र के दयानंद विहार में मंगलवार रात दवा व्यापारी की पत्नी ने फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। जान देने से पहले महिला ने अपने पिता को फोन करके कहा पापा... अब हम बचेंगे नहीं...हमारी चिंता मत करना। मायका पक्ष ने महिला के पति पर अवैध संबंधों में क्लेश करने व हत्या कर शव को फंदे से लटकाने का आरोप लगाया है। पुलिस और फॉरेंसिक ने साक्ष्य जुटाने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं, पति ने आरोपों को निराधार बताया।औरैया, थाना बेला के बिधनू बांधमऊ गांव निवासी किसान अरविंद तिवारी ने पुलिस को बताया कि 28 अप्रैल 2016 को बेटी अलमिका (33) की शादी दयानंद विहार निवासी मेडिकल स्टोर व्यापारी प्रभाकर पांडेय से की थी। पिता और भाई अभिषेक तिवारी का आरोप है कि शादी के कुछ साल बाद प्रभाकर का कन्नौज में रहने वाली एक महिला से अवैध संबंध का पता चला। इसके बाद से ही पति-पत्नी में विवाद और क्लेश होने लगा।पिता के अनुसार रात करीब 11-12 बजे के बीच में अलमिका ने घबराते हुए उन्हें कॉल किया। बेटी की बात सुनकर उनके होश उड़ गए। वह बेटी से कुछ कहते कि फोन कट गया। घटना के बाद भाई अभिषेक, भाभी गोना और अन्य परिजन बिलख पड़े। वहीं, पति प्रभाकर ने बताया कि उनके दो मेडिकल स्टोर हैं। मंगलवार रात घर लौटे और बच्चों विष्णु (8) और विनायक (छह माह) के साथ बैठे। आरोप है कि इस दौरान पत्नी अलमिका ने कमरे में जाकर खुद को अंदर बंद कर लिया। उन्होंने तुरंत दरवाजा खटखटाया लेकिन दरवाजा नहीं खुला। पुलिस और पड़ोसियों को सूचना दी। पति के अनुसार दरवाजा तोड़ा गया तो पत्नी का शव साड़ी के फंदे से लटक रहा था। पति के अनुसार शाम तक पत्नी बिल्कुल ठीक थी। कल्याणपुर इंस्पेक्टर राजेंद्र कांत ने बताया कि महिला ने आत्महत्या की है। ससुरालीजनों ने पति और ससुरालीजनों पर हत्या का आरोप लगाया है। तहरीर के आधार पर जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

बीएनसीएपी क्रैश टेस्ट में मारुति ई-विटारा ने किया धमाका..........5-स्टार सेफ्टी रेटिंग हासिल की

मुंबई। भारत में गाड़ियों के लिए अब माइलेज के साथ सुरक्षा भी बड़ा मानदंड बन चुका है, और इसी बीच मारुति सुजुकी ने बड़ा कारनामा किया है। कंपनी की नई इलेक्ट्रिक एसयूवी 2025 मारुति ई-विटारा ने भारत एनसीएपी क्रैश टेस्ट में धमाकेदार 5-स्टार सेफ्टी रेटिंग पाई है। यह मारुति की चौथी कार है, जिसने बीएनसीएपी में इतनी शानदार रेटिंग हासिल की है। इसके पहले डिजायर, विक्टोरिस और इनविक्टो भी फुल 5-स्टार रेटिंग ले चुकी हैं।

हालांकि दिलचस्प बात यह है कि ग्लोबल एनसीएपी टेस्ट में यही ई-विटारा 4-स्टार स्कोर पर रुकी थी, लेकिन भारत में हुए क्रैश टेस्ट में ई-विटारा ने रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन किया है। एडल्ट ऑक्यूपेंट प्रोटेक्शन (एओपी) में एसयूवी ने 32 में से 31.49 और चाइल्ड ऑक्यूपेंट प्रोटेक्शन (सीओपी) में 49 में से 43 अंक हासिल किए।

64 किमी/घंटा की स्पीड पर किए गए फ्रंटल ऑफसेट टेस्ट में ई-विटारा को 16 में से 15.49, जबकि 50 किमी/घंटा पर साइड इम्पैक्ट टेस्ट में 16/16 स्कोर किया। डायनामिक टेस्ट में बच्चों की सुरक्षा के लिए स्कोर 24/24 रहा, जिससे यह साबित होता है कि एसयूवी बच्चों और बड़ों दोनों को बेहतर सुरक्षा देती है।

सुरक्षा फीचर्स के हिसाब से ई-विटारा में 7 एयरबैग, लेवल-2 एडीएएस, 360-डिग्री कैमरा, इलेक्ट्रॉनिक पार्किंग ब्रेक, ईएससी, आईएसओएफआईएक्स माउंट्स और पार्किंग

सेंसर जैसे फीचर्स से लैस है। अगस्त 2025 से इसका प्रोडक्शन गुजरात प्लांट में शुरू हो गया है और कीमत करीब 17 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) रहने की उम्मीद है। लॉन्च पर यह महिंद्रा बीई.6, हुंडई क्रेटा ईवी, एमजी जेएस ईवी और टाटा कर्व ईवी को कड़ी चुनौती देगी।

आम आदमी को आरबीआई दे सकती है राहत, बैठक में रेपो रेट पर होगा फैसला

5 दिसंबर को आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा फैसला सुनाएंगे

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक बुधवार से शुरू हो गई है और ये बैठक 5 दिसंबर चलेगी। छह सदस्यों वाली इस समिति की अध्यक्षता नए आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा कर रहे हैं। इस बैठक में रेपो रेट, बाजार में पैसे की स्थिति आने वाले समय में महंगाई का अनुमान और देश की आर्थिक वृद्धि के लक्ष्य पर फैसला लेंगे और इसके बारे में 5 दिसंबर को आरबीआई गवर्नर फैसला सुनाएंगे। अगर इस बार रेपो रेट कम होता है तो इससे आम आदमी की जेब पर बोझ घट जाएगा। अक्टूबर वाली एमपीसी बैठक में आरबीआई की समिति ने रेपो रेट को 5.5फीसदी पर ही रखने का फैसला किया था यानी कोई बदलाव नहीं हुआ था। गवर्नर ने कहा कि महंगाई काफी कम हो गई है, इसलिए समिति को भरोसा है कि रेट अभी ऐसे ही रखना सही रहेगा। मतलब अक्टूबर में लोन की ईएमआई और कर्ज की किस्तों में फिलहाल कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ। पिछली बैठक में आरबीआई ने इस वित्त वर्ष के लिए महंगाई का लक्ष्य अनुमान घटाकर सिर्फ 2.6फीसदी कर दिया था, जो पहले 3.1फीसदी था यानी महंगाई पहले के हिसाब से काफी कम रहने वाली है। अगस्त की बैठक में भी अनुमान 3.7 फीसदी से घटाकर 3.1फीसदी किया गया था। मतलब लगातार महंगाई के आंकड़े नीचे आ रहे हैं, जिससे आम आदमी को चीजों के दाम बढ़ने की कम चिंता होगी और ब्याज दरें भी जल्दी कम होने की उम्मीद है। एक नई रिपोर्ट में कहा गया है कि दिसंबर की आरबीआई मौद्रिक नीति बैठक पर सबसे बड़ा असर महंगाई के बहुत तेज़ी से नीचे आने का है। घरेलू हालात अभी भी मजबूत हैं, लेकिन अमेरिका ने भारत के सामान पर 50फीसदी तक टैरिफ लगा रखा है और ट्रेड डील पर अभी भी बात चल रही है, ये बड़ी चिंता की बात है यानी अंदर से सब ठीक दिख रहा है, लेकिन बाहर का दबाव रेपो रेट घटाने के फैसले को प्रभावित कर सकता है।

ट्रंप के टैरिफ अटैक के कारण टूट रहा रुपया........90 रुपये प्रति डॉलर के स्तर से नीचे

नई दिल्ली। भारतीय रुपया बुधवार को 90 रुपये प्रति डॉलर के अहम मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे पहुंच गया। व्यापार और निवेश के लिए डॉलर का निकलना और कंपनियों द्वारा आगे की कमजोरी से बचाव (हेजिंग) की होड़ ने मुद्रा पर दबाव बनाया है और इस तरह आठ महीने से जारी गिरावट को बढ़ा दिया है। रुपया इस साल अब तक डॉलर के मुकाबले 5 प्रतिशत गिरकर एशिया की सबसे खराब प्रदर्शन करने वाली मुद्राओं में बन गया है। भारत के सबसे बड़े बाजार अमेरिका द्वारा भारतीय सामानों पर 50 प्रतिशत तक के उच्च शुल्क (टैरिफ) के कारण निर्यात प्रभावित हुआ है, इससे विदेशी निवेशकों के लिए भारतीय शेयरों का आकर्षण कम हुआ है।

वैश्विक स्तर पर पोर्टफोलियो निवेश बहिर्वाह (पैसे की निकासी) से सबसे ज्यादा प्रभावित बाजारों में भारत शामिल है।

इस साल अब तक विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयरों में करीब 17 अरब डॉलर की शुद्ध बिक्री की है। पोर्टफोलियो निवेश में कमजोरी के साथ ही प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में भी मंदी आई है, जिससे दबाव और बढ़ा है।

हाई अमेरिकी टैरिफ और सोने के आयात में तेज उछाल ने अक्टूबर में भारत का व्यापार घाटा (मर्चेंडाइज ट्रेड डेफिसिट) रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचाया है। साथ ही, घरेलू कंपनियों के विदेशी कर्ज और बैंकों में गैर-निवासी भारतीयों (एनआरआई) के जमा खातों से होने वाली डॉलर आपूर्ति भी कम हुई है।

बैंकरों और व्यापारियों का कहना है कि रुपये में गिरावट के हर चरण ने, विशेष रूप से आयातकों की तरफ से, ताज़ा डॉलर मांग पैदा की है, जबकि निर्यातक डॉलर बेचने से अभी भी हिचकिचा रहे हैं। सार्थक पूंजी प्रवाह के अभाव में यह असंतुलन रुपये को असुरक्षित छोड़ रहा है।

हालांकि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने रुपये में गिरावट की रफ्तार धीमी करने के लिए बीच-बीच में हस्तक्षेप किया है, लेकिन बैंकरों का मानना है कि डॉलर की मांग का पैमाना और उसकी निरंतरता मुद्रा पर दबाव बनाए हुए है। आरबीआई के रुपये को सहारा देने के प्रयास विदेशी मुद्रा भंडार में कमी और फॉरवर्ड बाजार में शॉर्ट डॉलर पोजीशन के 5 महीने के उच्च स्तर (63.4 अरब डॉलर) पर पहुंचने में परिलक्षित होते हैं।

अडाणी एयरपोर्ट कारोबार को शेयर बाजार में लिस्ट करने की तैयारी में

कंपनी करीब 1 लाख 25 हजार करोड़ रुपए का बड़ा निवेश करेगी

नई दिल्ली। अडाणी ग्रुप अगले पांच साल में अपने सभी एयरपोर्ट पर यात्री क्षमता बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। कंपनी करीब 1 लाख 25 हजार करोड़ रुपए का बड़ा निवेश करेगी। इस निवेश के बाद अडाणी समूह के एयरपोर्ट हर साल 200 मिलियन यानी 20 करोड़ यात्रियों को संभाल सकेंगे। यह कदम इसलिए भी अहम माना जा रहा है कि भारत में हवाई यात्रा बहुत तेजी से बढ़ रही है और कंपनी अपने एयरपोर्ट कारोबार को शेयर बाजार में लिस्ट करने की तैयारी कर रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अडाणी ग्रुप नवी मुंबई एयरपोर्ट में बड़े पैमाने पर काम कर रहा है। यह एयरपोर्ट 25 दिसंबर को शुरू हो सकता है। यहां नए यात्री टर्मिनल बनाए जा रहे हैं, टैक्सीवे को बढ़ाया जाएगा और एक नई रनवे भी बनाई जाएगी ताकि ज्यादा उड़ानों को सुरक्षित तरीके से संचालित किया जा सके। इसके साथ ही कंपनी अहमदाबाद, जयपुर, तिरुवनंतपुरम, लखनऊ और गुवाहाटी एयरपोर्ट की क्षमता भी बढ़ाएगी। इन एयरपोर्ट पर यात्रियों के लिए और बेहतर सुविधाएं, ज्यादा स्पेस और सुचारू संचालन के लिए जरूरी ढांचे में सुधार किए जाएंगे। इस पूरे विस्तार प्रोजेक्ट के लिए 15 बिलियन डॉलर की राशि चाहिए, उसमें से करीब 70 फीसदी पैसा कर्ज के रूप में जुटाया जाएगा। कंपनी यह कर्ज अगले पांच साल के दौरान लेगी। बाकी का पैसा कंपनी अपनी आय से लगाएगी जिसे इक्विटी कहा जाता है। इस तरह बड़े पैमाने पर स्ट्रक्चर सुधार का खर्च पूरा किया जाएगा। भारत में अगले वर्षों में हवाई यात्रा काफी तेजी से बढ़ने वाली है। उम्मीद है कि 2030 तक देश में हर साल 300 मिलियन यानी तीस करोड़ लोग उड़ान भरेंगे। अडाणी ग्रुप अपनी क्षमता को 200 मिलियन तक बढ़ाकर इस पूरे विकास में बहुत बड़ी भूमिका निभाएगा। इससे कंपनी की पकड़ भारतीय विमानन बाजार पर मजबूत होगी और उसकी एयरपोर्ट यूनिट का आईपीओ और भी आकर्षक बन जाएगा। इस बड़े प्लान में नवी मुंबई एयरपोर्ट की 20 मिलियन यात्रियों की क्षमता और गुवाहाटी एयरपोर्ट को 11 मिलियन क्षमता शामिल नहीं है। मतलब ये दोनों एयरपोर्ट पहले से अलग गिने गए हैं, और जो नया विस्तार हो रहा है वह इस अलग हट कर है।

एपिस इंडिया के शेयरधारकों की बल्ले-बल्ले.........हर 1 शेयर पर 24 फ्री शेयर देगी

एपिस इंडिया ने बोनस शेयर की रिकॉर्ड डेट 5 दिसंबर 2025 तय

मुंबई। मल्टीबैगर कंपनी एपिस इंडिया अपने शेयरधारकों को बड़ा तोहफा देने वाली है। एफएमसीजी कंपनी एपिस इंडिया अपने शेयरधारकों को 24ः1 के रेशियो में बोनस शेयर बांटने वाली है। यानी, कंपनी हर 1 शेयर पर 24 फ्री शेयर बांटेगी। एपिस इंडिया ने बोनस शेयर की रिकॉर्ड डेट 5 दिसंबर 2025 तय की है। कंपनी अपने निवेशकों को दूसरी बार बोनस शेयर का तोहफा दे रही है। एपिस इंडिया के शेयरों में पिछले कुछ साल में तूफानी तेजी आई है। कंपनी के शेयर 5500 प्रतिशत से ज्यादा उछल गए हैं। मल्टीबैगर कंपनी एपिस इंडिया के शेयर 5593 प्रतिशत उछल गए हैं। कंपनी के शेयर 13 अक्टूबर 2022 को 20.25 रुपये पर थे।

एपिस इंडिया के शेयर 1 दिसंबर 2025 को बीएसई में 1152.75 रुपये पर बंद हुए हैं। पिछले 3 साल में कंपनी के शेयरों में 4376 प्रतिशत की जोरदार तेजी देखने को मिली है। वहीं, पिछले दो साल में एपिस इंडिया के शेयर 1303 प्रतिशत उछल गए हैं। इस साल 11 अप्रैल के बाद से कंपनी के शेयरों में 311 प्रतिशत की तेजी आई है। एपिस इंडिया के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 1152.75 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 280.40 रुपये है। एपिस इंडिया अपने शेयरधारकों को पहले भी बोनस शेयर का तोहफा दे चुकी है।

कंपनी ने दिसंबर 2010 में अपने निवेशकों को 323ः100 के अनुपात में बोनस शेयर दिए थे। यानी, कंपनी ने हर 100 शेयर पर 323 बोनस शेयर बांटे थे। कंपनी में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 74.72 प्रतिशत है, जबकि पब्लिक शेयरहोल्डिंग 25.28 पर्सेंट है। एपिस इंडिया का मार्केट कैप 635 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है।

रुपया अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंचा

नई दिल्ली। भारतीय रुपया बुधवार को 25 पैसे की गिरावट के साथ ही अपने अब तक के सबसे निचले स्तर 90.19 पर बंद हुआ। आज सुबह रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले आज पहली बार 90 रुपये के स्तर के ऊपर पहुंच गया। आज शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 9 पैसे नीचे आकर 90.05 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर फिसल गया। इससे वह और कमजोर हुआ है। अमेरिका के साथ व्यापार और पोर्टफोलियो में आई कमजोरी के साथ ही कारोबारी करार नहीं होने से भी बाजार पर दबाव पड़ा है। इससे पहले मंगलवार को रुपया इंट्रा-डे कारोबार में 89.94 के नए रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचा और नियमित स्पॉट ट्रेडिंग के बाद इंटरबैंक ऑर्डर-मैचिंग प्लेटफॉर्म पर 90 प्रति डॉलर के स्तर से भी आगे निकल गया। भारतीय रिजर्व बैंक पांचवें कारोबारी सत्र में डॉलर के मुकाबले रुपया नीचे आया है।

आईसीआईसीआई प्रुडेंशियल एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड को आईपीओ के लिए सेबी से मिली मंजूरी

रांचीः मुंबई स्थित आईसीआईसीआई प्रुडेंशियल एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड को पूंजी बाजार नियामक सेबी (सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया) से इसके इनिशियल पब्लिक ऑफर (आईपीओ) के लिए अंतिम मंजूरी मिल गई है।

कंपनी ने 8 जुलाई, 2025 को सेबी के पास अपने आईपीओ दस्तावेज जमा किए थे।

यह आईपीओ प्रमोटर- प्रुडेंशियल कॉर्पोरेशन होल्डिंग्स द्वारा ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के रूप में होगा।

डीआरएचपी जमा करने की तारीख तक कंपनी का सब्सक्राइब्ड और पेड-अप शेयर कैपिटल 17,652,090 इक्विटी शेयर था। इसकी फेस वैल्यू 1 रुपए है। प्रस्तावित बोनस इश्यू पूरा होने के बाद कंपनी की जारी, सब्सक्राइब्ड और पेड-अप इक्विटी शेयर कैपिटल 1 रुपए फेस वैल्यू वाले 176,520,900 इक्विटी शेयरों से बढ़कर 1 रुपए फेस वैल्यू वाले 494,258,520 इक्विटी शेयर हो जाएगी।

प्रस्तावित बोनस इश्यू होने के बाद (यदि होता है), तो प्रुडेंशियल कॉर्पोरेशन होल्डिंग्स द्वारा ऑफर किए जाने वाले शेयरों की संख्या अधिकतम 49,425,852 इक्विटी शेयर होगी। हर शेयर की फेस वैल्यू 1 रुपए ही रहेगी।

आईसीआईसीआई प्रुडेंशियल एएमसी, आईसीआईसीआई बैंक और प्रुडेंशियल कॉर्पोरेशन होल्डिंग्स लिमिटेड का जॉइंट वेंचर है, जो 1998 से चल रहा है। यह कंपनी म्यूचुअल फंड के सक्रिय क्वार्टरली एवरेज एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (क्यूएएयूएम) के आधार पर भारत की सबसे बड़ी एसेट मैनेजमेंट कंपनी है, जिसकी बाजार हिस्सेदारी 31 मार्च, 2025 तक 13.3% है (सोर्सः क्रिसिल रिपोर्ट)। 31 मार्च, 2025 त 1 क कंपनी का कुल म्युचुअल फंड क्यूएएयूएम 8,79,410 करोड़ रुपए था।

31 मार्च, 2025 तक, कंपनी के पास भारत में एसेट मैनेजमेंट कंपनियों में इक्विटी और इक्विटी-ओरिएंटेड स्कीम्स के क्यूएएयूएम का सबसे अधिक मार्केट शेयर 13.4% था (स्रोतः क्रिसिल रिपोर्ट)। इसके इक्विटी-ओरिएंटेड हाइब्रिड स्कीम्स का भी 31 मार्च, 2025, 2024 और 2023 तक भारत में सबसे बड़ा मार्केट शेयर था (स्रोतः क्रिसिल रिपोर्ट)।

31 मार्च 2025 तक, कंपनी के पास इक्विटी-ओरिएंटेड हाइब्रिड स्कीम्स के क्यूएएयूएम का म्युचुअल फंड इंडस्ट्री में सबसे अधिक मार्केट शेयर 25.3% था (स्रोतः क्रिसिल रिपोर्ट)। 31 मार्च, 2025 तक, कंपनी का म्युचुअल फंड मंथली एवरेज एसेट अंडर मैनेजमेंट (एमएएयूएम), जो व्यक्तिगत निवेशकों (रिटेल निवेशक और हाई-नेट-वर्थ इंडिविजुअल्स सहित) से संबंधित था, 5,65,820 करोड़ रुपए था।

यह भारतीय म्युचुअल फंड इंडस्ट्री में सबसे अधिक व्यक्तिगत निवेशक एमएएयूएम था, जिसका मार्केट शेयर 13.8% था (स्रोतः क्रिसिल रिपोर्ट)। म्युचुअल फंड बिजनेस के अलावा, कंपनी का अल्टरनेट्स बिजनेस भी तेजी से बढ़ रहा है, जिसमें पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विसेज (पीएमएस), अल्टरनेटिव इन्वेस्टमेंट फंड्स (एआईएफ) का मैनेजमेंट और ऑफशोर क्लाइंट्स को एडवाइजरी सर्विसेज (पीएमएस, एआईएफ और एडवाइजरी को सामूहिक रूप से अल्टरनेट्स कहा जाता है) शामिल हैं। वित्त वर्ष 2025 में कंपनी का ऑपरेशंस से मिला रेवेन्यू 4,977.3 करोड़ रुपए था, जबकि वित्तीय वर्ष 2023 में यह 2,837.4 करोड़ रुपए था। वित्त वर्ष 2025 में कंपनी का नेट प्रॉफिट 2,650.6 करोड़ रुपए था, जबकि वित्त वर्ष 2023 में यह 1,515.8 करोड़ रुपए था।

एसबीआई बैंक के शेयरों में 2025 की शुरुआत से अब तक 25 फीसदी की बढ़त

ब्रोकरेज का अनुमान एसबीआई शेयर में तेजी आगे भी जारी रह सकती है

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक के शेयरों ने 2025 में निवेशकों को अच्छा रिटर्न दिया है। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक ने 2025 की शुरुआत से अब तक करीब 25 फीसदी की बढ़त दर्ज की है और इसने निफ्टी 50 इंडेक्स में शामिल प्राइवेट सेक्टर के सभी बैंकों को पीछे छोड़ दिया है। एसबीआई शेयर में तेजी पिछले कुछ सालों से जारी है। साल 2023 में इस शेयर में 5फीसदी का उछाल आया था तो 2024 इसने 23फीसदी रिटर्न दिया था। एसबीआई शेयर में तेजी आगे भी जारी रह सकती है, ऐसा ब्रोकरेज का अनुमान है। यही वजह है कि ब्रोकरेज हाउस सीएलएसए, एचएसबीसी, एक्सिस सिक्योरिटीज और नोमुरा ने एसबीआई शेयर को 'बाय' रेटिंग दी है। एसबीआई शेयर में आई तेजी की वजह बैंकिंग सेक्टर में मौलिक सुधार, आर्थिक स्थिरता और बेहतर क्रेडिट साइकल है। घरेलू और वैश्विक स्तर पर संस्थागत निवेशकों की बढ़ती दिलचस्पी भी एसबीआई की वैल्यूएशन को सपोर्ट कर रही है। बाजार जानकारों का कहना है कि भारतीय अर्थव्यवस्था के मजबूत बने रहने, हाल में हुए जीएसटी स्लैब कटौती से उपभोक्ता खर्च में उछाल की संभावना और भारतीय रिजर्व बैंक का 2026 में जीडीपी ग्रोथ 6.8फीसदी और 2027 में 6.6 फीसदी रहने का अनुमान बैंकिंग सेक्टर के लिए सकारात्मक वातावरण तैयार कर रहा है और इसका सबसे ज्यादा फायदा एसबीआई को होगा। फोर्ट कैपिटल के पराग ठक्कर का कहना है कि एसबीआई बैंक की 43 लाख करोड़ की लोन बुक भारत की कुल लोन बुक का करीब 23-24 फीसदी है, जबकि एसबीआई अभी भी 12-14फीसदी की गति से बढ़ रहा है और क्रेडिट कॉस्ट मात्र 50 बेसिस पॉइंट है।

शेयर बाजार हल्की गिरावट पर बंद

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही मुनाफावसूली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 31.46 अंक टूटकर 85,106.81 अंकों पर बंद हुआ। इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 46.20 अंक फिसलकर 25,986.00 अंकों पर बंद हुआ। आज ज्यादातर कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये। वहीं गत दिवस भी बाजार नीचे आया था।

बुधवार को सेंसेक्स की 30 में से केवल 10 कंपनियों के शेयरों में ही बढ़त रही। वहीं शेष सभी 20 कंपनियों के शेयर नीचे आये। इसी तरह निफ्टी की 50 में से केवल 13 कंपनियों के शेयर बढ़त पर बंद हुए जबकि बची हुई सभी 37 कंपनियों के शेयर गिरावट पर बंद हुए। सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल टीसीएस के शेयर सबसे ज्यादा 1.41 फीसदी बढ़त के साथ बंद हुए। जबकि बीईएल के शेयर आज सबसे ज्यादा 2.13 फीसदी नीचे आये।

सेंसेक्स की अन्य कंपनियों में आज आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, इंफोसिस, एक्सिस बैंक, टेक महिंद्रा, पावरग्रिड, एचसीएल टेक के शेयर बढ़त पर बंद हुए जबकि आज महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाइटन, एनटीपीसी, एसबीआई, अडाणी पोर्ट्स 1.13, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, बजाज फिनसर्व आदि के शेयर गिरावट पर बंद हुए। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुलने के बाद नीचे आये। सेंसेक्स हल्की तेजी के साथ ही 85,150 अंक पर खुला। खुलने के कुछ ही देर में इसमें गिरावट आने लगी। सुबह ये 197.27 अंक करीब 0.23 फीसदी फिसलकर 84,941 पर कारोबार कर रहा था।

वहीं दूसरी ओर निफ्टी सपाट रुख के साथ तकरीबन 26,004

अंक पर खुला। यह 26 हजार के स्तर से नीचे आया है। सुबह यह 57.85 अंक करीब 0.22 फीसदी की गिरावट के साथ ही 25,974 पर कारोबार कर रहा था। ज्यादातर एशियाई बाजार बुधवार को हरे निशान पर थे। वॉल स्ट्रीट में टेक्नोलॉजी शेयरों में उछाल और क्रिप्टोकरेंसी में तेजी से एशियाई बाजारों पर भी दिखा। जापान का निक्केई 225 0.76 फीसदी बढ़ा। हालांकि व्यापक टॉपिक्स 0.31 फीसदी गिरा। दक्षिण कोरिया में कोस्पी 1.06 फीसदी ऊपर आया जबकि ऑस्ट्रेलिया के एसएंडपी/एएसएक्स में 200 0.32 फिसदी मजबूती आई। अमेरिकी स्टॉक फ्यूचर्स एशिया के शुरुआती कारोबार में स्थिर रहे। प्रमुख अमेरिकी बेंचमार्क आज उछाल के बाद टिके रहे। डॉव 0.39 फीसदी बढ़ा, एसएंडपी 500 में 0.25 फीसदी की बढ़त हुई और नैस्डैक 0.59 फिसदी उछला।

अमेरिका में की 18 ट्रिलियन डॉलर निवेश की घोषणा, महंगाई में आएगी कमी

-ट्रंप का दावा- उनके कार्यकाल में अर्थव्यवस्था में अब तक का सबसे बड़ा सुधार हुआ

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उनके कार्यकाल में देश की अर्थव्यवस्था में अब तक का सबसे बड़ा सुधार हुआ है। अमेरिका में अभी तक करीब 18 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा के निवेश की नई घोषणाएं की गई हैं। उन्होंने दावा किया कि महंगाई में कमी आ रही है और टैक्स को लेकर बड़े बदलाव हुए हैं। यह सब अमेरिका में रहने वाले भारतीय मूल के पेशेवरों, कारोबारियों और टेक्नॉलोजी क्षेत्र के लोगों के लिए खास महत्व रखता है। एक लम्बी कैबिनेट बैठक में ट्रंप ने पिछली सरकार की आर्थिक स्थिति की तुलना अपने कामकाज से की और कहा कि यह साल कई रिकॉर्ड तोड़ रहा है। उन्होंने कहा कि सिर्फ 10 महीने में 18 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा के निवेश कमिटमेंट हासिल हुए हैं, जो इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ। ट्रेजरी सेक्रेटरी ने कहा कि देश में कंपनियों और निवेशकों का पैसा तेजी से आ रहा है, जिससे कंपनियों का पूंजी खर्च करीब 15 फीसदी बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि सरकार के बड़े टैक्स सुधार जिसे ट्रंप ने ‘वन बिग, ब्यूटिफुल बिल’ कहा है। उसके कारण कंपनियों को 100 फीसदी खर्च घटाने की सुविधा मिली है और टिप, ओवरटाइम और सोशल सिक्योरिटी पर टैक्स हटा दिया गया है। ट्रेजरी सेक्रेटरी के मुताबिक इससे आम अमेरिकियों की जेब में ज्यादा पैसा जाएगा और महंगाई से राहत मिलेगी। भारतीय-अमेरिकी कारोबारी, इंजीनियर, आईटी विशेषज्ञ, छोटे मैन्युफैक्चरर और डॉक्टर अमेरिका के उच्च-कौशल क्षेत्रों में बड़ी संख्या में हैं। वे इन टैक्स सुधारों, नियमों में ढील और बड़े निवेश पर नजर रखे हुए हैं। कॉमर्स सेक्रेटरी ने उन बदलावों के बारे में बताया जो ऑटो, टेक्नोलॉजी, सेमीकंडक्टर और फार्मास्यूटिकल्स सहित उन इंडस्ट्रीज पर सीधे असर डाल सकते हैं जिनमें इंडियन अमेरिकन की अहम हिस्सेदारी है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने वैश्विक व्यापार का नक्शा बदल दिया है और सेमीकंडक्टर उद्योग में 300 बिलियन डॉलर का निवेश घोषित हो चुका है, जो अगले 60 दिनों में 750 बिलियन डॉलर पहुंच सकता है।

भारत के उत्पादन सेक्टर को मजबूत करने के लिए नवाचार और दक्षता है जरूरीः पीयूष गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को नई दिल्ली में भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के इंडियाएज 2025 कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नवाचार, गुणवत्ता, डिजाइन, स्थिरता और दक्षता के महत्व पर जोर दिया, जो भारत की विनिर्माण प्रतिस्पर्धा के प्रमुख चालक हैं।

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अपने संबोधन में उन क्षेत्र की पहचान करने की जरूरत पर जोर दिया, जहां घरेलू क्षमता और आपूर्ति श्रृंखला पर ज्यादा नियंत्रण जरूरी है। उन्होंने आगे कहा कि विनिर्माण उत्पादन बढ़ाने के लिए उद्योग का साथ मिलना बहुत जरूरी है कहा कि विनिर्माण में विकास से सेवाओं में विकास और तेज होगी। गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार देश की आर्थिक तरक्की में मदद करने के लिए एक साफ विजन के साथ काम कर रही है।

उन्होंने खेती, सर्विस और उत्पादन में हाल के विकास के रुझान का जिक्र किया। वाणिज्य मंत्री ने कहा कि देश का विनिर्माण आउटपुट इलेक्ट्रॉनिक्स, व्हाइट गुड्स, केमिकल्स और पेट्रोकेमिकल्स जैसे नए एरिया में विविधता हुआ है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने कारोबार बढ़ाने के लिए उत्पादन में तेजी लाने पर सेशन को संबोधित करते हुए कहा कि आजकल नवाचार पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है, जिससे हम कई उत्पाद श्रेणी में आत्मनिर्भर बन सकेंगे। उन्होंने कहा कि ज्यादा मजबूती बनाने के लिए हमें सप्लाई चेन को अपने नियंत्रण में लेना होगा। गोयल ने कहा कि हमने कृषि, सेवाएं और विनिर्माण में तेज ग्रोथ देखी है, हम लगभग हर क्षेत्र में आगे बढ़े हैं।

आर्थिक तरक्की में मदद करने के लिए एक साफ विजन के साथ काम कर रही है।
उन्होंने खेती, सर्विस और उत्पादन में हाल के विकास के रुझान का जिक्र किया। वाणिज्य मंत्री ने कहा कि देश का विनिर्माण आउटपुट इलेक्ट्रॉनिक्स, व्हाइट गुड्स, केमिकल्स और पेट्रोकेमिकल्स जैसे नए एरिया में विविधता हुआ है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने कारोबार बढ़ाने के लिए उत्पादन में तेजी लाने पर सेशन को संबोधित करते हुए कहा कि आजकल नवाचार पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है, जिससे हम कई उत्पाद श्रेणी में आत्मनिर्भर बन सकेंगे। उन्होंने कहा कि ज्यादा मजबूती बनाने के लिए हमें सप्लाई चेन को अपने नियंत्रण में लेना होगा। गोयल ने कहा कि हमने कृषि, सेवाएं और विनिर्माण में तेज ग्रोथ देखी है, हम लगभग हर क्षेत्र में आगे बढ़े हैं।

पुतिन के भारत दौरे से पहले फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के राजदूतों ने तोड़ी कूटनीतिक 'मयार्दा'

नीरज कुमार दुबे

हम आपको बता दें कि फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के राजदूतों– थियेरी मथु, फिलिप अकरमैन और लिन्डी कैमरन ने सोमवार को एक प्रमुख भारतीय समाचार पत्र में संयुक्त लेख प्रकाशित किया, जिसमें उन्होंने राष्ट्रपति पुतिन पर यूक्रेन में शांति प्रयासों को बाधित करने का आरोप लगाया।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की नयी दिल्ली यात्रा से पहले एक अप्रत्याशित कूटनीतिक विवाद उभर कर सामने आया है। दरअसल फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के राजदूतों ने पुतिन की आलोचना करते हुए संयुक्त रूप से एक लेख लिखा है जिस पर भारत ने कड़ी आपत्ति जताई है। वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों का कहना है कि यह कदम 'असामान्य' है और 'स्वीकार्य कूटनीतिक व्यवहार के दायरे से बाहर' है।

हम आपको बता दें कि फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के राजदूतों– थियेरी मथु, फिलिप अकरमैन और लिन्डी कैमरन ने सोमवार को एक प्रमुख भारतीय समाचार पत्र में संयुक्त लेख प्रकाशित किया, जिसमें उन्होंने राष्ट्रपति पुतिन पर यूक्रेन में शांति प्रयासों को बाधित करने का आरोप लगाया। लेख में लिखा था कि 'दुनिया चाहती है कि युद्ध समाप्त हो, लेकिन रूस गंभीर नहीं दिखता'। तीनों राजदूतों ने लेख में भारत की स्थिति का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री मोदी के कथन– 'समाधान युद्धभूमि पर नहीं मिल सकता', को भी उद्धृत किया। भारतीय विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने इस लेख को अनुचित बताया और कहा कि किसी तीसरे देश के नेता की भारत यात्रा से ठीक पहले इस तरह की सार्वजनिक टिप्पणी 'कूटनीतिक संवेदनशीलता' के विरुद्ध है। अधिकारियों के अनुसार, भारत ने इस असामान्य कदम को 'नोट' किया है।

देखा जाये तो फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के राजदूतों द्वारा संयुक्त रूप से प्रकाशित लेख केवल 'असामान्य' ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय कूटनीति की स्थापित मयार्दाओं के संदर्भ में एक गंभीर कूटनीतिक अशिष्टता माना जा रहा है। कूटनीति का मूल सिद्धांत यह है कि किसी मेजबान देश में पदस्थ राजनयिक किसी तृतीय देश के शीर्ष नेतृत्व की यात्रा के समय ऐसी सार्वजनिक टिप्पणियों से परहेज करें, जो उस यात्रा के उद्देश्य या वातावरण को प्रभावित कर सकती हों। राजनयिक आचार संहिता–विशेषकर वियना राजनयिक संबंध संधि (1961) की भावना स्पष्ट रूप से यह अपेक्षा रखती है कि राजदूत मेजबान देश की घरेलू या संवेदनशील द्विपक्षीय प्रक्रियाओं में न तो हस्तक्षेप करें और न ही सार्वजनिक रूप से ऐसा आभास होने दें। इस लिहाज से, तीनों यूरोपीय दूतों द्वारा प्रकाशित लेख न केवल भारत-रूस वार्ता के पूर्व निर्धारित कूटनीतिक संतुलन में अनावश्यक व्यवधान डालता है, बल्कि वह एक प्रकार की ऐसी पब्लिक डिप्लोमैसी का प्रयोग बन जाता है, जो किसी निष्पक्ष मध्यस्थ वातावरण को बाधित कर सकता है। कूटनीति का सार यही है कि संवाद बंद न हो और संवाद तभी निष्पक्ष माना जाएगा जब राजदूतों का सार्वजनिक आचरण समय, भाषा और उद्देश्य, तीनों में संयमित और संतुलित रहे।

तीनों राजदूतों के संयुक्त आलेख से एक सवाल यह भी उठता है कि क्या भारत-रूस निकटता से असहज हैं यूरोपीय देश? देखा जाये तो इस संयुक्त लेख के समय और स्वर से यह अनुमान लगाया जा सकता है कि यूरोपीय देशों में भारत-रूस रणनीतिक निकटता को लेकर एक प्रकार की अंतर्निहित असहजता साफ दिखाई दे रही है। यूक्रेन युद्ध के बाद जब पश्चिमी देशों ने रूस को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग करने का प्रयास किया था तब भारत ने अपने दीर्घकालिक सामरिक हितों और ऊर्जा सुरक्षा के आधार पर रूस के साथ संवाद और व्यापार को जारी रखा। इससे यूरोपीय राजधानियों में यह भावना बनी रही कि भारत, उनके व्यापक भू-राजनीतिक आकलन से अलग प्राथमिकताएँ रखता है। ऐसे में पुतिन की दिल्ली यात्रा से ठीक पहले तीन यूरोपीय राजदूतों का एकसाथ सार्वजनिक लेख लिखना एक संदेश-प्रधान कूटनीतिक कदम भी माना जा सकता है।

तीनों राजदूतों के संयुक्त आलेख से एक सवाल यह भी उठता है कि यूरोपीय राजदूतों ने ऐसा लेख किसी और देश में क्यों नहीं लिखा? देखा जाये तो यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद राष्ट्रपति पुतिन कई देशों की यात्राएं कर चुके हैं। मगर वहाँ तैनात यूरोपीय राजदूतों ने इस तरह का सार्वजनिक लेख कभी नहीं लिखा। इससे यह प्रश्न और गहरा हो जाता है कि भारत को ही क्यों चुना गया? इसका एक संभावित उत्तर भारत के बढ़ते वैश्विक प्रभाव और पश्चिमी देशों के रणनीतिक चिंतन में उसकी केंद्रीय भूमिका से जुड़ा है। यूरोपीय देश भली-भाँति जानते हैं कि भारत आज ग्लोबल साउथ की सबसे प्रभावशाली आवाज है और ऊर्जा व सुरक्षा संतुलन में उसकी स्थिति निर्णायक है। इसलिए, भारत-रूस संबंधों की निरंतरता पश्चिम की दीर्घकालिक रणनीतियों को प्रभावित करती है। इसी संवेदनशीलता के चलते यूरोपीय दूतों ने यहाँ एक असामान्य सार्वजनिक हस्तक्षेप को चुना, जो यह दर्शाता है कि भारत की रूस-नीति को लेकर पश्चिम में विशेष चिंता है, भले ही वे इसे औपचारिक रूप से स्वीकार न करें।

बहरहाल, तीनों यूरोपीय राजदूतों द्वारा की गई इस कूटनीतिक अशिष्टता पर भारत को स्पष्ट रुख अपनाना चाहिए। एक ओर, भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि रूस के साथ उसकी दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी किसी बाहरी बयानबाजी से प्रभावित न हो; दूसरी ओर, मेजबान देश होने के नाते भारत को यह सुदृढ़ संदेश भी देना आवश्यक है कि कूटनीतिक मयार्दाओं का उल्लंघन स्वीकार नहीं किया जाएगा। विदेश मंत्रालय द्वारा एक औपचारिक डिमार्श या कड़े शब्दों में स्पष्टीकरण माँगना ऐसा कदम हो सकता है जो नियमों को रेखांकित करे बिना विवाद को बढ़ाए। इससे न केवल रूस को यह आश्वासन मिलेगा कि भारत अपने साझेदारों के प्रति सम्मानजनक और स्थिर रुख रखता है, बल्कि भारत में तैनात सभी देशों के राजनयिक समुदाय को भी यह स्पष्ट संकेत मिलेगा कि सार्वजनिक मंचों पर किसी संवेदनशील द्विपक्षीय घटना पर टिप्पणी करते समय वियना संधि की भावना और मेजबान देश की कूटनीतिक परंपराओं का पालन अनिवार्य है। इस संतुलित प्रतिक्रिया से भारत अपने हितों की रक्षा भी करेगा और कूटनीतिक अनुशासन की गरिमा भी बनाए रखेगा।

संपादकीय

एसआईआर एक घातक ड्रामा

क्या संसद में भी ड्रामा होता है? बेशक हमने संसद के भीतर हंगामे, हुल्लड़बाजी, आसन की ओर किताब फेंकना या सभापति का माइक तोड़ने की कोशिश करना, मेज पर चढ़ कर नृत्य करना आदि अराजकताएं और अनुशासनहीनता तो देखी है। ये शाश्वत हैं, क्योंकि विपक्ष ऐसा ही व्यवहार करता रहा है। यही उसकी संवैधानिकता मान ली गई है। भाजपा बिल्कुल भी अछूती नहीं है। संसद में हंगामा और कई-कई दिनों तक कार्यवाही को बाधित करने के उसके भी कीर्तिमान दर्ज हैं। चूंकि प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्ष को निशाना बनाते हुए, उस पर तंज कसते हुए, कहा है कि संसद ड्रामा की जगह नहीं है। ड्रामे के लिए पूरा देश खाली पड़ा है। संसद में तो 'डिलीवरी' होनी चाहिए। हम भी मानते हैं कि संसद में राष्ट्र-निर्माण के निर्णय लिए जाने चाहिए, लेकिन 12 मिनट में 4 विधेयक पेश कर दिए जाएं और एक पारित भी कर लिया जाए, तो यह कौन-सा ड्रामा है? याद करें, संसद के मानसून सत्र के दौरान करीब 15 मिनट में 12 बिल पारित कर लिए गए थे। ऐसा कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के दौरान भी होता रहा है, जब मिनटों में ही बिल पारित कर लिए गए। इस 'हम्माम' में सभी मौजूद हैं। कमोबेश यह संसदीय प्रणाली नहीं, संसद के नाम पर 'ड्रामा' है। संसद पक्ष-विपक्ष की आपसी विरोधी चर्चाओं, आरोपों-प्रत्यारोपों का सबसे बड़ा, गणतांत्रिक मंच है, क्योंकि सभी निर्वाचित सांसद होते हैं। प्रधानमंत्री भी पूरे देश के, विपक्ष के भी, प्रधानमंत्री हैं, लिहाजा उन्हें निर्वाचित सांसदों के लिए गरिमामय, शालीन, सौम्य, संसदीय भाषा का इस्तेमाल करना चाहिए। 'ड्रामा' ऐसा शब्द नहीं है। चुनावी पराजय की हताशा, झुंझलाहट, कुंठा आदि की बात भी राजनीतिक या चुनावी मंचों तक ही सीमित रखनी चाहिए। संसद के मायने ही अलग हैं। दरअसल 'ड्रामा' तो 'एसआईआर' (विशेष गहन पुनरीक्षण) और चुनाव आयोग के नाम पर खेला जा रहा है। बीते कल एक वीडियो टीवी चैनलों पर प्रसारित होता रहा। उप्र के एक बीएलओ ने आत्महत्या से पहले यह वीडियो बनाया था। वीडियो में बीएलओ अपनी मां से बार-बार माफी मांग रहा है और चार छोटी-छोटी बेटियों का ख्याल रखने की गुहार कर रहा है। वह व्यक्ति लगातार रो रहा है। कमोबेश इससे ज्यादा मार्मिक और पीड़ित दृश्य नहीं हो सकता, लेकिन ऐसी आत्महत्याओं के बाद भी चुनाव आयोग दावे करता रहा है कि सब कुछ 99 फीसदी हो रहा है। लानत है ऐसी संवैधानिक व्यवस्था पर! संसद में ड्रामा यह किया गया है कि 14 दिसंबर, 1988 की तत्कालीन स्पीकर बलराम जाखड़ (प्रधानमंत्री राजीव गांधी थे) की रूलिंग का हवाला देते हुए सरकार ने संसद में एसआईआर और चुनाव आयोग की भूमिका पर, किसी भी नियम के तहत, चर्चा कराने से इंकार कर दिया है। क्या स्पीकर की रूलिंग और चुनाव आयोग सरीखी संवैधानिक, स्वायत्त संस्था संसद के लिए कोई संवैधानिक विवशता है कि उन्हें लांघा नहीं जा सकता? संसद सर्वोच्च अदालत की संविधान पीठ के फैसले को तो पलट सकती है, लेकिन स्पीकर की रूलिंग लक्ष्मण-रेखा है। दरअसल कोई संवैधानिक बाध्यता अथवा लकीर नहीं है। चुनाव आयोग का बजट संसद पारित करती है। कानून मंत्रालय इसे पेश करता है। आयोग के तीनों सर्वोच्च आयुक्त प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली कमेटी नियुक्त करती है। चूंकि अब सूत्र बता रहे हैं कि 'चुनाव सुधार' के बैनर तले, एसआईआर का नाम लिए बिना ही, संसद में इस मुद्दे पर बहस हो सकती है। विपक्ष का एक धड़ा इसके लिए सहमत है। एसआईआर के कारण अभी तक 40 मौतें (आत्महत्या समेत) हो चुकी हैं। क्या यह आंकड़ा चुनाव आयोग के आयुक्तों को नहीं झकझोरता? क्या इससे भी अधिक घातक कोई व्यवहार और उसका ड्रामा हो सकता है?

चिंतन-मनन

अनुभव का लाभ

एक विदेशी राजा ने भारत पर आक्रमण करना चाहा। उसने सोचा कि आक्रमण से पूर्व यह जान लेना चाहिए कि उस राजा के पास कोई बुद्धिमान व्यक्ति है या नहीं? उस राजा ने सुरमे की एक डिबिया देकर एक दूत भेजा। उस डिबिया में दो आंखों में ही लगाने लायक सुरमा था। वह सुरमा अंधे को आंख देने में समर्थ था। दूत आया। दूत ने कहा, दो आंखों में ही आ जाए, इस डिबिया में इतना-सा सुरमा है। हमें इसकी अधिक आवश्यकता है। आपके पास हो तो हमें दें। या इस सुरमे के आधार पर कोई व्यक्ति ऐसा ही सुरमा बना सके तो हम उस आदमी को अपने साथ ले जाना चाहेंगे।

राजा ने मंत्रियों से सलाह ली। किन्तु ऐसा सुरमा कौन बना सके? किसी को समाधान नहीं आया। राजा ने सोचा, एक बूढ़ा मंत्री था, जो अभी सेवानिवृत्त हुआ है, उससे पूछा जाए। राजा ने उसे बुला भेजा। वह अंधा हो गया था। वह आया। मंत्री ने डिबिया ली। एक आंख में सुरमा लगाया। कुछ ही क्षणों बाद उसे दिखने लगा। जो शेष सुरमा बचा था, उसे अपनी जीभ पर रख लिया। स्वाद से उसने सुरमे के सारे द्रव्यों का विश्लेषण कर लिया। घर जाकर वैसा ही सुरमा बनाया। परीक्षण के लिए अपनी दूसरी आंख में उसे लगाया। आंख खुल गई। उसने शेष सुरमा डिबिया में भरकर दूत से कहा, जाओ, अपने सम्राट से कहना कि ऐसा सुरमा जितना चाहे यहां से मंगा लें। दूत गया। सम्राट को वृत्तान्त सुनाया। सम्राट ने सोचा, जिस देश में ऐसे अनुभवी और वृद्ध रहते हैं, इतने बुद्धिमान मंत्री हैं, उस देश पर आक्रमण करना भयंकर भूल होगी।

हर लहर पर तिरंगा : नौसेना का अदम्य जोश और जज्बा

दिलीप कुमार पाठक

भारतीय नौसेना का इतिहास 1612 में शुरू हुआ था, जब ईस्ट इंडिया कंपनी ने अपने हितों की रक्षा के लिए समुद्री बल का गठन किया था। समय के साथ यह बल भारतीय नौसेना के रूप में विकसित हुआ। 1950 में रॉयल इंडियन नौसेना का नाम बदलकर भारतीय नौसेना रखा गया। भारतीय नौ सेना दुनिया की सबसे ताकतवर सेनाओं में गिनी जाती है, हर साल 4 दिसंबर को नौसेना दिवस मनाते हुए भारत का सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है। यह दिन कैलेंडर पर सिर्फ एक तारीख नहीं है, यह हमारे नौसैनिक योद्धाओं की अटूट भावना और बेमिसाल साहस का प्रतीक है ' भारतीय नौसेना दिवस, नौसेना की बहादुरी, और समर्पण का सम्मान करता है। यह ऑपरेशन ट्राइडेंट की सफलता की स्मृति में मनाया जाता है, जब 4 दिसम्बर 1971 भारत-पाक युद्ध के दौरान नौसेना ने पाकिस्तान के कराची नौसेना मुख्यालय को सफलतापूर्वक निशाना बनाया था, इस अभियान का नेतृत्व कमोडोर के.पी. गोपाल राव ने किया था, जिसमें आईएनएस वीर, आईएनएस निपट और आईएनएस निर्घात जैसे मिसाइल बोट्स का उपयोग कर तीन पाकिस्तानी जहाजों को डुबो दिया गया और भारी नुकसान पहुंचाया गया था ' इस हमले में पाकिस्तान के लगभग 300 सैनिक मारे गए और 700 घायल हुए थे ' इस ऑपरेशन को ऑपरेशन ट्राइडेंट के नाम से जाना जाता है ' इस हमले में पाकिस्तान को बहुत भारी नुकसान हुआ था, कराची बंदरगाह के ईंधन भंडार को काफी नुकसान हुआ था ' कहा जाता है कि इस हमले का आदेश बंद लिफाफे में नौसेना के पास पहुंचा था ' भारत ने अपने तीन युद्धपोतों आईएनएस निपत, आईएनएस निरघट और आईएनएस वीर की सहायता से कराची बंदरगाह पर हमला किया, भारत से युद्धपोत गुजरात के ओखा पोर्ट से पाकिस्तान के लिए दोपहर 2 बजे रवाना हुए थे ' भारतीय नौसेना ने पाकिस्तान के पीएनएस खैबर, पीएनएस शाहजहां और पीएनएस मुहाफिज को जलसमाधि बना दी थी ' चूंकि पूर्व और पश्चिम पाकिस्तान के बीच एकमात्र लिंक समुद्र के रास्ते था, इसलिए भारत ने पाकिस्तान की समुद्री क्षमता पर प्रहार करने का फैसला किया ' पाकिस्तान के पास रात के लड़ाकू विमान नहीं थे, इसलिए सूर्यास्त के बाद ऑपरेशन को अंजाम दिया गया ' इस हमले ने पाकिस्तान के प्रमुख ईंधन भंडार और गोला-बारूद के भंडार को नष्ट कर दिया ' हमलावर जहाजों के समूह को किलर स्क्वाड्रन के रूप में जाना जाता है ' युद्ध 16 दिसंबर 1971 को पूर्वी पाकिस्तान की मुक्ति के साथ समाप्त हुआ, जिसे अब बांग्लादेश के रूप में जाना जाता है ' इस ऑपरेशन की सफलता बड़ी इसलिए भी मानी जाती है क्योंकि कोई भारतीय नाविक नहीं मारा गया था, साल 1971 के भारत पाकिस्तान युद्ध में पहली बार पाकिस्तानी जहाज पर एंटी-शिप मिसाइल से हमला किया गया था ' ऑपरेशन ट्राइडेंट के ठीक तीन दिन बाद ऑपरेशन पायथन किया गया ' हमले में फिर से कोई भारतीय नाविक नहीं मारा गया, जबकि ऑपरेशन पाकिस्तानी बेड़े के टैंकर पीएनएस ढाका को नुकसान पहुंचाने में कामयाब रहा ' भारतीय नौसेना का प्राथमिक उद्देश्य समुद्री सीमाओं की रक्षा करने के साथ-साथ आवश्यकता के समय सद्भावना यात्राओं और मानवीय मिशनों को पूरा करके देश के द्विपक्षीय संबंधों को सुधारने में सहायता करना है ' हर साल, नौसेना दिवस भारत के नौसैनिक बल की वीरता, उपलब्धि और भूमिका की कहानी कहते हैं '

यह ऑपरेशन ट्राइडेंट की शानदार सफलता को याद करने का दिन है, जो 1971 के भारत-पाक युद्ध में समुद्री युद्ध को फिर से परिभाषित करने वाला एक साहसी मिशन था। इस अद्वितीय बहादुरी के कार्य ने न केवल युद्ध को भारत के पक्ष में झुका दिया, बल्कि समुद्री इतिहास के पन्नों में भारतीय नौसेना का नाम भी दर्ज कर दिया। नौसेना दिवस सिर्फ अतीत के गौरव का स्मरणोत्सव नहीं है। यह वर्तमान संकल्प और भविष्य की आकांक्षाओं के धागों से बुना गया एक जीवंत चित्रपट है। यह हमारी समुद्री सीमाओं की सुरक्षा, हमारे व्यापार मार्गों की सुरक्षा और हमारे द्वीप क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नौसेना की अटूट प्रतिबद्धता को स्वीकार करने का दिन है। यह हमारे महासागरों को सुशोभित करने वाले तकनीकी चमत्कारों पर आश्चर्यचकित होने का दिन है - चुपके से चलने वाली पनडुब्बियां, भव्य विमान वाहक, फुर्तीले विध्वंसक और गहरे सागर के मूक रक्षक - ये सभी भारत की बढ़ती समुद्री शक्ति के प्रमाण हैं। नौसेना दिवस उन पुरुषों और महिलाओं के बारे में भी है जो इन मशीनों के पीछे मजबूती से खड़े हैं। यह उनके अटूट समर्पण, उनके अथक प्रयासों और प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करने में उनके अदम्य साहस के बारे में है। यह उन परिवारों के बारे में है जो उनके साथ खड़े हैं, ताकत और अटूट समर्थन का एक मूक स्तंभ हैं। इस दिन को मनाते हुए, आइए हम उन लड़ी गई लड़ाइयों और विजय को याद करें। आइए हम शहीद हुए वीरों का सम्मान करें और उन लोगों की अदम्य भावना को सलाम करें जो हमारी समुद्री सीमाओं की रक्षा करना जारी रखते हैं।

(लेखक पत्रकार हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

आत्महत्या करते विश्व गुरु भारत के 'गुरुजन'

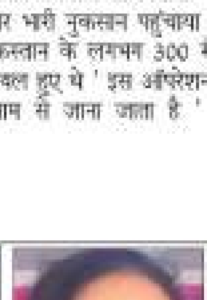

निर्मल रानी

मतदाता सूची के संशोधन के लिए देश के कई राज्यों में चलाया जा रहा विवादित विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) इन दिनों काफी चर्चा में है। एसआईआर को लेकर कथित तौर पर बरती जा रही अनियमिततायें तो चर्चा में हैं ही साथ ही इस अभियान के दौरान बड़ी संख्या में बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) की आत्महत्याओं के मामले भी सुर्खियों में हैं। अलग अलग रिपोर्ट्स के मुताबिक नवंबर-दिसंबर 2025 में कम से कम 12 से 20 बीएलओ ने आत्महत्या की है, जबकि आत्महत्या सहित हार्ट अटैक व स्ट्रोक आदि से 30 से अधिक बीएलओ की मृत्यु होने का समाचार है। आत्महत्या करने वाले कई बी एल ओ ने भले ही अपने सुसाइड नोट या आत्महत्या से पूर्व जारी अपने वी डी ओ सन्देश में स्पष्ट रूप से काम के भारी दबाव व तनाव की बात क्यों न की हो परन्तु चुनाव आयोग इन मौतों को एसआईआर से जोड़ने से इंकार करता है और इन्हें 'अन्य प्रकार के मामले' बताता है। आयोग ने इन मौतों को लेकर कुछ विपक्षी दलों द्वारा लगाए जा रहे आरोपों को 'राजनीतिक' करार देते हुये कहा है कि ये मौतें एसआईआर प्रक्रिया से सीधे जुड़ी नहीं हैं, और अधिकांश मामलों की जांच चल रही है।

बहरहाल एसआईआर प्रक्रिया व इसी दौरान बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) की आत्महत्याओं के सन्दर्भ में एक सबसे अहम बात यह है कि आत्महत्या करने वाले इन बूथ स्तरीय अधिकारियों में अधिकांशतः शिक्षक ही शामिल हैं? बीएलओ आमतौर पर सरकारी स्कूल शिक्षक ही होते हैं, क्योंकि चुनाव आयोग सरकारी कर्मचारियों, खासकर शिक्षकों को ही इस भूमिका के लिए नियुक्त करता है। तो क्या राष्ट्र निर्माण की धुरी समझे जाने वाले शिक्षक समाज की नौबत अब यहाँ तक आ पहुंची है कि उन्हें आत्महत्या करने पर मजबूर होना पड़ रहा है? वह भी किसी गैर शिक्षण संबंधी कार्य का निर्वहन करते हुये? इन घटनाओं ने एक बार फिर यह बहस छेड़ दी है कि क्या देश के 'गुरुजनों' को ऐसी सरकारी ड्यूटी पर लगाना चाहिये जहाँ न केवल उन्हें तनावग्रस्त होना पड़े बल्कि उनकी ड्यूटी के दौरान बाधित होने वाले शिक्षण कार्यों से भी देश के छात्रों का भविष्य प्रभावित हो?

भारत सरकार या चुनाव आयोग की नजरों में शिक्षक की अहमियत क्या है यह तो सरकार व चुनाव आयोग की उदासीनता से बखूबी समझा जा सकता है। परन्तु भारत रत्न ए पी जे अब्दुल कलाम की नजरों में शिक्षक का महत्व क्या है यह विभिन्न अवसरों पर उन्होंने बयान किया है। अब्दुल कलाम शिक्षकों को समाज का सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ मानते थे। वे अक्सर कहते रहते थे कि 'शिक्षक राष्ट्र-निर्माता होते हैं' कलाम साहब कहते थे कि 'शिक्षक वो नहीं जो छात्र के दिमाग में तथ्य ठूँसे, बल्कि एक अच्छा शिक्षक वो है जो छात्र के दिमाग में रचनात्मकता की लौ जलाए। शिक्षक का काम सिर्फ पढ़ाना नहीं, बल्कि छात्रों के अंदर सपने जगाना और उन्हें पंख देना है।' कलाम साहब का मानना था कि 'अगर कोई देश भ्रष्टाचार-मुक्त और सुन्दर मन वाला समाज चाहता है, तो मुझे पूरा यक़ीन है कि समाज के तीन सदस्य इसमें बड़ी भूमिका निभा सकते हैं ड्ड माँ, पिता और गुरु।' यहाँ तक कि शिलांग में अपने जीवन के अंतिम क्षणों में दिये गये अपने अंतिम भाषण में भी उन्होंने अपनी एक स्मृति का उल्लेख इन शब्दों में किया था - 'मुझे याद है मेरे शिक्षक ने कहा था - अगर तुम अच्छे शिक्षक बनो, तो तुम्हारा छात्र तुम्हें पार कर जाएगा। मैंने यही किया और आज मेरा छात्र (वे IIM शिलांग के छात्रों की ओर इशारा कर रहे थे) मुझे पार कर जाएगा। यह शिक्षक का सबसे बड़ा इनाम है। ड्ड कलाम साहब के लिए शिक्षक कोई नौकर नहीं, बल्कि वह राष्ट्र की आत्मा को गढ़ने वाले माली के समान है। वे मानते थे कि एक अच्छा शिक्षक पूरे देश के भविष्य को बदल सकता है। शायद यही वजह थी कि वे स्वयं को भारत रत्न, पूर्व राष्ट्रपति या मिसाईल मैन कहलवाना नहीं बल्कि प्रोफेसर कहलाना ज्यादा पसंद करते थे।

इस सन्दर्भ में हरियाणा सरकार के हाल ही में लिये गये उस फैसले की प्रशंसा करना जरूरी है जिसमें राज्य सरकार ने शिक्षकों को केवल शिक्षण कार्य और शिक्षण से जुड़ी गतिविधियों तक ही सीमित रखने का आदेश जारी किया है। यह फैसला शिक्षा के अधिकार अधिनियम-2009 की धारा 27 के तहत लिया गया है जिसमें चुनाव ड्यूटी, सर्वे, डेटा एंट्री जैसे गैर-शैक्षणिक कार्यों से शिक्षकों को मुक्त कर केवल स्कूलों में उनकी उपस्थिति सुनिश्चित की गई है। खबर तो यह है कि यह आदेश वार्षिक परीक्षाओं की तैयारी को ध्यान में रखते हुए जारी किया गया है। परन्तु यदि हरियाणा सहित देश के सभी राज्य इस प्रकार के स्थाई आदेश जारी करें तो सम्भवतः चुनाव, एसआईआर या जनगणना जैसे अन्य विभागों के काम के बोझ से दबकर आत्म हत्या किये जाने जैसी खबरों पर जरूर विराम लग सकेगा। परन्तु बड़े आश्चर्य की बात है कि 'गुरु' को लेकर तरह तरह के उपदेश देने व उनके सम्मान का दिखावा करने वाली सरकारों ने आज गुरु को उस अंजाम तक पहुंचा दिया है जहां उन्हें आत्म हत्या करनी पड़ रही है? आज क्यों नहीं याद आती सरकार को संत कबीर दास की वह वाणी जिसमें उन्होंने कहा था कि -'गुरू गोविन्द दोऊ खड़े, काके लागूं पांय। बलिहारी गुरू आपने गोविन्द दियो बताय। । अर्थात गुरु और गोविंद (भगवान) एक साथ खड़े हों तो किसे प्रणाम करना चाहिए - गुरू को अथवा गोविन्द को? ऐसी स्थिति में गुरू के श्री चरणों में शीश झुकाना उत्तम है जिनके कृपा रूपी प्रसाद से गोविन्द का दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। या फिर संत कबीर के ही यह वचन कि -गुरु बिन ज्ञान न उपजै, गुरु बिन मिलै न मोष। गुरु बिन लखै न सत्य को गुरु बिन मिटै न दोष। । अर्थात - हे सांसारिक प्राणियों। बिना गुरू के ज्ञान का मिलना असम्भव है।

तब तक मनुष्य अज्ञान रूपी अंधकार में भटकता हुआ मायारूपी सांसारिक बन्धनों मे जकड़ा रहता है जब तक कि गुरू की कृपा प्राप्त नहीं होती। मोक्ष रूपी मार्ग दिखलाने वाले गुरू ही हैं। बिना गुरू के सत्य एवं असत्य का ज्ञान नहीं होता। उचित और अनुचित के भेद का ज्ञान नहीं होता फिर मोक्ष कैसे प्राप्त होगा? अतः गुरू की शरण में जाओ। गुरू ही सच्ची राह दिखाएंगे। परन्तु कितना दुःखद है कि गुरु पूर्णिमा व शिक्षक दिवस के अवसर पर गुरु सम्मान का दिखावा करने वाली आज की सरकारों के दौर में विश्व गुरु भारत के 'गुरुजन ' स्वयं आत्महत्या करते दिखाई दे रहे हैं?

Printed and Published by Manish KUMAR KASHYAP,Run by Vananchal Media & Wefare Trust, behalf of Palace of Publication,BALIHARI ROAD, NEAR - KALYAN BHAWAN NEW AREA MORABADI RANCHI- 834008,Ranchi- Jharkhand, and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222,Jharkhand And Published at Palace of Publication,Ranchi- Jharkhand,, PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 Editor- Editor SHAHOOD ALAM. Email:vananchaleye@gmail.com

अभी मैं सिंगल हूं, कॅरियर पर फोकस कर रही हूं: नोरा फतेही

अपने रिश्तों को लेकर उड़ रही अफवाहों पर बॉलीवुड एक्ट्रेस नोरा फतेही ने साफ कहा है कि वह पूरी तरह सिंगल हैं और अपने करियर पर फोकस कर रही हैं। हालांकि, अतीत में उनका नाम कई सितारों के साथ जुड़ चुका है, जिनमें अभिनेता अंगद बेदी भी शामिल हैं। दोनों लंबे समय तक रिलेशनशिप में रहे, लेकिन समय के साथ उनका रिश्ता टूट गया। अंगद बेदी और नोरा फतेही कुछ साल पहले एक-दूसरे को डेट कर रहे थे। दोनों को कई इवेंट्स, पार्टियों और निजी मौकों पर साथ देखा गया था। उस समय अंगद फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने की कोशिश कर रहे थे, जबकि नोरा भी अपने करियर के बड़े मौके का इंतजार कर रही थीं। मीडिया में उनके रिश्ते की चर्चा खूब हुई, लेकिन दोनों ने इसे सार्वजनिक तौर पर स्वीकार करने से बचते रहे। साल 2018 में दोनों का रिश्ता खत्म हो गया और इसी साल अंगद बेदी ने अचानक अभिनेत्री नेहा धूपिया से शादी कर ली। उसी वर्ष दोनों बेटी मेहर के माता-पिता बने। वहीं, ब्रेकअप के बाद नोरा ने खुद को पूरी तरह काम में झोंक दिया और कुछ ही समय में बॉलीवुड की टॉप डांस परफॉर्मर्स में शामिल हो गईं। अंगद बेदी ने 2020 में दिए एक इंटरव्यू में नोरा के बारे में बात करते हुए कहा था कि वह एक प्यारी लड़की हैं और अपने करियर में शानदार काम कर रही हैं। उन्होंने नोरा की सफलता की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। दूसरी ओर, नोरा ने भी एक इंटरव्यू में अपनी लव लाइफ को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने स्वीकार किया कि उनके एक्स-बॉयफ्रेंड ने उन्हें धोखा दिया था, हालांकि उन्होंने नाम बताने से इनकार कर दिया। नोरा के मुताबिक, धोखे की जानकारी होने के बावजूद उसे साबित करना मुश्किल था और उन्होंने उस दर्द को अपनी मेहनत में बदल दिया। नोरा का नाम पहले कोरियोग्राफर टेरेंस लुइस, सिंगर गुरु रंधावा और बिग बॉस फेम प्रिंस नरूला के साथ भी जोड़ा गया। हालांकि, इन मामलों में कभी सार्वजनिक पुष्टि नहीं हुई। नोरा ने हमेशा कहा है कि वह अपनी निजी जिंदगी को निजी रखना पसंद करती हैं। फिलहाल नोरा नए प्रोजेक्ट्स में बिजी हैं और उनका पूरा ध्यान करियर पर है।

मैंने कई बार बेहद अव्यावहारिक फैसले किए: आमिर खान

हाल ही में 56वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया में एक खास सेशन के दौरान बालीवुड स्टार आमिर खान ने अपने सफर और स्टारडम को लेकर बेहद दिलचस्प बातें साझा कीं। आमिर ने कहा कि उन्हें आज तक समझ नहीं आता कि वह स्टार कैसे बन गए, क्योंकि करियर में उन्होंने ऐसे फैसले लिए जो परंपरागत फिल्मी नियमों के बिल्कुल खिलाफ थे। सेशन के दौरान आमिर ने कहा, 'मुझे नहीं पता कि मैं स्टार कैसे बन गया। लॉजिक के हिसाब से देखा जाए, तो मुझे स्टार नहीं बनना चाहिए था। मैंने शुरुआत से ही हर नियम तोड़ दिया और कई बार बेहद अव्यावहारिक फैसले किए। इसलिए जब मुझे इतनी सफलता और सम्मान मिला, तो मुझे सच में लगता है कि यह मेरे लिए बेहद बड़ी बात है। मैंने जो भी काम किया, वह सफलता पाने के उद्देश्य से नहीं था, बल्कि इसलिए किया क्योंकि उस विषय और किरदार ने मुझे अंदर से उत्साहित किया।' आमिर ने बताया कि उन्होंने जिन फिल्मों को चुना, उनमें से ज्यादातर जोखिम वाली थीं और उनके हिट होने की कोई गारंटी नहीं थी। उन्होंने कहा, फ्लगभग हर फिल्म को लेकर मेरे मन में सवाल रहता था कि यह चलेगी या नहीं। जैसे 'सरफरोश', 'लगान', 'दिल चाहता है', 'तारे जमीन पर' —ये ऐसी फिल्में थीं जिनकी सफलता तय नहीं थी। 'लगान' और 'दिल चाहता है' अपने समय के लिए बेहद अलग थीं। वहीं 'तारे जमीन पर' जैसी कहानी पहले कभी बड़े पर्दे पर इस रूप में नहीं दिखाई गई थी। मैंने हमेशा अलग स्क्रिप्ट्स को चुना है, क्योंकि मैं खुद को दोहराना पसंद नहीं करता। मैं वही करता हूं जो मुझे दिल से अच्छा लगता है। यही मेरी शख्सियत है।' आमिर की हालिया फिल्म 'सितारे जमीन पर' ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया। यह उनकी 2007 की फिल्म 'तारे जमीन पर' का आध्यात्मिक सीक्वल मानी जाती है। फिल्म में जेनेलिया डिसूजा ने भी महत्वपूर्ण किरदार निभाया और दर्शकों से खूब सराहना हासिल की। 20 जून को रिलीज हुई इस फिल्म ने सुपरहिट होने का रिकॉर्ड बनाया। बता दें कि बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट कहलाने वाले आमिर खान अपने काम में बारीकी, समर्पण और संवेदनशीलता के लिए जाने जाते हैं। वह लंबे समय से भारतीय सिनेमा में एक अनोखे कलाकार के रूप में स्थापित हैं और अपने करियर में कई यादगार व ब्लॉकबस्टर फिल्में दे चुके हैं।

पृथ्वी गजल जैसी क्लासिकल शैली को आगे बढ़ाने काम कर रहे हैं: अनुपम खेर

अपने इंस्टाग्राम पर बॉलीवुड अभिनेता अनुपम खेर ने एक दिलचस्प वीडियो शेयर किया। वीडियो में अनुपम खेर फ्लाइट में बैठे नजर आ रहे हैं, जहां उनकी मुलाकात मशहूर गजल गायक पृथ्वी गंधर्व से होती है। वीडियो में दोनों को गर्मजोशी के साथ एक-दूसरे का अभिवादन करते और बातचीत करते देखा जा सकता है। वीडियो में अनुपम खेर बताते हैं कि यात्रा के दौरान मिलने वाली अनोखी मुलाकातें सबसे खास अनुभव होती हैं। वीडियो में अनुपम कहते हैं, 'फ्लाइट में सफर करने में अक्सर बड़ी-बड़ी हस्तियों से मुलाकात हो जाती है कभी शायर, लेखक, बिजनेसमैन और गायक। आज हमारे साथ मशहूर गजल गायक पृथ्वी गंधर्व जी बैठे हैं।' इस पोस्ट के साथ अभिनेता ने लिखा, 'खास मुलाकात : फ्लाइट में यात्रा करने का सबसे अच्छा यह होता है कि आपको अलग-अलग तरह के लोग मिलने का मौका मिलता है बिजनेस वाले, खाने-पीने के शौकीन, स्टाइलिश लोग, लेखक और बातूनी लोग।' अनुपम खेर ने पृथ्वी गंधर्व की तारीफ करते हुए कहा कि जहां आजकल अधिकतर गायक आधुनिक और प्रयोगात्मक संगीत की ओर बढ़ रहे हैं, वहीं पृथ्वी गजल जैसी क्लासिकल शैली को आगे बढ़ाने का शानदार काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'पृथ्वी से मिलकर खुशी हुई। मुझे गजलें हमेशा से पसंद हैं और पृथ्वी जी को गजलें गाते सुनना अद्भुत अनुभव रहा।' वीडियो के अंत में पृथ्वी गंधर्व, अनुपम के अनुरोध पर उनके पसंदीदा गजल गायक गुलाम अली साहब की मशहूर गजल गुनगुनाते हैं, जिससे पूरा वातावरण भावनात्मक और खुशनुमा हो जाता है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए अनुपम ने लिखा, 'पृथ्वी ने मेरे पसंदीदा गुलाम अली साहब की एक खूबसूरत गजल भी गाई, जिसके लिए मैं उनका दिल से धन्यवाद करना चाहता हूं।' सोशल मीडिया पर यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है और प्रशंसक कमेंट्स में दोनों की तारीफ कर रहे हैं। कई यूजर्स ने लिखा कि अनुपम खेर का यह विनम्र स्वभाव और कला के प्रति सम्मान उन्हें अलग पहचान देता है। गौरतलब है कि पृथ्वी गंधर्व मनोरंजन जगत के एक प्रतिष्ठित नाम हैं और उन्होंने फिल्म 'बाजीराव मस्तानी' में गायन से बॉलीवुड में प्रवेश किया था।

जल्द देओल फैमिली से जुड़ेगी अनिशा पादुकोण

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण और एक्टर सनी देओल का फिल्म इंडस्ट्री के कारण कनेक्शन तो है, लेकिन जल्द ही यह पहचान रिश्तेदारी में बदलने वाली है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दीपिका की बहन अनिशा पादुकोण जल्द ही रोहन आचार्य से शादी करने वाली हैं। दरअसल, रोहन आचार्य मशहूर फिल्ममेकर बिमल रॉय के परपोते हैं। उनकी मां चिमू आचार्य की बेटी दृशा आचार्य, सनी देओल के बड़े बेटे करण देओल की पत्नी हैं। ऐसे में अगर अनिशा पादुकोण रोहन आचार्य से शादी करती हैं, तो दीपिका और सनी देओल का रिश्ता ससुराल के जरिए बन जाएगा। इस शादी के जरिए बॉलीवुड की दो प्रमुख फैमिलीज का कनेक्शन बनना तय है, हालांकि अभी तक इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। दीपिका और उनके पति रणवीर सिंह हाल ही में दृशा आचार्य के दादा और बॉलीवुड लीजेंड धर्मेंद्र के अंतिम संस्कार में भी पहुंचे थे। अनिशा पादुकोण पेशे से प्रोफेशनल गोल्फर हैं और बैंगलुरू में अपने माता-पिता बैडमिंटन लीजेंड प्रकाश पादुकोण और उज्जला पादुकोण के साथ रहती हैं। इस शादी से बॉलीवुड और स्पोर्ट्स जगत में भी खास कनेक्शन देखने को मिलेगा।

कार्तिक, सिर्फ अपना या अपने किरदार का नहीं, पूरी फिल्म का ख्याल रखते हैं : अनन्या पांडे

बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे का कहना है कि अभिनेता कार्तिक आर्यन सिर्फ अपना या अपने किरदार का नहीं, बल्कि पूरी फिल्म का ख्याल रखते हैं। अनन्या पांडे ने अपनी फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' के को-स्टार कार्तिक आर्यन की प्रोफेशनलिज्म और सेट पर उनकी गर्मजोशी की खुलकर तारीफ़ की, और बताया कि उनके साथ काम करना हमेशा क्यों सुखद अनुभव होता है। अनन्या ने कहा, 'मैं कार्तिक के आस-पास हमेशा बहुत कंफर्टेबल महसूस करती हूं। मुझे लगता है कि वह सेट पर मेरा बहुत ध्यान रखते हैं, क्योंकि मुझे पता होता है कि वह सिर्फ़ अपने लिए नहीं, बल्कि अपने किरदार, अपनी टीम और फिल्म के साथ सबके लिए सोचते हैं।' अनन्या ने फिल्म के सेट पर बने मजेदार और सहयोगपूर्ण माहौल के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा, कार्तिक से सीखने को बहुत कुछ मिलता है। माहौल हमेशा मजाकिया और हल्का-फुल्का रहता है। ज्यादा गंभीरता नहीं होती, और हर कोई अपनी राय बेझिझक दे सकता है। सच कहूं तो सात साल बाद भी उनके साथ काम करके वही खुशी महसूस हुई, जो पति पत्नी और वो के दौरान हुई थी।' अनन्या की बातें कार्तिक की अपने काम, अपनी टीम और पूरी फिल्म के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं और यही वजह है कि 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' प्रशंसकों के बीच पहले से ही बेहद चर्चा का विषय बन गई है।

रेखा की स्टाइलिश अंदाज में एंट्री

फेमस फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ने अपनी पहली फिल्म 'गुस्ताख इश्क' के प्रोड्यूसर के रूप में डेब्यू किया और इस मौके पर मुंबई में एक खास स्क्रीनिंग का आयोजन किया गया। इस इवेंट में बॉलीवुड के कई सितारे शामिल हुए, लेकिन सबसे ज्यादा ध्यान आकर्षित किया बॉलीवुड की सदाबहार एक्ट्रेस रेखा ने। रेखा ब्लैक कलर की खूबसूरत साड़ी में नजर आईं, जिस पर गोल्डन एम्ब्रॉयडरी का काम था। इसके साथ उन्होंने ब्लैक ओवरकोट कैरी किया, जिससे उनके लुक में एक मॉडर्न टच आया। उनका हाई बन हेयरस्टाइल, मांग में सिंदूर और ब्लैक शेड्स ने उनके ट्रेडिशनल और स्टाइलिश अंदाज को और निखारा। कंधे पर स्लिंग बैग और समर्पित पोज ने उनके लुक को पूरी तरह कंप्लीट किया। स्क्रीनिंग के दौरान रेखा मीडिया के कैमरों के सामने कई बार पोज देती दिखाई दीं। उनके स्टाइलिश और यूनिक लुक की फैंस ने सोशल मीडिया पर जमकर तारीफ की। इस इवेंट में रेखा का ग्लैमरस अंदाज और सिग्नेचर स्वैग सभी का ध्यान खींचने में सफल रहा। 'गुस्ताख इश्क' की इस खास स्क्रीनिंग में रेखा की उपस्थिति ने शाम की शान बढ़ा दी और उनके फैशन सेंस की एक बार फिर तारीफ हुई।

शाहरुख का निर्देशन करना मेरे बस की बात नहीं: राम गोपाल

बॉलीवुड के चर्चित निर्देशक राम गोपाल वर्मा ने इंडस्ट्री के सबसे बड़े सुपरस्टार शाहरुख खान के साथ उन्होंने कभी काम नहीं किया। वर्मा ने पहली बार खुलकर बताया कि दोनों का साथ क्यों नहीं हो पाया। बातचीत में राम गोपाल वर्मा ने कहा कि शाहरुख खान उनकी फिल्मों के टोन और स्टाइल में फिट नहीं बैठते। उन्होंने बताया, फ्शाहरुख खान का निर्देशन करना मेरे बस की बात नहीं है। मैं अपनी फिल्म 'कंपनी' में उन्हें कास्ट करना चाहता था, लेकिन उस फिल्म का किरदार मल्लिक बहुत शांत, गंभीर और कुछ आलसी स्वभाव का था। उस किरदार में हाई एनर्जी या चुलबुलापन बिल्कुल नहीं था, जबकि शाहरुख की पर्सनैलिटी ही एनर्जी से भरी रहती है। ऐसे रोल में उन्हें डालना गलत होता।' राम गोपाल वर्मा ने आगे कहा कि शाहरुख खान एक पावरहाउस परफॉर्मर हैं और उनके फैन भी उन्हें उसी रूप में पसंद करते हैं। उन्होंने कहा, 'शाहरुख लाइव वायर की तरह हैं। कैमरा चालू होते ही वो पूरी फ्रेम को कब्जे में ले लेते हैं। जब वो स्क्रीन पर होते हैं, तो निर्देशक के पास करने के लिए बहुत कम बचता है। वो सीन में इतनी ताकत डालते हैं कि बाकी सब पीछे रह जाता है।' डायरेक्टर के अनुसार, उनकी फिल्मों का मूड बहुत कंपोज्ड, इंटेंस और साइलेंट पावर पर आधारित होता है, जबकि शाहरुख की एक्टिंग स्टाइल ज्यादा एक्सप्रेसिव और एनर्जेटिक है। वह कहते हैं, 'मेरी फिल्ममेकिंग स्टाइल और शाहरुख की स्क्रीन एनर्जी एक-दूसरे के विपरीत हैं। इसलिए इतने सालों में कभी साथ काम करने का मौका नहीं बना। अगर मैंने उन्हें अपनी फिल्मों में कास्ट किया होता, तो वह गलत विकल्प होता, क्योंकि उन्हें उनके नेचुरल फ्लो में देखा जाना चाहिए।फ्र साथ ही उन्होंने शाहरुख की जमकर तारीफ़ करते हुए कहा कि उनका कद और प्रभाव इतना बड़ा है कि निर्देशक को उनके सामने बहुत सोच-समझकर चलना पड़ता है।

'120 बहादुर' को राजस्थान में किया टैक्स फ्री

हाल ही में दिल्ली में टैक्स फ्री होने के बाद फरहान अख्तर की वॉर ड्रामा फिल्म '120 बहादुर' अब राजस्थान सरकार ने भी इसे करमुक्त घोषित कर दिया है। '120 बहादुर' को मिल रहा यह सम्मान फिल्म की लोकप्रियता और प्रभाव को दर्शाता है। सैनिकों के असाधारण साहस को सच्चाई और भावनात्मक गहराई के साथ पेश किए जाने के कारण फिल्म को मीडिया और सेलेब्रिटीज की ओर से भी शानदार समीक्षाएं मिल रही हैं। थिएटरों में इसकी रिलीज के तुरंत बाद से ही यह फिल्म देश भर में चर्चा का विषय बन चुकी है, और टैक्स फ्री होने से उम्मीद है कि अधिक लोग इसे देखने थिएटर पहुंचेंगे।

फिल्म की कहानी 13 कुमाऊं रेजिमेंट के 120 जांबाज सैनिकों पर आधारित है, जिन्होंने 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान रेजांग ला की प्रतिष्ठित लड़ाई में अद्वितीय बहादुरी दिखाई थी। फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे इन सैनिकों ने कठिन परिस्थितियों और दुश्मन की भारी संख्या के बावजूद पीछे हटने से इनकार किया। अपने देश के लिए अंतिम सांस तक लड़ने वाले इन वीरों की गाथा आज भी भारतीय सेना के इतिहास का सबसे प्रेरणादायक अध्याय मानी जाती है। फरहान अख्तर ने इस फिल्म में मेजर शैतान सिंह भाटी, पीवीसी, की दमदार भूमिका निभाई है। शहीद मेजर शैतान सिंह को रेजांग ला युद्ध में अतुलनीय वीरता के लिए मरणोपरांत परमवीर चक्र प्रदान किया गया था। फिल्म का केंद्रीय संवाद 'हम पीछे नहीं हटेंगे' – युद्ध के दौरान सैनिकों की भावना और हौसले को गहराई से दर्शाता है। राजस्थान में फिल्म के टैक्स फ्री होने पर फरहान अख्तर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया और इस फैसले को सैनिकों के साहस का सम्मान बताया।

रजनीश 'रेजी' घोष द्वारा निर्देशित और एक्सेल एंटरटेनमेंट के रितेश सिधवानी, फरहान अख्तर तथा ट्रिगर हैप्पी स्टूडियोज के अमित चंद्रा द्वारा निर्मित यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी स्थिर प्रदर्शन कर रही है। रिलीज के आठवें दिन फिल्म ने लगभग 40 लाख रुपये का कलेक्शन किया और अब तक इसकी कुल घरेलू कमाई 15.4 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। सोमवार को जहां फिल्म ने 1 करोड़ रुपये कमाए थे, वहीं लगातार बढ़ती कमाई दर्शाती है कि दर्शक इसे बेहद पसंद कर रहे हैं। बता दें कि फरहान अख्तर की वॉर ड्रामा फिल्म '120 बहादुर' इस समय देश भर में चर्चा का केंद्र बनी हुई है। भारतीय सैनिकों की अदम्य वीरता और बलिदान को दर्शाने वाली यह फिल्म रिलीज के बाद से ही दर्शकों का दिल जीत रही है।

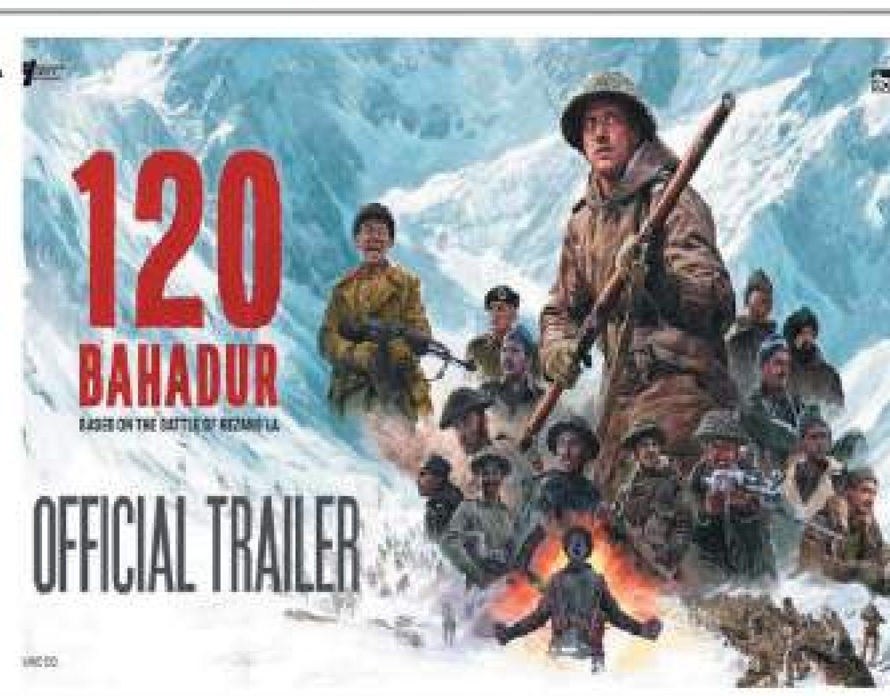

रायपुर में 'किंग कोहली' का जलवा, 53वें शतक से रचा इतिहास, गायकवाड़ ने भी दिखाया दम

रांची (एजेंसी)। विराट कोहली ने बुधवार को रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच तीन मैचों की श्रृंखला के दूसरे वनडे के दौरान अपना 53वां वनडे शतक लगाया। यह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे श्रृंखला में लगातार दूसरा शतक भी था। पहले वनडे में, कोहली ने रांची में भारत की 17 रनों की जीत में 120 गेंदों पर 11 चौकों और सात छक्कों की मदद से 135 रन बनाए थे।

37 वर्षीय दिग्गज बल्लेबाज ने 90 गेंदों में अपना 53वां वनडे शतक पूरा किया। कुल मिलाकर, यह भारतीय महान का 84वां अंतरराष्ट्रीय शतक था। वह सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय शतकों के मामले में महान सचिन तेंदुलकर से पीछे हैं। तेंदुलकर के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 शतक हैं। उन्होंने रुतुराज गायकवाड़ के साथ चौथे विकेट के लिए 195 रनों की शानदार साझेदारी की। रुतुराज गायकवाड़ ने भी अपना पहला वनडे शतक जड़ा। रायपुर में इस स्टार बल्लेबाज ने 77 गेंदों में शतक पूरा किया।

उन्होंने 83 गेंदों पर 105 रन बनाकर अपना पहला वनडे शतक जड़ा। कोहली की तरह, गायकवाड़ ने भी स्ट्राइक रेट से समझौता नहीं किया और बीच में कुछ बेहतरीन शॉट खेले। मैच के 36वें ओवर में मार्को जेनसन ने उन्हें आउट कर दिया। गौरतलब है कि दोनों ने 195 रनों की साझेदारी की, जिससे भारत दूसरे वनडे में बढ़त बना पाया। वे बाद से भी अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद करेंगे और इसी के लिए, केएल राहुल को पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतारा गया है।

कोहली ने 93 गेंदों पर सात चौकों और दो छक्कों की मदद से 102 रन बनाए। इससे पहले, यशस्वी जायसवाल (22) और रोहित शर्मा (14) सस्ते में आउट हो गए। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा ने भारत के खिलाफ दूसरे वनडे में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बावुमा और महाराज को पहले मैच में आराम दिया गया था, लेकिन इस मैच में दोनों की वापसी हुई है।

हार्दिक टी20 में 300 छक्के लगाने वाले धोनी के बाद दूसरे खिलाड़ी बने

मुम्बई (एजेंसी)। अनुभवी ऑलराउंडर पांड्या ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 में एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया। हार्दिक ने पंजाब के खिलाफ एलीट ग्रुप सी मैच में अपनी 42 रनों की पारी में चार छक्के लगाने के साथ ही टी20 क्रिकेट में अपने 300 छक्के पूरे कर लिए। इसी के साथ ही हार्दिक भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के बाद ये उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गये हैं। यह उपलब्धि हार्दिक की पावर-हिटिंग क्षमता और लगातार सुधारते प्रदर्शन को दर्शाती है।

हार्दिक बड़ौदा की ओर से इस टूर्नामेंट में खेल रहे हैं। पंजाब के खिलाफ मैच में पहला छक्का लगाते ही उनके 300 छक्के पूरे हो गये। हार्दिक का यह प्रदर्शन दिखाता है कि अब वह फिट हो गये हैं। हार्दिक अब भारत के दूसरे खिलाड़ी हैं जिन्होंने टी20 क्रिकेट में बिना एक भी शतक लगाए 300 या उससे अधिक छक्के लगाए हैं। उनका टी20 करियर का सर्वोच्च स्कोर 91 रन है, और अब तक वे 268 पारियों और 309 मैचों में कुल 303 छक्के उनके नाम हैं। यह उपलब्धि बताती है कि हार्दिक सिर्फ एक ऑलराउंडर नहीं, बल्कि एक दमदार फिनिशर और पावर-हिटर भी हैं। वहीं धोनी ने 355 टी20 पारियों में बिना शतक लगाए 350 छक्के लगाए थे।

आईपीएल 2026 नीलामी : इस ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर पर होगी पैसों की बारिश, बन सकते हैं सबसे महंगे खिलाड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। IPL 2026 के मिनी ऑक्शन से ठीक पहले ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन सबसे चर्चित नामों में शामिल हो गए हैं। माना जा रहा है कि इस बार वह ऑक्शन के सबसे महंगे खिलाड़ियों में से एक बन सकते हैं। टीम इंडिया के सीनियर स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने भी भविष्यवाणी की है कि ग्रीन इस सीजन में बड़ी बोली हासिल कर सकते हैं।

अश्विन ने बताया ग्रीन को 'जैकपॉट खिलाड़ी'

अश्विन के अनुसार, इस साल आंद्रे रसेल और ग्लेन मैक्सवेल जैसे विस्फोटक विदेशी ऑलराउंडर उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे में फ्रेंचाइजियां तेज गेंदबाजी करने वाले और मिडिल ऑर्डर में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ी की तलाश में सीधे कैमरन ग्रीन पर नजरें टिकाएंगी। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'कैमरन ग्रीन को कह दो कि सिडनी हार्बर के पास 4-5 एकड़ जमीन बुक कर लें। इस बार ऑक्शन में न रसेल हैं, न मैक्सवेल। ऐसे में ग्रीन और लियाम लिविंगस्टोन दोनों के लिए बड़ा जैकपॉट तैयार है।'

क्यों है ग्रीन की वैल्यू इतनी ज्यादा?

कैमरन ग्रीन इस समय दुनिया के सबसे 'कम्प्लीट' टी20 खिलाड़ियों में गिने जाते हैं- धाकड़ मिडिल-ऑर्डर हिटर, 140+ किमी/घं. की रफ्तार से गेंदबाजी, शानदार फील्डिंग, युवा और लॉन्ग-टर्म इन्वेस्टमेंट। 2025 में उनके लगातार उत्कृष्ट टी20 प्रदर्शन ने उनके मूल्य को और बढ़ा दिया है। ग्रीन ने 40+ की औसत और तेज स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं, जो टी20 में बेहद दुर्लभ है।

आईपीएल में अब तक का प्रदर्शन

सिर्फ दो सीजन में ही कैमरन ग्रीन ने अपना दम दिखा दिया है: 29 मैच, 707 रन, 1 शतक, 16 विकेट। ग्रीन ने प्रेशर सिचुएशन में भी मैच जिताने वाली पारियां खेली हैं और जरूरत के हिसाब से आक्रामक या एंकर दोनों भूमिकाएं निभाई हैं। यही वजह है कि कई टीमें उन्हें अपने 'ड्रीम साइनिंग' के रूप में देख रही हैं।

हार्दिक पांड्या की वापसी, सूर्यकुमार यादव की कप्तानी: दक्षिण अफ्रीका टी20 सीरीज के लिए टीम इंडिया घोषित

मुम्बई (एजेंसी)। बीसीसीआई की सीनियर पुरुष चयन समिति ने 9 दिसंबर से कटक में शुरू हो रही दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी पांच मैचों की टी20आई श्रृंखला के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। सूर्यकुमार यादव टीम इंडिया की कप्तानी करेंगे, जबकि ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या, जो ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20आई श्रृंखला में नहीं खेल पाए थे, टीम में वापसी कर चुके हैं। पांड्या सितंबर में एशिया कप 2025 में श्रीलंका के खिलाफ भारत के सुपर फोर मुकाबले के बाद अपना पहला अंतरराष्ट्रीय टी20आई खेलेंगे। पांड्या चोट के कारण पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप 2025 के फाइनल और ऑस्ट्रेलिया के सीमित ओवरों के दौरे से चूक गए थे।

हाल ही में, भारतीय ऑलराउंडर पांड्या ने मंगलवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बड़ौदा के लिए खेलते हुए अपनी फिटनेस साबित की। रिंकू सिंह, जो ऑस्ट्रेलिया के टी20आई के लिए टीम का हिस्सा थे, को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी टी20आई श्रृंखला के लिए टीम से बाहर कर दिया गया है। कोलकाता में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले टेस्ट के दौरान गर्दन में चोट लगने वाले शुभमन गिल को चोट के कारण दूसरे टेस्ट और तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला से बाहर रहने के बाद टीम में शामिल किया गया है।

हालांकि, गिल को घरेलू मैदान पर प्रोटियाज के खिलाफ पांच मैचों की टी20आई सीरीज में भाग लेने के लिए, बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) से अपनी फिटनेस मंजूरी लेनी होगी। भारतीय टीम पांच मैचों की सीरीज का पहला टी20आई 9 दिसंबर को कटक में प्रोटियाज के खिलाफ खेलेगी। मुल्लनपुर 11 दिसंबर को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरे टी20आई की मेजबानी करेगा। तीसरा टी20आई 14 दिसंबर को धर्मशाला में और चौथा 17 दिसंबर को लखनऊ में खेला जाएगा। अहमदाबाद 19 दिसंबर को सीरीज के पांचवें और अंतिम मैच की मेजबानी करेगा। इससे पहले, दक्षिण अफ्रीका ने दो मैचों की टेस्ट सीरीज में टीम इंडिया का 2-0 से सफाया कर दिया था। भारत तीन मैचों की वनडे सीरीज में 1-0 से आगे चल रहा है।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम:

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उप-कप्तान)*, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, वाशिंगटन सुंदर।

भारतीय टीम ने 20 वीं बार टॉस हारने का रिकार्ड बनाया

रायपुर । भारतीय क्रिकेट टीम ने 20 वी बार टॉस हारने का रिकार्ड बनाया है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में भारतीय टीम के टॉस हारते ही ये नया रिकार्ड बना। भारतीय टीम के टॉस हारने का यह सिलसिला 2023 वर्ल्ड कप फाइनल से शुरू हुआ था और दो साल बाद भी नहीं टूटा है जबकि इस बीच कप्तान भी बदल गये हैं। कप्तान चाहे रोहित शर्मा हो, शुभमन गिल हो या केएल राहुल, टॉस लगातार हारते गये हैं। हैरानी की बात है कि टॉस 20 बार लगातार हारने की संभावना सिर्फ 0.00000095, यानी 10 लाख में एक मानी जा रही है। टॉस हारने के बाद मैच में कप्तानी कर रहे केएल राहुल ने मजाकिया लहजे में कहा, ईमानदारी से कहूं तो सबसे ज्यादा दबाव टॉस का ही है। हम काफी समय से टॉस नहीं जीते। मैं अभ्यास रहा हूं, लेकिन साफ है कि यह काम नहीं कर रही।

केकेआर को खलेगी रसेल की कमी, बेहद प्रभावशाली रहे हैं आंकड़े

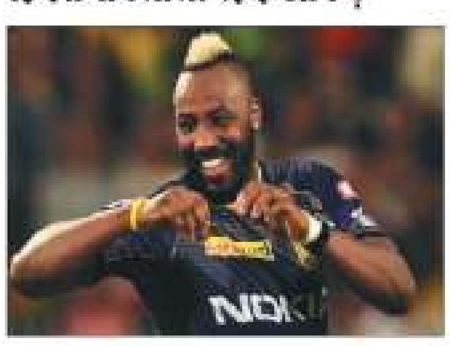

जैमेका । वेस्टइंडीज ऑलराउंडर आंद्रे रसेल अब आईपीएल में खेलते नजर नहीं आयेंगे। रसेल आईपीएल में कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) की ओर से खेलते थे और उनके आंकड़े काफी प्रभावी रहे हैं। ऐसे में उनके नहीं होने की कमी टीम को खलेगी। इसी कारण टीम के मालिक शाहरुख खान ने सोशल मीडिया पर लंबा और भावुक संदेश लिखकर उनकी सेवाओं को सलाम किया है। रसेल ने आईपीएल के 140 मुकाबलों की 115 पारियों में कुल 2651 रन बनाये हैं। इनका स्ट्राइक रेट 174.17 रहा है। उन्होंने 186 चौके, 223 छक्के लगाये हैं और गेंदबाजी के दौरान 123 विकेट लिए हैं। रसेल साल 2014 से ही केकेआर में शामिल रहे और अपनी आक्रामक बल्लेबाजी व कसी हुई गेंदबाजी से मैच विजेता साबित हुए। 174.17 के जबरदस्त स्ट्राइक रेट की बदौलत वह टी20 के सबसे खतरनाक फिनिशर बने। उन्होंने अपने करियर में 12 अर्धशतक, 186 चौके और 223 छक्के लगाये। केवल बल्लेबाजी ही नहीं, गेंदबाजी में भी रसेल ने अपनी ताकत दिखायी। उन्होंने आईपीएल में कुल 123 विकेट हासिल किए और कई अवसरों पर टीम को परेशानी से निकाला। उनके इसी ऑलराउंड प्रदर्शन के कारण ही केकेआर की टीम में वह गेम-चेंजर के तौर पर भी जाने जाते हैं। रसेल अब केकेआर में पावर कोच के तौर पर दिखेंगे। इसी को देखते हुए शाहरुख ने कहा कि तुम हमेशा हमारे योद्धा रहोगे। अब पावर कोच के रूप में टीम के खिलाड़ियों को अपनी ताकत, अनुभव और सफलता के राज सिखाओ।

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच दिन-रात का दूसरा एशेज टेस्ट आज से

गाबा (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच गुरुवार से यहां के गाबा मैदान में गुलाबी गेंद से शुरु होने वाले एशेज के दिन-रात के दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में दोनों ही टीमें जीत के इरादे से उतरेंगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम पहले टेस्ट में जीत के साथ ही सीरीज में 1-0 से आगे है। ऐसे में इंग्लैंड का लक्ष्य जीत दर्ज कर सीरीज बराबरी पर लाना रहेगा। ऑस्ट्रेलियाई टीम इस मैच में सलामी बल्लेबाज अनुभवी ओपनर उस्मान ख्वाजा के फिट नहीं होने के कारण उनकी जगह पर विकेटकीपर-बल्लेबाज जोश इंग्लिस को शामिल कर सकती है। इंग्लिस अच्छे बल्लेबाज हैं और टीम के मध्य क्रम को मजबूती देंगे। वहीं ट्रैविस हेड और नये बल्लेबाज जेक वेदराल्ड पारी शुरु करेंगे। इस मैच में भी टीम की कप्तानी स्टीव स्मिथ के पास ही रहेगी। स्मिथ ने माना है कि ख्वाजा का नहीं होना टीम के लिए बड़ा झटका है पर उनका मानना है कि ख्वाजा जल्द वापसी के लिए मेहनत कर रहे हैं। स्मिथ ने यह भी जोड़ा कि गाबा टेस्ट के बाद ख्वाजा के भविष्य को लेकर चयनकर्ता फैसला लेंगे। हालांकि स्मिथ ने विश्वास जताया कि ख्वाजा अभी भी टीम के लिए अहम भूमिका निभा सकते हैं। इस मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम नई रणनीति और नए खिलाड़ियों के साथ मैदान में उतरेगी।

दूसरी ओर, इंग्लैंड की राह भी आसान नहीं है। तेज गेंदबाज मार्क वुड घुटने की चोट के कारण दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह ऑलराउंडर विल जैक्स को शामिल किया गया है, जिससे इंग्लैंड पिंक बॉल की परिस्थितियों में गेंदबाजी में विविधता लाने की कोशिश करेगा। इंग्लैंड का लक्ष्य सीरीज को बराबरी पर लाना होगा, जबकि ऑस्ट्रेलिया अपनी बढ़त को बनाये रखना चाहेगी। गाबा की उछालभरी पिच पर इस मैच में एक रोमांचक मुकाबले की उम्मीद है।

ऑस्ट्रेलिया टीम: स्टीव स्मिथ (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), ब्रेंडन डॉगेट, कैमरून ग्रीन, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, माइकल नेसर, मिचेल स्टार्क, जेक वेदराल्ड, ब्यू वेबस्टर।

इंग्लैंड टीम: बेन स्टोक्स (कप्तान), जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), विल जैक्स, गस एटकिंसन, ब्रायडन कार्स, जोफ्रा आर्चर।

जूनियर विश्व कप हॉकी 2025 के क्वार्टर फाइनल में पहुंची भारतीय टीम, शुक्रवार को बेल्जियम से खेलेगी

चेन्नई । भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जूनियर विश्व कप 2025 के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है। यहां भारतीय हॉकी टीम का सामना बेल्जियम से होगा इससे पहले भारतीय टीम ने राउंड रॉबिन लीग स्तर में स्विट्जरलैंड पर 5-0 से जीत दर्ज करने के साथ ही अपने अब तक के सभी मुकाबले जीत लिए। अब भारतीय टीम का सामना 5 दिसंबर को बेल्जियम से होगा। वहीं इससे पहले हुए मुकाबलों में भारतीय टीम ने चिली को 7-0 से जबकि ओमान को 17-0 से हराया। स्विट्जरलैंड के खिलाफ भारतीय टीम ने शुरुआत में ही गोल दाग दिया। मनमीत सिंह ने दूसरे ही मिनट में एक गोल कर भारतीय टीम को बढ़त दिलायी। उन्होंने 11वें मिनट में एक और शानदार मैदानी गोल कर इस बढ़त को 2-0 कर दिया। इसके बाद शारदा नंद तिवारी ने 13वें मिनट में एक गोल कर टीम को 3-0 की बढ़त दिला दी। वहीं 28वें मिनट अर्शदीप सिंह ने गोल दागते हुए भारत को 4-0 से आगे कर दिया। अर्शदीप ने इससे पहले ओमान के खिलाफ हैट्रिक लगाई थी। स्विट्जरलैंड की टीम ने भी हमले किये जिसे भारतीय रक्षापंक्ति और गोलकीपर ने विफल कर दिया। भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चौथे क्वार्टर में भी अपनी लय बरकरार रखी। शारदा नंद ने मुकाबले के 54वें मिनट में पेनाल्टी कॉर्नर के जरिए अपना दूसरा गोल किया। इसी के साथ भारतीय टीम ने 5-0 से बढ़त हासिल कर ली। वहीं एक अन्य मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने कोरिया को 3-1 से हराया, जबकि इंग्लैंड ने मलेशिया को भी इसी अंतर से पराजित किया।

बेहतर ऑलराउंडर बनकर उभरे हैं यानसन

रांची । ऑलराउंडर मार्को यानसन अपने प्रदर्शन से अब दक्षिण अफ्रीका के एक प्रमुख खिलाड़ी बनकर उभरे है। कुछ समय पहले वह एक गेंदबाज के तौर पर टीम में आये थे पर अब वह टीम के लिए जरुरत के अनुसार रन भी बना रहे हैं। यानसन अपनी तेज उछाल वाली गेंदों से विरोधी बल्लेबाजों के लिए परेशानी खड़ी कर देते है। फुल लेंथ गेंद और बेहतर नियंत्रण से उनकी गेंदों की धार और बढ़ती है। यानसन अब केवल निचले क्रम के बल्लेबाज नहीं रहे। अब वह बेहतर बल्लेबाजी करके टीम को कठिन हालात से बाहर निकालने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। यानसन ने कहा, 'जब शीर्ष पांच बल्लेबाज अच्छी फॉर्म में हों तब मैदान पर उतरना अच्छा लगता है। मेरी नजर केवल गेंद पर होती है और मैं उसी के अनुसार बल्लेबाजी करता हूं। अभी मेरी यह रणनीति कारगर साबित हो रही है। उन्होंने भारतीय टीम के खिलाफ गुवाहटी टेस्ट में शानदार प्रदर्शन किया था। उसमें उन्होंने नौंवे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 91 गेंदों में 93 रन बनाकर दक्षिण अफ्रीका को संकट से बाहर निकाला था। यानसन ने इस तरह की आक्रामक पारी पहले भी खेली है। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ वेलिंगटन में 59 रन की पारी खेलकर अपनी टीम को संभाला था। ऐसे समय में जबकि सीमित ओवरों के क्रिकेट में छोटी-छोटी पारियों का महत्व बढ़ता जा रहा है तब उन्होंने दिखाया कि वह दक्षिण अफ्रीका के लिए कितने उपयोगी हैं।

गुलाबी गेंद वाले प्रारुप के नाकाम होने के कारण सामने आये, ऑस्ट्रेलिया तक ही सीमित रह गये हैं ये मुकाबले

ब्रिस्बेन । यहां ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच गुरुवार को गुलाबी गेंद से दिन रात का टेस्ट मैच शुरु होगा। ये गुलाबी गेंद से 24 वां मैच होगा। गुलाबी गेंद से मैच की शुरुआत साल 2015 से हुई थी और तब लग रहा था कि खेल में एक नयापन आयेगा पर ऐसा नहीं हो पाया। एक दशक के बाद भी अब तक काफी कम मैच हुए हैं। जो हुए हैं उनमें से अधिकतर ऑस्ट्रेलिया में हुए हैं। अन्य देशों में ये सफल नहीं रहे हैं। इसके पीछे कई कारण रहे हैं। इसी को लेकर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया में इवेंट्स और ऑपरेशन्स के

एग्जीक्यूटिव जनरल मैनेजर जोएल मॉरिसन ने कहा, ऑस्ट्रेलिया में दिन-रात का प्रारुप इसलिए सफल रहा क्योंकि गर्मियों में मौसम बहुत अच्छा होता है। वहीं विश्व स्तर के स्टेडियम और सुविधाएं यहां हैं। फ्लड लाइटिंग भी बहुत अच्छी होती है। इसके अलावा इस प्रारुप की सफलता के लिए कई अन्य उपाय भी किये गये हैं जिससे गुलाबी गेंद के मुकाबले हालात के अनुरुप हों। पिछले कुछ सालों में यह बात सामने आयी है कि दिन-रात मैच के लिए आदर्श स्थल तैयार करना आसान नहीं होता है। इसके लिए आपको कुछ खास तरह के बदलावों की जरुरत होती है। इनमें ओस का कम असर, ऐसी पिच जो गुलाबी गेंद को लंबे समय तक सहायता करे बनानी होती है। ओस को देखते हुए पिच कुछ सख्त बनायी जाती है पर ऐसी भी नहीं कि हालात खेलने लायक न रहें। वहीं इंग्लैंड में मौसम की समस्या है, जबकि भारत में ओस से परेशानी है। दक्षिण अफ्रीका में एक गुलाबी गेंद से मैच खेला गया था पर वहां लाइट्स की समस्या होती है। श्रीलंका में फ्लडलाइट्स नहीं हैं जबकि पाकिस्तान में अभी तक इसका आयोजन नहीं हुआ है। न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज भी सही स्थल नहीं साबित हुए हैं। हालांकि इस प्रारुप की शुरुआत धमाकेदार रही थी। एक दशक पहले 27 नवंबर 2015 को मार्टिन गप्टिल ने एडिलेड में मिचेल स्टार्क की पहली गेंद का सामना किया था। न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला गया, ये मैच काफी मनोरंजक तो था पर इसमें कुछ विवाद भी हुए, जिसे ऑस्ट्रेलिया ने 3 विकेट से जीता। बहुत सारे दर्शक मैच देखने के लिए आए। टीवी रेटिंग्स भी दमदार थी पर इसके बाद भी ये प्रारुप अधिक विकास नहीं कर पाया और ऑस्ट्रेलिया का ही होकर रह गया है।

विराट कोहली घरेलू क्रिकेट में धमाकेदार वापसी के लिए तैयार, ऋषभ पंत भी दिल्ली के लिए खेलेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट फैंस के लिए अच्छी खबर यह है कि विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली दोनों ने आगामी विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 में खेलने की पुष्टि कर दी है। यह फैसला न केवल घरेलू क्रिकेट के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि दिल्ली की टीम को भी बड़ा फायदा देगा। पंत लगभग सात साल बाद इस टूर्नामेंट में वापसी करेंगे, जबकि कोहली 14 साल बाद फिर से दिल्ली की ओर से लिस्ट-ए मुकाबले खेलते नजर आएंगे। दोनों के खेलने से दिल्ली का बल्लेबाजी क्रम पहले से कहीं अधिक मजबूत होगा।

ऋषभ पंत की धमाकेदार वापसी तय

सूत्रों के अनुसार, ऋषभ पंत ने DDCA को अपनी उपलब्धता की औपचारिक पुष्टि कर दी है। 2018 के बाद पहली बार पंत विजय हजारे ट्रॉफी में दिखाई देंगे। पंत ने 2015 से अब तक दिल्ली के लिए 19 लिस्ट-ए मैच खेले हैं, जिनमें उन्होंने 531 रन बनाए। उनकी पारी में एक शतक, दो अर्धशतक और 109.48 का बेहतरीन स्ट्राइक रेट शामिल है। पंत की वापसी खास इसलिए भी है क्योंकि उनकी आक्रामक बैटिंग शैली दिल्ली के लिए मैच-विनिंग साबित हो सकती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उन्होंने 31 ODI मुकाबलों में 871 रन बनाए हैं, जिसमें एक शानदार सेंचुरी और पांच फिफ्टी शामिल हैं। उनकी फिटनेस और फॉर्म को देखते हुए दिल्ली के लिए यह एक बड़ा प्लस पॉइंट है।

विराट कोहली भी विजय हजारे ट्रॉफी में उतरने को तैयार

35 वर्षीय भारतीय सुपरस्टार विराट कोहली ने भी DDCA को टूर्नामेंट के लिए अपनी उपलब्धता का भरोसा दिला दिया है। कोहली अब टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं और ODI फॉर्मेट में विशेषज्ञ बल्लेबाज की भूमिका निभा रहे हैं। 2010 के बाद यह पहला मौका होगा जब कोहली विजय हजारे ट्रॉफी में दिल्ली की जर्सी पहनकर उतरेंगे। 2010 में खेले गए पांच मैचों में कोहली ने 45.80 की औसत से 229 रन बनाए थे और दो अर्धशतक भी लगाए थे। उनकी मौजूदा फॉर्म शानदार है और वह घरेलू गेंदबाजों पर हावी होते नजर आ सकते हैं। कोहली कर्नाटक के मैदानों पर दिल्ली के मुकाबलों में हिस्सा लेंगे, क्योंकि इस बार दिल्ली के कोटे में कोई होम ग्रुप मैच नहीं है।

दिल्ली के अभियान को मिलेगा बड़ा फायदा

पंत और कोहली के आने से दिल्ली का लाइन-अप बेहद प्रभावशाली हो जाएगा। दोनों खिलाड़ी बड़े मैचों में टीम का मोमेंटम बदलने की क्षमता रखते हैं। उनकी मौजूदगी युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायक होगी और टीम संयोजन को भी संतुलित बनाएगी। विजय हजारे ट्रॉफी के सभी ग्रुप स्टेज मुकाबले 8 जनवरी तक खत्म हो जाएंगे, जिससे पंत और कोहली दोनों के पास अंतरराष्ट्रीय शेड्यूल से पहले पर्याप्त गेम टाइम मिलेगा। 11 जनवरी से भारत-न्यूजीलैंड की ODI सीरीज शुरू होगी, जहां कोहली को फिर एक्शन में देखा जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

यीशु पर बनी रूबेन्स की दुर्लभ पेंटिंग 27 लाख डॉलर में बिकी

पेरिस, एजेंसी। बारोक काल के महान चित्रकार पीटर पॉल रूबेन्स की एक लंबे समय से खोई पेंटिंग वर्सलीज में नीलामी के दौरान 27 लाख डॉलर में बिकी। ईसा मसीह (यीशु) को सूली पर चढ़ाए जाने का दृश्य बताने वाली यह पेंटिंग चार सदी से अधिक समय बाद हाल में पेरिस के एक निजी टाउनहाउस में मिली थी। यह एक फ्रांसीसी संग्रह का हिस्सा थी। विशेषज्ञ निल्स ब्यूट्नर ने कहा, यह एकमात्र ऐसी पेंटिंग है जिसमें ईसा मसीह के पार्श्व-घाव से रक्त और पानी बहते दिखाया है। रूबेन्स ने इसे एक बार में बनाया था।

कराची : तेज रफ्तार स्पीडबोट की टक्कर में यात्री नाव डूबी, 2 मरे

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान के कराची के मनोरा के पास समुद्र में रविवार शाम एक निजी स्पीडबोट की टक्कर एक यात्री नाव से हो गई। इस हादसे में एक महिला और एक किशोरी की मौत हो गई, जबकि 18 अन्य घायल हुए हैं। डीआईजी सैयद असद रजा ने बताया कि शाम 6:30 बजे जब यह टक्कर हुई तब नाव मनोरा बीच से जेटी नंबर 1 की ओर जा रही थी। टक्कर से नाव पूरी तरह से नष्ट हो गई। इसमें चार परिवारों के कुल 22 लोग घायल हुए हैं। पाकिस्तान नौसेना और कराची पोर्ट ट्रस्ट ने उन्हें बचाया। रजा ने कहा कि दो घायल लड़कियों की हालत नाजुक बनी हुई है।

तस्करी के शक में ईरान में दो द. कोरियाई नागरिक गिरफ्तार

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि ईरान में तस्करी के शक में दो दक्षिण कोरियाई नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। मंत्रालय ने कहा कि ईरान में उनका राजनयिक मिशन ईरानी अधिकारियों के साथ संपर्क में है। मंत्रालय ने कहा कि गिरफ्तार किए गए लोगों को जरूरी कांसुलर सहायता दी जाएगी। हालांकि, मंत्रालय ने गिरफ्तार किए गए लोगों के पेशा या आरोपों की सटीक प्रकृति के बारे में विस्तृत जानकारी देने से इनकार कर दिया।

चीनी जल विद्युत प्रोजेक्ट में घटिया सामग्री इस्तेमाल करने का आरोप

बीजिंग, एजेंसी। चीन के फुजियान प्रांत में बन रहा एक प्रमुख हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट योंगआन पावर स्टेशन गंभीर सुरक्षा उल्लंघन के आरोपों के कारण जांच के घेरे में है। चीन की आधिकारिक मीडिया ने बताया कि 7.5 अरब युआन (1.06 अरब अमेरिकी डॉलर) की इस परियोजना में घटिया सामग्री और लापरवाही से निर्माण करने का आरोप है। जांच में पाया गया कि इसके निचले जलाशय (लोअर रिजर्वायर) में गंभीर गुणवत्ता दोष हैं। यह लोअर रिजर्वायर बिजली उत्पादन का मुख्य केंद्र है।

बलूचिस्तान : अर्धसैनिक बल मुख्यालय पर हमले में 3 मौतें

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में अर्धसैनिक बल के मुख्यालय पर हमले की कोशिश को सुरक्षाकर्मियों ने नाकाम बताते हुए प्रतिबंधित संगठन बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के तीन चरमपंथियों को ढेर कर दिया। अर्धसैनिक बल का दावा है कि चगाई जिले के नोकुंडी कस्बे में फ्रंटियर कोर (एफसी) मुख्यालय पर आत्मघाती हमले के बाद चरमपंथियों ने वहां घुसने का प्रयास किया। इस पर त्वरित जवाबी कार्रवाई की गई। प्रवक्ता ने बताया कि कम से कम छह हमलावरों ने जबरन अंदर घुसने की कोशिश की। इस बीच मुख्यालय में घुसने में कामयाब रहे तीन आतंकियों को मार गिराया गया। सूत्रों के अनुसार, बीएलए चरमपंथियों ने पंजगुर के गुरमकान क्षेत्र में एक अन्य एफसी चौकी को भी निशाना बनाया, जिसके बाद मुठभेड़ हुई। माना जा रहा है इस घटना में कई हमलावर मारे गए लेकिन फिलहाल इसकी पुष्टि नहीं हो सकी। प्रारंभिक रिपोर्टों के मुताबिक, एक हमलावर ने मुख्य द्वार पर खुद को उड़ा लिया, जिसके कारण कई सशस्त्र हमलावर शिविर में घुस गए। कई घंटे तक झड़पें जारी रहीं।

पाकिस्तान सरकार ने रावलपिंडी में धारा 144 लगाई : रैली-जुलूस निकालने पर रोक

प्रदर्शन की धमकी के बाद फैसला, इमरान से मिलने की मांग कर रही पार्टी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान सरकार ने रावलपिंडी में धारा 144 लगा दी है। यह फैसला पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की मौत की अफवाहों और देश में अशांति फैलने के डर के बीच आया है। इसके तहत 3 दिसंबर तक कोई भी सार्वजनिक सभा, रैली, जुलूस, धरना, प्रदर्शन करने, 5 या उससे ज्यादा लोगों के इकट्ठे होने को पूरी तरह बैन कर दिया गया है। डिप्टी कमिश्नर डॉ. हसन वकार ने इसे लेकर एक आदेश जारी किया है।

आदेश में हथियार, लाठी, गुलेल, पेट्रोल बम, विस्फोटक सामग्री ले जाने पर रोक लगा दी गई है। इसके अलावा नफरत भरे भाषण देना, पुलिस की बैरिकेडिंग हटाने की कोशिश करना, दो लोगों के एक मोटरसाइकिल पर पीछे बैठने और लाउडस्पीकर के इस्तेमाल करने पर भी पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। यह रोक इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के मंगलवार को इस्लामाबाद हाई कोर्ट के बाहर और रावलपिंडी (अडियाला जेल) में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन के फैसले के बाद आया है।

दावा- संदिग्ध संगठन कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की फिराक में : आदेश में कहा गया है कि जिला खुफिया समिति ने रिपोर्ट दी है कि कुछ संगठन और तत्व बड़े पैमाने पर लोगों को इकट्ठा करके कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की फिराक में हैं। ये लोग संवेदनशील ठिकानों, सरकारी इमारतों और चुनिंदा जगहों पर हमला कर सकते हैं, इसलिए जनता की सुरक्षा और शांति बनाए रखने के लिए ये पाबंदियां लगाई जा रही हैं।

पीटीआई नेता बोले- कोर्ट आदेश को लागू करने में नाकाम, इमरान से नहीं मिल पा रहे : पीटीआई नेता असद कायसर ने कहा कि संसद के दोनों सदनों से विपक्षी सांसद इस्लामाबाद हाई कोर्ट के बाहर प्रदर्शन करेंगे और फिर अपनी धरना अडियाला जेल ले जाएंगे। उन्होंने कहा, 'प्रदर्शन करने का फैसला इसलिए लिया गया है क्योंकि कोर्ट अपने आदेश को लागू करने में नाकाम रही है और जेल प्रशासन भी कोर्ट के आदेशों का पालन करने को तैयार नहीं है।' पिछले हफ्ते, खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री ने जेल के बाहर धरना दिया था, जब उन्हें आठवीं बार इमरान खान से मिलने से रोका गया। इसी तरह, खान के परिवार के सदस्यों को कई हफ्तों से उनसे मिलने नहीं दिया जा रहा है।

न्याय राज्य मंत्री बोले- खैबर पख्तूनख्वा में राष्ट्रपति शासन लगाने की तैयारी : इससे पहले पाकिस्तान के न्याय राज्य मंत्री अकील मलिक ने सोमवार को कहा, 'पख्तूनख्वा में सुरक्षा और प्रशासन की हालत बहुत खराब हो चुकी है।' पाकिस्तान सरकार खैबर पख्तूनख्वा (केपी) में राष्ट्रपति शासन लगाने पर विचार कर रही है। जियो न्यूज के मुताबिक मलिक ने कहा, 'खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी वहां की स्थिति को सुधारने में बुरी तरह फेल रहे हैं। वह न तो केंद्र सरकार से कोई तालमेल रख रहे हैं और न ही जरूरी जगहों पर कोई कार्रवाई कर रहे हैं।'

सेना के आदेश पर अफरीदी को पुलिस ने पीटा था : इमरान खान का समर्थन करने रावलपिंडी की अडियाला जेल पहुंचे खैबर-पख्तूनख्वा (केपी) राज्य के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी को पुलिस ने 27 नवंबर को सड़क पर गिराकर पीटा था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सीएम सोहेल अफरीदी पर हमले की कार्रवाई सेना के आदेश पर की गई। अफरीदी गुरुवार को जिस समय जेल पहुंचे थे वहां भारी सुरक्षा तैनात थी और पीटीआई समर्थकों की भीड़ लगातार बढ़ रही थी। उनके पहुंचने से हालात और बिगड़ गए। पुलिस ने उन्हें और उनके साथ आए नेताओं को आगे बढ़ने से रोक दिया। धक्का-मुक्की के दौरान पुलिसकर्मियों ने सीएम को लात-घूंसे भी मारे और जमीन पर गिरा दिया। पीटीआई ने इस घटना को लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला बताया है। अफरीदी ने बड़े विरोध-प्रदर्शन की धमकी दी थी अफरीदी का कहना है कि सरकार को इमरान खान की सेहत और सुरक्षा को लेकर उठे सभी सवालों के सही जवाब देने होंगे।

अमेरिका, ब्रिटेन समेत 15 देशों का चीन पर मानवाधिकार हनन का आरोप रिपोर्ट पर जताई गहरी चिंता

वाशिंगटन, एजेंसी। 15 देशों के गठबंधन ने 80वीं संयुक्त राष्ट्र महासभा की तीसरी समिति के दौरान चीन पर गंभीर और व्यवस्थित मानवाधिकार हनन का आरोप लगाया है। अमेरिका, ब्रिटेन, जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे राष्ट्रों ने चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के मानवाधिकार रिकॉर्ड पर गहरी चिंता जताई।

फयूल की एक रिपोर्ट के अनुसार इन्होंने अपने बयान में चीन सरकार पर मनमानी हिरासत, जबरन श्रम, अवैध सामूहिक निगरानी, और धार्मिक/ सांस्कृतिक स्वतंत्रता पर महत्वपूर्ण अंकुश लगाने की निंदा की। उइगरों, तिब्बतियों, ईसाइयों और फालुन गोंग अभ्यासी समेत अन्य मुस्लिम अल्पसंख्यकों के खिलाफ लगातार दुर्व्यवहार की विश्वसनीय रिपोर्टों पर जोर दिया गया। बच्चों को उनके परिवारों से अलग करने और राज्य-संचालित आवासीय स्कूलों में भेजने और सांस्कृतिक/ धार्मिक स्थलों को नष्ट करने जैसी प्रथाओं का भी उल्लेख किया गया।

हॉन्गकॉन्ग में नागरिक स्वतंत्रता और कानून के शासन के क्षरण पर भी चिंता : गठबंधन ने हॉन्गकॉन्ग में नागरिक स्वतंत्रता और कानून के शासन के गंभीर रूप से क्षरण पर भी चिंता जताई। 15 देशों ने बीजिंग से तत्काल और बिना शर्त उन सभी व्यक्तियों को रिहा करने की मांग की, जिन्हें केवल उनके मानवाधिकारों का प्रयोग करने के लिए हिरासत में लिया गया है। उन्होंने चीन से अंतरराष्ट्रीय कानूनी दायित्वों का पूरी तरह से पालन करने का आग्रह भी किया। पहले भी चीन पर मानवाधिकारों के उल्लंघन के आरोप लगते रहे हैं।

यूरोपीय संघ के रक्षा फंड में शामिल हुआ कनाडा, अमेरिका से बढ़ रही दूरी

ओटावा, एजेंसी। यूरोपीय संघ रक्षा फंड में कनाडा भी शामिल हो गया है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के कार्यालय ने यह जानकारी दी। कनाडा के इस कदम को सैन्य खर्च के लिए अमेरिका पर निर्भरता से दूर जाने के तौर पर देखा जा रहा है। यूरोपीय संघ के रक्षा फंड में शामिल होने के बाद कनाडा को 150 अरब यूरो का रक्षा कर्ज आसानी से मिल सकेगा। यूरोपीय संघ के इस रक्षा फंड को यूरोप के लिए सुरक्षा कार्रवाई (एसएएफई) के नाम से जाना जाता है। इस समूह में शामिल होने के बाद कनाडा की कंपनियों को विभिन्न रक्षा उपकरण खरीदने के लिए यूरोपीय संघ का सस्ता लोन मिल सकेगा।

क्या है एसएएफई : यूरोप के लिए सुरक्षा कार्रवाई यूरोपीय संघ का एक वित्तीय साधन है जिसका उद्देश्य सदस्य देशों को साझा रक्षा खरीद के लिए 150 अरब यूरो तक की वित्तीय सहायता प्रदान करना है। यह यूरोपीय संघ के उधार के माध्यम से वित्तपोषित किया जाएगा और इसका लक्ष्य यूरोपीय रक्षा और औद्योगिक आधार को मजबूत करना, महत्वपूर्ण रक्षा उपकरणों के उत्पादन को बढ़ावा देना और यूरोपीय रक्षा को मजबूत करना है।

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने एक बयान में कहा, एसएएफई में कनाडा की भागीदारी से सैन्य क्षमता की कमियों को दूर किया जाएगा, इससे कनाडाई निर्यातकों के लिए मार्केट का विस्तार होगा, और कनाडा में यूरोपियन रक्षा निवेश को बढ़ावा मिलेगा।' गौरतलब है कि कनाडा पहला गैर-यूरोपीय देश है जिसे रक्षा फंड में शामिल किया गया है। मार्क कार्नी ने कहा कि इससे कनाडा और यूरोपीय देशों के रिश्तों में भी मजबूती आएगी।

मादुरो को ट्रंप की चेतावनी, फोन कर कहा- देश छोड़ दें, अमेरिका-वेनेजुएला के बीच तनाव बढ़ा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और वेनेजुएला के बीच तनाव एक बार फिर खतरे की रेखा पार करता दिख रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने हाल ही में वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो से फोन पर बात की और उन्हें तीखा अल्टीमेटम देते हुए कहा कि यदि वह तुरंत देश नहीं छोड़ते, तो हालात और गंभीर हो जाएंगे। ट्रंप की यह चेतावनी ऐसे समय आई है जब कैरेबियन क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य मौजूदगी बढ़ चुकी है और दोनों देशों के रिश्ते पहले से ही बेहद तनावपूर्ण हैं। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, फोन कॉल के दौरान ट्रंप ने मादुरो से साफ कहा, 'आप खुद को और अपने करीबियों को बचा सकते हैं, लेकिन आपको अभी देश छोड़ना होगा।' अमेरिका ने मादुरो, उनकी पत्नी सीलिया फ्लोरेस और उनके बेटे को सुरक्षित रास्ता देने का प्रस्ताव रखा था। यह प्रस्ताव मादुरो के कई शीर्ष सहयोगियों तक भी बढ़ाया गया था। लेकिन मादुरो ने इसे ठुकरा दिया। वेनेजुएला की तरफ से दो मुख्य मांगें रखी गईं। पहली, मादुरो और उनके करीबी सर्कल के लिए वैश्विक माफी और दूसरी, वेनेजुएला की सेना पर पूरा नियंत्रण बनाए रखने का अधिकार। अमेरिका ने इन दोनों मांगों को मंजूर करने से इनकार कर दिया, जिसके बाद बातचीत पूरी तरह टूट गई।

अमेरिकी राष्ट्रपति का सीधा संकेत : ट्रंप ने रविवार को स्वीकार किया कि उन्होंने हाल ही में मादुरो से बात की है, लेकिन उन्होंने बातचीत की प्रकृति पर कोई जानकारी देने से मना कर दिया। इसके कुछ ही घंटे बाद उन्होंने दुनिया को चेतावनी दी कि वेनेजुएला का एयरस्पेस पूरी तरह बंद माना जाए। उनकी इस घोषणा के तुरंत बाद अंतरराष्ट्रीय उड़ानों ने वेनेजुएला के ऊपर से उड़ान भरना बंद कर दिया। फ्लाइटराडार24 के मुताबिक, देश के ऊपर एक भी विदेशी विमान नहीं देखा गया। कुछ एयरलाइंस ने वैकल्पिक रास्ते अपनाए, जबकि कई ने सेवाएं रोक दीं।

शर्तों की वजह से अटका समाधान : रिपोर्ट के अनुसार, कॉल 16 नवंबर को हुई थी। इसमें मादुरो ने दो बड़े आश्वासन मांगे पहला, कि उन्हें और उनकी टीम को किसी भी मौजूदा आरोपों से वैश्विक स्तर पर पूरी तरह माफी मिले। दूसरा, वेनेजुएला की सेना पर उनका नियंत्रण बना रहे, भले ही भविष्य में देश में स्वतंत्र चुनाव हों। अमेरिका ने इन दोनों शर्तों को सख्ती से खारिज कर दिया और कहा कि मादुरो को पद तुरंत छोड़ना होगा। बताया गया कि मादुरो सरकार ने अमेरिकी प्रशासन से दोबारा बातचीत की कोशिश की लेकिन उन्हें कोई जवाब नहीं मिला। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि यह स्थिति मादुरो और उनकी शासन व्यवस्था पर अब तक का सबसे बड़ा दबाव बना रही है।

बातचीत टूटने के बाद अमेरिका ने अपने शब्दों के साथ-साथ अपनी कार्रवाई भी तेज कर दी। ट्रंप ने चेतावनी दी कि अमेरिकी सैन्य अभियान जल्द ही जमीन पर शुरू हो सकते हैं। इसके बाद अमेरिकी जहाज और लड़ाकू विमान कैरेबियन में सक्रिय दिखाई दिए। अमेरिका ने दावा किया है कि वेनेजुएला की जमीन से ड्रग तस्करी बढ़ रही है, जिससे अमेरिका में 100000 लोगों की मौत हुई।

ब्रिटेन में भारतीय छात्र विजय कुमार की की चाकू मारकर हत्या, परिवार ने दी श्रद्धांजलि, पुलिस की जांच तेज

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में पढ़ाई कर रहे 30 वर्षीय भारतीय छात्र विजय कुमार श्योराण की हत्या से उनके परिवार और समुदाय में गहरी शोक की लहर है। वेस्ट मर्सिया पुलिस ने सोमवार को औपचारिक रूप से उनकी पहचान जारी करते हुए परिवार की भावुक श्रद्धांजलि साझा की और मामले से जुड़े किसी भी तरह की जानकारी देने की अपील दोहराई।

पुलिस के मुताबिक, पिछले मंगलवार को वॉर्सेस्टर के बारबॉर्न रोड पर विजय गंभीर हालत में मिले थे। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। हत्या के शक में गिरफ्तार किए गए पांच लोग फिलहाल जमानत पर हैं, जबकि जांच अभी जारी है।

परिवार ने कहा- विजय ऊर्जा, खुशी और हंसी का दूसरा नाम था

हरियाणा के चरखी दादरी जिले के जयामबास गांव के रहने वाले विजय को परिवार ने एक ऐसे इंसान के रूप में याद किया, जिसकी मौजूदगी से हर कमरे में रोशनी फैल जाती थी। परिवार द्वारा जारी बयान में कहा विजय हमारे जीवन में ऊर्जा, खुशी और हंसी लेकर आया। वह जहां भी जाता, माहौल को खुशनुमा बना देता। कठिन परिस्थितियों में भी उसका मनोबल अटूट रहता था। वह दिल से जीने वाला इंसान था। परिवार ने आगे कहा उसका हर छोटा कदम, उसकी हर मुस्कान, उसकी हर दया हमारे दिलों में हमेशा जिंदा रहेगी। उसकी असमय मौत ने हमारे जीवन में एक ऐसा खालीपन छोड़ दिया है, जिसे कभी भरा नहीं जा सकता।

पुलिस की अपील- किसी के पास भी जानकारी हो तो सामने आए : वेस्ट मर्सिया पुलिस के डिटेक्टिव चीफ इंस्पेक्टर ली होलहाउस ने कहा कि उनकी टीम घटना के हर पहलू की जांच कर रही है। उन्होंने कहा पिछले कुछ दिनों में हमने कई अहम सुराग जुटाए हैं। लेकिन हमें और जानकारी की जरूरत है। जो भी व्यक्ति घटना के बारे में कुछ जानता हो, वह तुरंत पुलिस से संपर्क करे। होलहाउस ने यह भी बताया कि पुलिस की टीम सप्ताहांत में भी बारबॉर्न रोड पर मौजूद रही और समुदाय को चिंता करने की जरूरत नहीं है।

विधायक ने केंद्र सरकार से की मदद की अपील : चरखी दादरी के विधायक सुनील सतपाल सांगवान ने सोशल मीडिया पर विजय की मौत पर दुख जताया और भारत सरकार से परिवार की हर संभव मदद करने की अपील की। उन्होंने लिखा हम मांग करते हैं कि मृतक के पार्थिव शरीर को जल्द से जल्द भारत लाने की व्यवस्था की जाए और जांच पारदर्शी और समयबद्ध हो ताकि दोषियों को कड़ी सजा मिल सके।

बांग्लादेश लौटने की तैयारी में बेटा तारिक रहमान, 15 साल से लंदन में हैं निर्वासित

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) अध्यक्ष 80 वर्षीय बेगम खालिदा जिया की तबीयत गंभीर बनी हुई है। ताजा अपडेट के अनुसार उन्हें ढाका के एवरकेयर अस्पताल में वेंटिलेशन पर रखा गया है। उनकी सुरक्षा को देखते हुए अस्पताल में पुलिस और विशेष सुरक्षा बल (एसएसएफ) की तैनाती की गई है। दूसरी ओर अब खालिदा जिया की ज्यादा गंभीर होती तबीयत को देखते 15 साल से लंदन में निर्वासन में रह रहे उनके बेटे और बीएनपी के कार्यकारी अध्यक्ष तारिक रहमान अब बांग्लादेश लौटने की तैयारी में हैं। इस बात की जानकारी बीएनपी के वरिष्ठ नेता ने दी। बीएनपी के वरिष्ठ नेता सलाहुद्दीन अहमद ने बताया कि खालिदा जिया के बेटे और पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष तारिक रहमान, जो पिछले 15 साल से लंदन में निर्वासन में रह रहे हैं, जल्द ही बांग्लादेश लौटेंगे। तारीक नए बांग्लादेशी पासपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। कारण है कि रहमान अस्थायी सरकार द्वारा दिए गए एक बार यात्रा पास का इस्तेमाल नहीं करना चाहते।

चुनाव को लेकर भी पार्टी में हलचल : बता दें कि अगले साल फरवरी में होने वाले बांग्लादेशी आम चुनाव को लेकर भी देशभर में हलचल तेज है। ऐसे में बीएनपी प्रमुख खालिदा जिया का स्वास्थ्य खराब होना, पार्टी के लिए अच्छा संकेत नहीं माना जा रहा है। ऐसे में बीएनपी की शीर्ष बैठक में पार्टी ने चुनावी रणनीति और वर्तमान राजनीतिक स्थिति पर भी चर्चा की। बीएनपी, अगस्त 2024 में छात्र आंदोलन के बाद बदलते राजनीतिक परिदृश्य में फिर से मुख्य राजनीतिक ताकत के रूप में उभर रही है। बढ़ाई गई अस्पताल की सुरक्षा उधर, खालिदा जिया की बिगड़ते स्वास्थ्य को देखते हुए अस्पताल में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। मंगलवार सुबह 2 बजे के करीब अस्पताल के मुख्य गेट पर बैरिकेड लगाई गई और दो दर्जन से अधिक पुलिसकर्मी तैनात किए गए। मध्यरात्रि से विशेष सुरक्षा बल के चार सदस्य अस्पताल में पहुंचे और लगभग तीन घंटे तक सुरक्षा निरीक्षण किया।

सिडनी में चल रहे अंतरराष्ट्रीय बाल शोषण रैकेट का भंडाफोड़

सिडनी, एजेंसी। सिडनी में पुलिस ने एक बड़े अंतरराष्ट्रीय बाल यौन शोषण रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन चारों पर बच्चों के यौन उत्पीड़न से जुड़े वीडियो ऑनलाइन फैलाने का आरोप है। जांच में सामने आया है कि यह नेटवर्क एक वैश्विक अंतरराष्ट्रीय बाल शोषण गिरोह से जुड़ा था, जिसके वीडियो में खतरनाक रस्मों और शैतानी प्रतीकों का इस्तेमाल किया जाता था। पुलिस ने इस कार्रवाई को बेहद गंभीर और संवेदनशील बताया है।

न्यू साउथ वेल्स पुलिस की विशेष टास्क फोर्स ने ऑनलाइन एन्क्रिप्टेड प्लेटफॉर्म पर चल रही संदिग्ध गतिविधियों की जांच के दौरान इस नेटवर्क की पहचान की। डिटेक्टिव सुपरिंटेंडेंट जेन डोहर्टी ने बताया कि यह सामान्य अपराध नहीं था, बल्कि इसमें ऐसे वीडियो शामिल थे जिनमें बच्चों को शैतानी अनुष्ठानों से जुड़े प्रतीकों और रिवाजों का इस्तेमाल करते हुए प्रताड़ित किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि यह सामग्री 'अत्यंत भयावह' है और बातचीत में भी ऐसे संकेत मिले जिससे पता चलता है कि आरोपी इसी तरह की क्रूर सामग्री साझा करते थे।

कैसे पकड़े गए आरोपी : पिछले गुरुवार को सिडनी में कई स्थानों पर छापे मारे गए और चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने उनके ठिकानों से इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए जिनमें हजारों वीडियो संग्रहित थे। यह सामग्री ऐसे बच्चों की थी जिनकी उम्र कुछ महीनों से लेकर 12 साल तक बताई गई है। पुलिस का कहना है कि यह सबूत दिखाते हैं कि आरोपी एक वैश्विक नेटवर्क का हिस्सा थे, जो ऑनलाइन बच्चों पर अत्याचार से जुड़े वीडियो साझा करता था।

अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क की कड़ी : पुलिस ने बताया कि यह नेटवर्क अलग-अलग देशों में फैले लोगों के बीच सामग्री साझा करता था। जांच में यह संकेत मिला है कि आरोपी शैतानी और ओकल्ट प्रतीकों के साथ वीडियो साझा करते थे। पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया कि इस मामले में जो वीडियो मिले हैं, वे आरोपियों ने खुद नहीं बनाए, लेकिन उन्होंने इन्हें साझा किया और इन पर चर्चाएं कीं। अधिकारियों ने कहा कि वे वैश्विक एजेंसियों के साथ मिलकर यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि पीड़ित बच्चे कौन थे, उन्हें कहां प्रताड़ित किया गया और अपराध के पीछे कौन लोग हैं।

आरोपियों के नाम और आरोप : गिरफ्तार आरोपियों में 26 वर्षीय लैंडन जर्मनोटा-मिल्स को इस नेटवर्क का मुख्य संचालक बताया गया है। अन्य तीन आरोपी स्टुअर्ट युड्स रिचेस (39), मार्क एंड्रयू सेनडेक्की (42) और बेनजामिन रेमंड ड्राइस्डेल (46) हैं। चारों पर ऑनलाइन बाल यौन शोषण सामग्री फैलाने के आरोप लगे हैं। जर्मनोटा-मिल्स पर बेस्टियालिटी सामग्री फैलाने और अपने पास रखने का अतिरिक्त आरोप भी लगाया गया है। अदालत ने चारों की जमानत अर्जी खारिज कर दी है और वे अब जनवरी के अंत में अगली सुनवाई के लिए पेश होंगे।

पीड़ितों की पहचान में जुटी पुलिस : पुलिस ने कहा कि अभी तक किसी भी पीड़ित की पहचान नहीं हो सकी है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के सहयोग से जांच तेजी से जारी है। अधिकारी जेन डोहर्टी का कहना है कि यह मामला बेहद संवेदनशील है और पूरे नेटवर्क को खत्म करने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। पुलिस ने यह भी बताया कि यह अपराध संगठित तरीके से चलाया जा रहा था और सामग्री को एन्क्रिप्टेड माध्यमों के जरिए साझा किया जाता था, ताकि पहचान छुपी रहे। अधिकारियों का कहना है कि जांच आगे बढ़ने पर कई और खुलासे हो सकते हैं।

एसआईआर : उन्नाव में एक घर से थे 45 मतदाता, सत्यापन के बाद बचे मात्र 3 वोटर

उन्नाव (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जिले में यह मामला सामने आने के बाद जिला प्रशासन में हड़कंप मच गया। कमलेश कुमार, आशीष और माधुरी देवी, जो अपने दो नाबालिग बच्चियों के साथ रहते हैं। इन तीनों ने अपना एसआईआर फॉर्म भरकर जमा कर दिया था। बाकी 42 लोगों का नाम, जो उसी घर के पते पर दर्ज है, कौन हैं और कहां रहते हैं, यह अब तक स्पष्ट नहीं है। सदर तहसील के पूरन नगर मोहल्ला के 57 नंबर घर के पते पर वोटर लिस्ट में 45 लोगों के नाम दर्ज थे। अब बीएलओ की जांच में सामने आया कि वहां सिर्फ तीन लोग मौजूद हैं। एसडीएम सुशील कुमार गौड़ ने कहा कि यह मामला निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता और वोटर लिस्ट की सटीकता पर सवाल खड़ा करता है। प्रशासन इस मामले को गंभीरता से ले रहा है और पूरी तरह जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई करेगा। मामले के सामने आने के बाद एडीएम ने बताया कि मामले की टीम बनाकर जांच कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि एआरओ (असिस्टेंट रिटर्निंग ऑफिसर) को टीम बनाकर जांच करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्नाव जिले में कई फैक्ट्रियां भी हैं, संभव है कि किसी की जानकारी गलती से इस घर के पते पर दर्ज हो गई हो। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके अनुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

यात्री की तबीयत बिगड़ी... तिरुवनंतपुरम जा रहे विमान को मंगलुरु में उतारा गया

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। यात्री के अचानक स्वास्थ्य खराब होने के कारण तिरुवनंतपुरम जा रहे एअर इंडिया एक्सप्रेस के विमान को मंगलुरु अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपात स्थिति में उतारना पड़ा। सोमवार देर रात तिरुवनंतपुरम जा रहे विमान में एक लगभग 35 वर्षीय यात्री को स्वास्थ्य संबंधी समस्या हुई। विमान के चालक दल ने तुरंत मंगलुरु हवाई अड्डे के संचालन नियंत्रण केंद्र को सूचित किया। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने तुरंत आपातकालीन प्रोटोकॉल लागू किए और चिकित्सा दल, सीआईएसएफ, आव्रजन और सीमा शुल्क विभाग के साथ समन्वय किया। विमान के उतरते ही हवाई अड्डे के चिकित्सा कर्मियों ने यात्री की स्थिति का आकलन किया और उन्हें तत्काल शहर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। यात्री के रिश्तेदार भी उनके साथ विमान से उतरे। चालक दल के समय पर मदद से यात्री के स्थिर होने में मदद मिली। स्थिति नियंत्रण में आने के बाद, विमान देर रात दो बजकर पांच मिनट पर तिरुवनंतपुरम के लिए रवाना हुआ। एयरलाइन एक प्रवक्ता ने इस समन्वित प्रतिक्रिया का हवाई अड्डे की तत्परता और यात्री सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण बताया। यह घटना दर्शाती है कि विमानन और हवाई अड्डा अधिकारी किस तरह चिकित्सा संबंधी आकस्मिकताओं से प्रभावी ढंग से निपटते हैं।

दो कॉलेजों को मिली बम से उड़ाने की धमकी, पुलिस और बम स्क्वॉड ने ली तलाशी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली यूनिवर्सिटी के दो कॉलेजों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। धमकी के बाद कैंपस में तलाशी शुरू की गई। बता दें इन दो कॉलेजों में रामजस कॉलेज और देश बंधु कॉलेज का नाम सामने आया है। कॉलेजों को यह धमकी मेल के जरिए दी भेजी गई थी। सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करते हुए दोनों कॉलेजों के कैंपस में सघन सर्च ऑपरेशन शुरू हुआ। पुलिस और बम स्क्वॉड टीमों ने चप्पे-चप्पे की तलाशी ली, लेकिन किसी भी तरह की संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली। अधिकारी फिलहाल स्थिति पर नजर रख रहे हैं। यह पता लगाने के लिए जांच की जा रही है कि यह धमकी महज एक अफवाह थी या इसके पीछे कोई वास्तविक मंशा। यह पहली बार नहीं है जब राजधानी के शैक्षणिक संस्थानों को ऐसी धमकियां मिली हैं। पिछले महीने 18 नवंबर को भी दिल्ली के द्वारका और प्रशांत विहार स्थित दो स्कूलों को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। इसके अलावा साकेत कोर्ट, रोहिणी कोर्ट और पटियाला कोर्ट समेत तीन अदालत परिसरों को भी धमकी भरे संदेश मिले थे। उन सभी मामलों में भी गहन जांच के बाद कोई विस्फोटक सामग्री नहीं मिली थी और धमकियां फर्जी निकली। इन घटनाओं के कारण सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं और वर्तमान मामले को भी पूरी गंभीरता से लिया जा रहा है।

इंडिगो एयरलाइंस की उड़ानों में तकनीकी खराबी से हड़कंप... रात भर से परेशान हो रहे यात्री

हैदराबाद (एजेंसी)। हैदराबाद के शमशाबाद एयरपोर्ट पर बीती रात से इंडिगो एयरलाइंस की उड़ानों में तकनीकी खराबी ने हड़कंप मचा हुआ है। तकनीकी समस्या के कारण मुंबई, अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई और दिल्ली के लिए उड़ानें प्रभावित हो रही हैं। इसके चलते करीब 1000 यात्री एयरपोर्ट पर लंबी प्रतीक्षा कर रहे हैं और उनकी यात्रा योजनाएं बाधित हो गई हैं। विशेष रूप से बेंगलुरु जाने वाली उड़ानें ज्यादा प्रभावित हुईं। मंगलवार-रात 2 बजे निर्धारित एक उड़ान की रात के दो घंटे तक रोका गया। बढ़ती चिंता और तनाव के बीच यात्रियों को विमान से उतारकर एयरपोर्ट टर्मिनल में इंतजार करने के लिए कहा गया। सबसे बड़ी परेशानी उन यात्रियों को हो रही है जिन्हें विदेश जाने वाली कनेक्टिंग फ्लाइट पकड़नी थी या वीजा इंटरव्यू के लिए विभिन्न शहरों का सफर तय करना था। एयरपोर्ट पर मौजूद इंडिगो कर्मचारी तकनीकी गड़बड़ी पर संतोषजनक जानकारी नहीं दे पा रहे हैं। एक यात्री ने बताया, 'हमें कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी जा रही। खाने-पीने की कोई व्यवस्था भी नहीं हुई।' इंडिगो एयरलाइंस प्रवक्ता ने कहा कि तकनीकी खराबी की समस्या सामने आई है और जल्द से जल्द ठीक करने का प्रयास हो रहा है। उन्होंने यात्रियों से धैर्य रखने की अपील की और हर संभव सहायता देने का आश्वासन दिया। विमानन क्षेत्र के विशेषज्ञों का मानना है कि यह घटना देश के सबसे बड़े विमानन संचालकों में से एक के लिए चिंता का विषय है। इंडिगो की हाल के महीनों में तकनीकी विश्वसनीयता को लेकर कई बार आलोचना का सामना करना पड़ा है।

मुस्लिम महिला को तलाक दिया है तो निकाह में मिला सामान और उपहार भी लौटाना पड़ेगा: कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों से जुड़े एक अहम मामले में फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया कि तलाकशुदा मुस्लिम महिला को निकाह के समय अपने मायके से लाया गया पूरा सामान, सोना-चांदी, नकदी तथा रिश्तेदारों-दोस्तों से मिले सभी उपहार वापस लेने का पूर्ण कानूनी अधिकार है। न्यायमूर्ति संजिव खन्ना की अगुवाई वाली पीठ ने यह भी कहा कि इन वस्तुओं को महिला की निजी संपत्ति माना जाएगा और तलाक के बाद इन्हें वापस करना बाध्यकारी होगा। न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की बेंच ने मुस्लिम महिला (तलाक पर अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 3 की नई एवं व्यापक व्याख्या की। कोर्ट ने कहा कि इस धारा को केवल सिविल विवाद के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि संविधान द्वारा प्रदत्त लैंगिक समानता, गरिमा और आर्थिक स्वतंत्रता के सिद्धांतों के अनुरूप समझा जाना चाहिए।

पीठ ने 2001 के डैनियल लतीफी बनाम भारत संघ मामले का हवाला देते हुए कहा कि इस कानून का मूल उद्देश्य तलाक के बाद मुस्लिम महिला को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है।

मामला कोलकाता की एक तलाकशुदा महिला का था, जिसने अपने पूर्व पति के खिलाफ 1986 के कानून के तहत याचिका दायर की थी। सुप्रीम कोर्ट ने महिला के दावे को पूरी तरह न्यायोचित मानते हुए पूर्व पति को 17,67,980 रुपये छह हफ्तों के अंदर महिला के बैंक खाते में जमा करने का निर्देश दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने 2022 में कलकत्ता हाई कोर्ट के उस फैसले को पूरी तरह पलट दिया, जिसमें महिला के दावे को खारिज कर दिया गया था। शीर्ष अदालत ने हाई कोर्ट की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि हाई कोर्ट ने मामले को महज सिविल वाद की तरह देखा और निकाहनामे में दर्ज प्रविष्टियों के आधार पर सबूतों की गलत व्याख्या की। कोर्ट ने टिप्पणी की कि हाई कोर्ट ने कानून के सामाजिक न्याय के उद्देश्य को नजरअंदाज कर दिया और संवैधानिक मूल्यों से विमुख निर्णय दिया। यह फैसला देश भर में लाखों तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं के लिए राहत की खबर है। अब वे न सिर्फ मेहर व गुजारा भत्ता, बल्कि शादी में अपने मायके से लाया सामान और मिले सभी उपहार कानूनी रूप से वापस प्राप्त कर सकेंगी। कानूनी विशेषज्ञों ने इसे लैंगिक न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है।

बाल विवाह मुक्त भारत 100 दिवसीय अभियान का शुभारंभ आज

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा शुरू किए जा रहे बाल विवाह मुक्त भारत अभियान का शुभारंभ गुरुवार को, बाल विवाह को समाप्त करने के राष्ट्रीय मिशन के एक साल पूरे होने के अवसर पर विज्ञान भवन, नई दिल्ली में होगा। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी और राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर इसका शुभारंभ करेंगी। मूल अभियान की शुरुआत 27 नवंबर 2024 को की गई। 100 दिन के अभियान की रणनीति तीन चरणों में होगी। पहला चरण (31 दिसंबर 2025 तक) स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में जागरूकता गतिविधियां। डिबेट, निबंध, शपथ ग्रहण। दूसरा चरण (31 जनवरी 2026 तक) धार्मिक नेताओं, सामुदायिक प्रभावकारों और विवाह सेवा प्रदाताओं के साथ मिलकर बच्चों के अधिकारों का संदेश फैलाना। तीसरा/अंतिम चरण (1 फरवरी से 8 मार्च 2026 तक) ग्राम पंचायतों और नगर निकायों के सहयोग से स्थानीय स्तर पर बाल विवाह मुक्त क्षेत्र घोषित करने के प्रस्ताव पारित करना। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, पंचायती राज, ग्रामीण विकास और शिक्षा मंत्रालय। यह अभियान नागरिकों, संस्थाओं और सामुदायिक नेताओं से सहयोग की अपील करता है ताकि बाल विवाह को समाप्त करने के भारत के संकल्प को पूरा किया जा सके।

यदि वक्फ की संपत्तियां छीनी गईं, तो मुसलमान चुप नहीं बैठेंगे: चौधरी

–कबीर के बयान पर कहा मस्जिद पवित्र स्थान है, राजनीति का माध्यम नहीं

कोलकाता (एजेंसी)। राज्य सरकार द्वारा केंद्र के नए वक्फ संशोधन अधिनियम, 2025 को लागू करने की स्वीकृति देने के बाद पश्चिम बंगाल में राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। टीएमसी सरकार में मंत्री और जमियत उलेमा-ए-हिंद पश्चिम बंगाल शाखा के अध्यक्ष सिद्दीकुल्लाह चौधरी ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि यदि वक्फ की संपत्तियां छीनी गईं, तो मुसलमान चुप नहीं बैठेंगे। चौधरी ने केंद्र पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि एसी कमरे में बैठकर बहुत बातें की जा सकती हैं, लेकिन क्या कोई गांव में जाकर लोगों से कह सकता है कि वक्फ संपत्ति अब उनकी नहीं रही? यह फैसला मुसलमानों पर जबरदस्ती थोपा गया है। हम इसे नेक नीयत से उठाया गया कदम नहीं मानते। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने महीनों तक इस कानून को लागू करने से इनकार किया था, लेकिन पिछले सप्ताह पश्चिम बंगाल सरकार ने केंद्र के निर्देश मानते हुए राज्य की 82,000 वक्फ संपत्तियों का विवरण 5 दिसंबर तक केंद्र के पोर्टल पर अपलोड करने का आदेश दिया है।

चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार पहले कुछ और सोच रही थी। अब सीएम ममता बनर्जी कुछ और सोच रही होंगी। वक्फ संपत्तियां बेहद अहम हैं। आगे क्या होगा, हम नहीं जानते, लेकिन लड़ाई लंबी और कठिन होगी। हमायूं कबीर के बाबरी मस्जिद निर्माण वाले बयान पर चौधरी ने कहा कि यह कदम बेहद संवेदनशील है और इससे अवांछित तनाव पैदा हो सकता है। उन्होंने कहा कि एक राजनीतिक नेता ने ऐसी बातें कही हैं, जिससे लोगों के मन में कई सवाल उठे हैं। हम कोई भी काम बिना सोचे-समझे नहीं करते। मस्जिद एक पवित्र स्थान है, राजनीति का माध्यम नहीं।

दो दिन बाद मौसम लेगा करवट: पड़ेगी हाड़ कंपाने वाली ठंड, कई इलाकों में भारी बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। आने वाले दो दिनों में मौसम करवट लेने जा रहा है। जिसके चलते दिल्ली-एनसीआर में हाड़ कंपाने वाली ठंड की आहट सुनाई दे रही है। भारत मौसम विज्ञान ने चेतावनी जारी की है कि आने वाले दिनों में हाड़ गलाने वाली ठंड के साथ कोहरा भी कहर बरपाएगा। वहीं दक्षिण भारत में तमिलनाडु समेत कई राज्यों में भारी बारिश की भी चेतावनी जारी की गई है।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार अगले कुछ दिनों में पारा तेजी से नीचे आएगा और शीत लहर का प्रकोप और बढ़ेगा। दिल्ली में न्यूनतम तापमान लुढ़ककर 7.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है और कोहरे की चादर ने दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश को अपनी आगोश में ले लिया है। आईएमडी ने 5 दिसंबर को शीत लहर की चेतावनी दी है जिसके साथ न्यूनतम पारा गिरकर 6 डिग्री तक जा सकता है। दिसंबर का पहला दिन 5.7 डिग्री के साथ अभी तक का सबसे सर्द दिन रहा था। मौसम विभाग का कहना है कि 5 दिसंबर से मौसम फिर बदलेगा और गलाने वाली ठंड का अहसास राजधानी के लोगों को हो सकता है।

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण की मार कम नहीं हुई है। आनंद विहार और चांदनी चौक जैसे इलाकों में एक्यूआई लगातार 400 के पार बना हुआ है। चूंकि दिल्ली-एनसीआर में अभी बारिश के कोई आसार नहीं हैं इसलिए वायु प्रदूषण से फिलहाल राहत मिलने के संकेत नहीं हैं। 6 दिसंबर से कोहरा और घना होने की चेतावनी जारी की गई है। मेटियोरोलॉजी एंड क्लाइमेट चेंज के हेड महेश पलावत का कहना है कि अगले 1-2 दिनों में तापमान में तेज गिरावट आएगी। दिसंबर के दूसरे हफ्ते से शीत लहर का दौर शुरू होगा जिससे ठिठुरन का अहसास बढ़ेगा। कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी के नए दौर के साथ दिल्ली-एनसीआर में शीत लहर का असर बढ़ेगा। पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से हिमालय के ऊपरी इलाकों में हल्की बर्फबारी के आसार हैं।

तमिलनाडु में भारी बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि तमिलनाडु के आसपास विक्षोभ बन रहा है। चक्रवात दितवाह भी कमजोर होते हुए दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उत्तरी तमिलनाडु तथा पुडुचेरी से होते हुए आगे बढ़ रहा है। नेल्लोर, कडलोर से लेकर चेन्नई जैसे तटीय इलाकों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है।

महापुरुषों की जयंती-पुण्यतिथि पर उनसे जुड़े स्थलों पर नहीं जाएंगी मायावती

–बसपा सुप्रीमो ने कहा– उनकी सुरक्षा के चलते लोगों को होती है परेशानी

कोलकाता (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख मायावती ने महापुरुषों की जयंती-पुण्यतिथि पर उनसे जुड़े स्थलों पर न जाकर अपने निवास स्थान पर या पार्टी कार्यालय में ही श्रद्धा सुमन अर्पित करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर की छह दिसम्बर को पुण्यतिथि है। इसके पहले बुधवार को उन्होंने एक पोस्ट में कहा कि महापुरुषों की जयंती-पुण्यतिथि पर उनसे जुड़े स्थलों पर जाने पर उनकी (यानी मायावती) की सुरक्षा के व्यवस्था के चलते लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इसी वजह से उन्होंने यह तय किया है कि अब उन स्थलों पर नहीं जाएंगी। निवास स्थान या कार्यालय पर ही श्रद्धा सुमन अर्पित कर उनके जीवन संघर्ष से प्रेरणा लेकर उनके कारवां को आगे बढ़ाने का संकल्प लेंगी ताकि बसपा के नेतृत्व में उनके आत्म सम्मान और स्वाभिमान का मूवमेंट सत्ता की मास्टर चाबी हासिल करके मंजिल की ओर आगे बढ़ा जा सके।

मायावती ने पोस्ट में लिखा- 'जैसा कि सर्वविदित है कि यूपी में मेरे नेतृत्व में चार बार बनी बसपा सरकार के दौरान 'बहुजन समाज' में समय-समय पर जन्मे उन महान संतों, गुरुओं व महापुरुषों में भी खासकर महात्मा ज्योतिबा फुले, राजर्षि छत्रपति शाहूजी महाराज, श्री नारायणा गुरु, परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर एवं मान्यवर कांशीराम आदि को कई रूपों में भरपूर आदर-सम्मान दिया गया है, जिनकी जातिवादी पार्टियों की रही सरकारों में यहां हमेशा उपेक्षा की गई व उनका तिरस्कार भी किया जाता रहा है।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने लिखा कि इस क्रम में परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर की पुण्यतिथि पर पश्चिमी यूपी को छोड़कर, यूपी में पार्टी के लोग व उनके अनुयायी मेरे निर्देशानुसार आगामी 6 दिसम्बर को लखनऊ के विशाल एवं भव्य डा. भीमराव अम्बेडकर सामाजिक परिवर्तन स्थल में और पश्चिमी यूपी, दिल्ली व उत्तराखण्ड स्टेट के लोग नोएडा में स्थित राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल में अपने परिवार सहित भारी संख्या में पहुंचकर अपने श्रद्धा-सुमन अर्पित करेंगे और उनके जीवन संघर्ष से प्रेरणा लेकर उनके कारवां को आगे बढ़ाने का संकल्प भी लेंगे ताकि बसपा के नेतृत्व में उनके आत्म-सम्मान व स्वाभिमान का मूवमेन्ट सत्ता की मास्टर चाबी प्राप्त करके मंजिल की ओर आगे बढ़ सके। धन्यवाद।

राज्यसभा में हलाल सर्टिफिकेशन पर हुई गर्मा-गरम बहस

–मांस के अलावा दूध, चीनी, तेल और सीमेंट पर भी सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। शीतकालीन सत्र के दौरान बुधवार को राज्यसभा में हलाल सर्टिफिकेशन को लेकर गर्मा-गरम बहस हुई। महाराष्ट्र से भाजपा सांसद डॉ. मेधा विश्राम कुलकर्णी ने कहा, हलाल केवल मांस से संबंधित एक धार्मिक और आस्था-संकेतित प्रक्रिया है, लेकिन इसके दायरे को कई अन्य पदार्थों तक बढ़ा दिया गया है। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि मांस के अलावा दूध, चीनी, तेल और यहां तक कि सीमेंट, प्लास्टर और अन्य निर्माण सामग्री को भी हलाल सर्टिफिकेट दिया जा रहा है, जो अतार्किक और आशंकाओं को पैदा करने वाला है।

भाजपा सांसद डॉ. कुलकर्णी ने कहा, कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है और यहां विभिन्न आस्थाओं के लोग रहते हैं। हलाल सर्टिफिकेशन केवल मुस्लिम आस्था से जुड़ा विषय है, लेकिन इसे अन्य लोगों पर थोपने से उनके धार्मिक विश्वासों का उल्लंघन होता है। उन्होंने कहा, हिंदू और सिख समुदाय के लोग हलाल मांस नहीं खाते, ऐसे में उनके लिए हलाल प्रमाणित मांस अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराना सही नहीं है।

सांसद ने यह भी आरोप लगाया कि हलाल सर्टिफिकेशन देने वाली संस्थाओं द्वारा चार्जेस लगाए जाने से बाजार में कीमतें बढ़ती हैं और उपभोक्ताओं को अप्रत्यक्ष रूप से इसका भुगतान करना पड़ता है। उन्होंने इसे उपभोक्ता स्वतंत्रता और बाजार पारदर्शिता के लिए हानिकारक बताया। डॉ. मेधा ने मेडिकल अध्ययनों का हवाला देते हुए यह भी दावा किया कि हलाल प्रक्रिया से मांस में कुछ ऐसे रासायनिक तत्व उत्पन्न होते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकते हैं।

उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि मांस पर हलाल सर्टिफिकेशन केवल सरकारी निकाय द्वारा दिया जाए, न कि किसी धार्मिक संस्था द्वारा। उनका यह भी कहना था कि गैर-मांस खाद्य पदार्थों और गैर-खाद्य वस्तुओं पर हलाल सर्टिफिकेशन देने का कोई आधार नहीं है और इससे धर्मनिरपेक्षता और संविधान के सिद्धांतों का उल्लंघन होता है। सांसद ने कहा कि इस तरह के कदम से उपभोक्ताओं की स्वतंत्रता बाधित होती है और सामाजिक रूप से मतभेद बढ़ सकते हैं।

अवैध घुसपैठिए भारत में किसी कानूनी अधिकार के हकदार नहीं: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को स्पष्ट शब्दों में कहा कि अवैध रूप से देश में घुसे प्रवासी और घुसपैठिए भारत के किसी भी कानूनी अधिकार के हकदार नहीं हैं। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत की अगुवाई वाली पीठ ने यह टिप्पणी पांच रोहिंग्या अवैध प्रवासियों की गुमशुदगी से जुड़ी हैबियस कॉर्पस याचिका की सुनवाई के दौरान की। ये रोहिंग्या हिरासत में लिए जाने के बाद से लापता बताए जा रहे हैं।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता ने रोहिंग्याओं को शरणार्थी कहकर संबोधित किया, जिस पर सीजेआई ने कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि अदालत मानवीय आधार पर ही इनके मामले को देख रही है, लेकिन इससे उनका कानूनी दर्जा -शरणार्थी- नहीं हो जाता। सीजेआई ने तल्ख लहजे में पूछा, पहले आप अवैध तरीके से सीमा पार करते हैं - सुरंग खोदकर या बाड़ कूदकर भारत में घुसते हैं। फिर कहते हैं कि अब मैं आ गया हूं, तो मुझे भोजन, आवास, बच्चों को शिक्षा का अधिकार मिलना चाहिए। क्या हम कानून को इतना खींचकर तोड़ना चाहते हैं?

प्रधान न्यायाधीश ने आगे कहा कि एक बार अवैध प्रवासी भारत में दाखिल हो जाते हैं, तो वे तुरंत संसाधनों पर दावा ठोकने लगते हैं। लेकिन भारत के अपने लाखों गरीब नागरिक हैं, जिनका इन सीमित संसाधनों पर पहला हक है, न कि अवैध घुसपैठियों का। हालांकि, कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि हिरासत में किसी भी अवैध प्रवासी को यातना नहीं दी जा सकती। मानवीयता का तकाजा है कि उनके साथ अमानवीय व्यवहार न हो। कोर्ट ने उम्मीद जताई कि देश का हर नागरिक, खासकर पूर्वोत्तर और पूर्वी राज्यों में रहने वाले लोग, अवैध घुसपैठ की गंभीरता को समझते हैं। पीठ ने 2005 के ऐतिहासिक सर्बानंद सोनोवाल मामले का जिक्र करते हुए याद दिलाया कि सुप्रीम कोर्ट ने तब असम में बांग्लादेशी घुसपैठ को बाहरी आक्रमण की श्रेणी में रखा था और केंद्र को अनुच्छेद 355 के तहत राज्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था।

केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने याचिका का कड़ा विरोध किया। उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ता हैबियस कॉर्पस की आड़ में सरकार से डिपोर्टेशन प्रक्रिया, विदेशी सरकारों से बातचीत और गोपनीय सरकारी फाइलों की जानकारी मांग रहे हैं, जो पूरी तरह अस्वीकार्य है। पीठ ने मामले की अगली सुनवाई 16 दिसंबर निर्धारित करते हुए सभी संबंधित रोहिंग्या मामलों को एक साथ जोड़ने का फैसला किया।

इससे पहले मई 2024 में जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने दिल्ली में रह रहे रोहिंग्या प्रवासियों के संभावित निर्वासन पर अंतरिम रोक लगाने से साफ इनकार कर दिया था। वरिष्ठ अधिवक्ता कोलिन गोंसाल्विस और प्रशांत भूषण ने दलील दी थी कि म्यांमार लौटने पर रोहिंग्याओं का नरसंहार हो सकता है, इसलिए उन्हें भारत में रहने का अधिकार मिलना चाहिए। लेकिन कोर्ट ने साफ कहा कि भारत में कहीं भी रहने का मौलिक अधिकार केवल भारतीय नागरिकों को है। विदेशी नागरिकों का नियमन विदेशी अधिनियम के तहत ही होगा।

रोहिंग्या मुद्दा लंबे समय से विवादास्पद रहा है। म्यांमार की सेना इन्हें बांग्लादेशी घुसपैठिया मानती है और नागरिकता देने से इनकार करती है। 2017 के बाद बड़े पैमाने पर उत्पीड़न से बचकर लाखों रोहिंग्या पहले बांग्लादेश और फिर वहां से भारत के विभिन्न हिस्सों, खासकर जम्मू, दिल्ली, हैदराबाद, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में पहुंचे। भारत इन्हें शरणार्थी का दर्जा देने से लगातार इनकार करता रहा है।